रोहतक
रविवार 5 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 30, अंक : 60
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 33.3
न्यून. 16.8

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

09 दिल्ली की लगातार दूसरी जीत, रिजवी के तूफान के आगे मुंबई इंडियंस पस्त

haribhoomi.com

HRERA - RERA-PKL-PROJ-1916-2025
Dated 15.10.2025 valid upto 14.10.2030

ROYAL GREEN REALTY

WELCOME TO THE NEXT CHAPTER IN URBAN BLISS

NH44
PANIPAT
GHAZIABAD
KMP EXPRESSWAY
GURUGRAM
KMP EXPRESSWAY
DELHI
NH44

ON THE 'RIGHT' SIDE OF SONIPAT.

ROYAL GREEN COUNTY
SONIPAT

HRERA - RERA-PKL-PROJ-1916-2025
Dated 15.10.2025 valid upto 14.10.2030

ROYAL GREEN REALTY

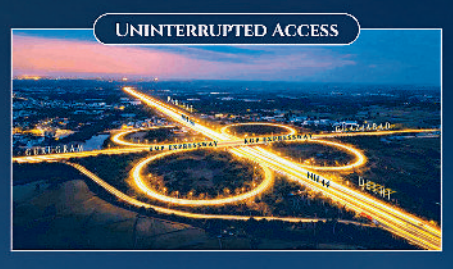

WHAT DOES URBAN BLISS MEAN TO YOU?

A breath of fresh air,
renewed by uninterrupted greenery.

Everyday ease,
built on uninterrupted amenities.

Children growing up safe, happy, and free,
in uninterrupted comfort.

The best of Delhi, always within reach,
through uninterrupted access.

A clubhouse that helps you unwind,
in uninterrupted peace.

Homes that think ahead,
enabled by uninterrupted smart systems.

And a life that runs as it should,
defined by uninterrupted quality.

The better life isn't a dream.
It's a design.
And it's waiting, uninterrupted.

Effortlessly close to all that matters in Delhi.
Plotted Township | Planned Infrastructure | Amenity-Rich Living

Artistic Impression

7800 999 777

Scan for exact location

Scan for a virtual tour

www.royalgreenrealty.com

The information, visuals, plans, specifications, and other details presented in this print media advertisement/brochure are for general and representational purposes only. All images are artistic impressions and do not reflect actual site conditions. Features, layouts, finishes, amenities, and pricing are subject to change without prior notice, based on construction progress, regulatory approvals, and decisions of the developer. This material does not constitute a legal offer, commitment, or contract of any kind. Actual project deliverables may vary from those shown or described. All project approvals and developments are subject to applicable laws and permissions from relevant authorities. Buyers are strongly advised to independently verify all details, including project specifications, pricing, timelines, and RERA registration, before making any booking, investment, or purchase decision. No content in this brochure shall be binding unless incorporated in a duly executed agreement.

रोहतक
रविवार 5 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 30, अंक : 60
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 33.3
न्यून. 16.8

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

09 18 साल की पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर

बारिश-ओलावृष्टि से 3.5 डिग्री तक गिरा तापमान, 50 किमी की रफ्तार से चली हवाएं, 7 से फिर बदलेगा मौसम

हरिभूमि टीम ▸▸ हरियाणा

प्रदेश में मौसम बार-बार करवट ले रहा है। शनिवार सुबह के समय आंशिक जिलों में बादल छाए रहे। हालांकि दोपहर तक मौसम साफ हो गया। शुक्रवार शाम हुई बारिश से अधिकतम तापमान 3.5 डिग्री की गिरावट के साथ 31.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री की कमी के साथ 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 62 प्रतिशत तक रहा। 50 किमी की रफ्तार से हवाएं चली। मौसम विभाग के अनुसार रविवार और सोमवार को भी आंशिक या घने बादल छा सकते हैं। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी या बारिश हो सकती है। मंगलवार को तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ बार-बार सक्रिय होने से अप्रैल माह में अभी तक मौसम साफ नहीं हुआ है। 10 अप्रैल के बाद मौसम साफ होने की संभावना है।

फसलों को हुआ भारी नुकसान

मार्च माह के दूसरे पखवाड़े से मौसम ने किसानों को परेशान करना शुरू कर दिया था। कई गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हो चुका है। मौसम का खतरा बना रहने से किसान चिंतित नजर आ रहे हैं।

किसानों के लिए एडवाइजरी

मौसम में बदलाव को देखते हुए किसानों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। आगामी 3-4 दिनों तक गेहूं और सरसों की कटाई, मड़ाई व सिंचाई कार्य रोकने को कहा गया है, ताकि बारिश और तेज हवा से फसल को नुकसान न हो। तैयार सरसों की फसल को खेत में बांधकर सुरक्षित रखने की सलाह है। सब्जियों व दलहनी फसलों की बुवाई फिलहाल टालने को कहा गया है। फलदार पेड़ों में सिंचाई संतुलित रखें और कीट-रोग पर नजर बनाए रखें। पशुओं को खुले में न छोड़कर शेड में रखें तथा पोल्ट्री फार्म में उचित वेंटिलेशन बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उधर, पहाड़ों पर बिछी सफेद चादर

केदारनाथ में बर्फबारी, अटल टनल बंद

शिमला। केदारनाथ में शनिवार को बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद हो गया है। रोहतांग दर्रे के पास भारी हिमपात की वजह से अटल सुरंग बंद कर दी गई है। इधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। हिमाचल की राजधानी शिमला में भी शनिवार को तेज तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिला के ठियोग व आसपास के क्षेत्रों और हमीरपुर के सुजानपुर में शनिवार दोपहर बाद भारी ओलावृष्टि हुई। इससे सेब की फ्लावरिंग, मटर और फूलगोभी की फसल को भारी नुकसान हुआ है। बीते 24 घंटों के दौरान सराहन में 32.7 मिली, धर्मशाला 32.2, जोत 22.4, घाघस 19.4, मुरारी देवी 17.4 और मनाली में 17.0 मिमी बारिश हुई। लाहौल स्पीति में अटल टनल, दारचा, गोंदला, रोहतांग दर्रा, शिंकुला दर्रा और स्पीति वैली में ताजा हिमपात हुआ। राज्य के अन्य क्षेत्रों में बीती रात को बारिश हुई।

कई इलाकों में गिरे ओले, भारी नुकसान

7 अप्रैल को 10 जिलों में येलो अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक-अगले छह दिन भी बारिश से राहत के आसार नहीं है। कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिला में ओलावृष्टि व तूफान का ऑरेंज अलर्ट दिया गया है, जबकि लाहौल स्पीति और किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी जिलों में येलो अलर्ट की चेतावनी दी गई।

खबर संक्षेप

गर्भाशय में छोड़ा नैपकिन ऑपरेशन कर निकाला

खरगोन। जिला अस्पताल में 17 मार्च को सिजेरियन डिलीवरी के दौरान एक महिला के गर्भाशय में नैपकिन छोड़ने का मामला सामने आया है। पेट दर्द के चलते उन्हें इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां ऑपरेशन कर नेपकिन निकाला गया। वर्तमान में प्रसूता आईसीयू में भर्ती हैं और उनकी हालत स्थिर है। इस गंभीर चूक पर कलेक्टर भव्या मित्तल ने सिविल सर्जन डॉ. राजकुमारी देवड़ा से रिपोर्ट मांगी है, जिसके बाद जांच के लिए 3 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। *एजेंसी*

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा 'ड्रोन'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मालदा के मालतीपुर में मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की जनसभा में हड़कंप मच गया। जैसे ही जनसभा खत्म हुई और इससे पहले कि वह अपनी अगली मंजिल के लिए रवाना हो पातीं, मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के ठीक सामने एक ड्रोन मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही तृणमूल सुप्रीमो गुस्से से लाल हो गईं। उन्होंने तुरंत ड्रोन के सोर्स की जांच करने और उसे उड़ाने वाले व्यक्ति की पहचान करने के आदेश दिए। *एजेंसी*

वॉशिंगटन की मेयर बन सकती हैं रिनी संपत

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में भारतीय मूल की रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए गर्व का पल है। *एजेंसी*

दो लड़ाकू विमान गिरने के बाद बौखलाए अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रम्प का अल्टीमेटम, 48 घंटे में होर्मुज खोले ईरान, वरना तबाह कर दिया जाएगा

नाटो कमजोर और एक गैर-भरोसेमंद साझेदार

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव/तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ईरान नहीं माना तो उसे तबाह कर दिया जाएगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि समय खत्म हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले उन्होंने ईरान को 10 दिन की मोहलत दी थी, लेकिन अब सिर्फ 48 घंटे बचे हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा कि अगर ईरान ने उनकी बात नहीं मानी तो भारी तबाही मचाई जाएगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो को कमजोर और गैर-भरोसेमंद साझेदार बताया है। सोशल मीडया पोस्ट में ट्रम्प ने संकेत दिया कि अमेरिका इसके साथ अपने रिश्तों की समीक्षा कर सकता है। ट्रम्प ने कहा कि मौजूदा हालात में नाटो अपने दायित्वों को पूरी तरह निभाने में असफल रहा है। उन्होंने ईरान युद्ध के दौरान कई सहयोगी देशों के रुख पर नाराजगी जताई।

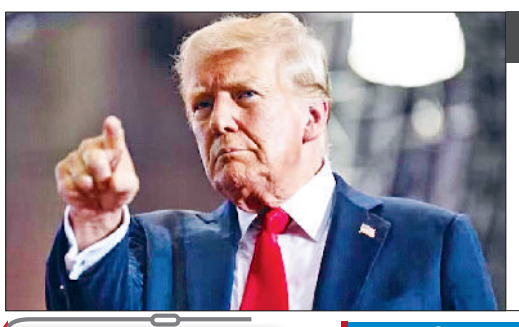

ईरान के बुशहर न्यूक्लियर प्लांट के पास हमला

ईरान के बुशहर में शनिवार को न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्लांट के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरा, जिससे एक सुरक्षा कर्मी की जान चली गई। वहीं इजराइल ने ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान प्रांत में महशहर पेट्रोकेमिकल स्पेशल इकोनॉमिक जोन पर हमला किया है। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस इलाके में कई विस्फोट हुए, जिसके बाद घटनास्थल से धुआं उठता हुआ देखा गया। इजराइल के सुरक्षा सूत्रों ने भी पुष्टि की है कि ये हमले उसकी वायुसेना ने किए हैं। इस हमले में तीन कंपनियों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में पांच लोग घायल हुए हैं।

ईरान के महशहर पेट्रोकेमिकल जोन पर हमले में 5 की मौत

ईरान के खुजेस्तान प्रांत स्थित महशहर पेट्रोकेमिकल जोन पर हुए हमले में 5 लोगों की मौत हो गई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले में पेट्रोकेमिकल स्पेशल इकोनॉमिक जोन में स्थित कई कंपनियों को निशाना बनाया गया। शुरुआती रिपोर्ट्स में केवल घायलों की बात कही गई थी, लेकिन बाद में मृतकों की संख्या सामने आई।

भारतीय जहाज ने पार किया होर्मुज

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच एलपीजी लेकर आ रहा भारतीय जहाज ग्रीन संवी होर्मुज स्ट्रेट पार कर गया है। जहाज में करीब 46,650 मीट्रिक टन गैस लदी है। यह होर्मुज पार करने वाला भारत का 7वां एलपीजी टैंकर है। सरकार के मुताबिक, खाड़ी क्षेत्र में इस समय 18 भारतीय जहाज और करीब 485 भारतीय नाविक मौजूद हैं। अब तक 964 से ज्यादा भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। *(विस्तृत पेज -10 पर)*

भारत से पुराना रिश्ता दोस्ती मजबूत करेंगे : ईरान

इस बीच मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने भारत के साथ ऐतिहासिक रिश्तों को याद करते हुए दोस्ती और सहयोग बढ़ाने की बात कही है। ईरानी कॉन्सुलेट ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "भारत और खासकर गुजरात हमारे साझा इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। सदियों पहले यहां के लोगों ने हमारे लोगों का स्वागत किया था।"

अब तक 5 आरोपी गिरफ्तार...

चंडीगढ़ : भाजपा दफ्तर ब्लास्ट के तार जर्मनी-पुर्तगाल से जुड़े

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर ब्लास्ट का मामला सुलझ गया है। पंजाब डीजीपी ने इस मामले में 5 लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एक ग्रेनेड और हथियारों का जखीरा भी बरामद किया गया है। पुलिस की टीमें फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए अभियान चला रही हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा- पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ जॉइंट ऑपरेशन किया। इसमें एक अप्रैल को चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा हेडक्वार्टर के बाहर ब्लास्ट की पूरी साजिश को बेनकाब किया। उसके साजिशकर्ताओं को पहचान लिया गया है।

इनको पकड़ा

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार हुए आरोपियों में बलविंदर लाल उर्फ शम्मी, जसवीर सिंह उर्फ जस्सी, चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी, रूबल चौहान और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा शामिल हैं। वहीं, इस हमले के मुख्य आरोपी गुरतेज सिंह और अमनप्रीत सिंह अभी फरार हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिस छापे मार रही है।

कारतूस के साथ अन्य सामान बरामद

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एक हैंड ग्रेनेड, एक .30 बोर की जिगाना पिस्टल (अपनी मारक क्षमता के लिए मशहूर) और भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं, जांच में सामने आया है कि इन हथियारों की खेप को कई हाथों से घुमाकर आरोपियों तक पहुंचाया गया था ताकि पुलिस की नजरों से बचा जा सके। पुर्तगाल में बैठे हैंडलर ने पूरी लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी का तालमेल बिठाया था।

पाकिस्तान-आईएसआई से जुड़े मॉड्यूल का खुलासा

डीजीपी के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया कि यह पूरा मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ा हुआ था। इस नेटवर्क को विदेश में बैठे हैंडलर्स चला रहे थे, जिनकी लोकेशन पुर्तगाल और जर्मनी में बताई जा रही है। आरोपी एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा थे।

महाराष्ट्र में हुआ हादसा

नासिक में कुएं में कार गिरी एक ही परिवार के 9 की मौत

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, एक अन्य महिला आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लड़का) के रूप में हुई है। अब तक यह पता नहीं चल पाया कि ड्राइवर को कुआं क्यों नहीं दिखा।

बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद जा रहे थे घर

राजनीतिक प्रभाव से रहें मुक्त

संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव घातक होगा : जस्टिस नागरत्ना

पटना (एजेंसी)। लोकतंत्र की मजबूती और निष्पक्ष शासन के लिए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को बेहद जरूरी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि चुनाव आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रहना चाहिए। इससे लोकतंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहती है। पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि संविधान ने जानबूझकर ऐसी संस्थाओं का निर्माण किया है, जो शासन के अहम क्षेत्रों की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि अगर इन संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बढ़ेगा, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और सत्ता संतुलन बिगड़ सकता है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि चुनाव सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं है।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती

फिजिकल के लिए 15 अप्रैल हो सकती है संभावित तारीख

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एचएसएससी) की ओर से 5500 पुलिस कांस्टेबल भर्ती को लेकर बड़ा अपडेट दिया गया है। आयोग की चेयरमैन की ओर से फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट (पीएमटी) की संभावित डेट जारी कर दिया है। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने खुद इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी जानकारी शेयर की है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है कि, इंतजार खत्म, पीएमटी 15 अप्रैल 2026 से आयोजित किया जाना संभावित है। पीएमटी के लिए एडमिट कार्ड जल्द ही आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। हरियाणा पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

एचएसएससी के चेयरमैन बोले- युवाओं का इंतजार हुआ खत्म

दिल्ली में कमर्शियल गैस पर नया नियम लागू

एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए पीएनजी कनेक्शन लेना जरूरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब दिल्ली के व्यापारियों, रेस्टोरेंट और उद्योगों को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर तभी मिल सकेगा, जब उन्होंने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन कर दिया होगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के नए आदेश के अनुसार किसी भी कमर्शियल या इंडस्ट्रियल उपभोक्ता के लिए एलपीजी सिलेंडर पाने के लिए संबंधित तेल कंपनियों के पास रजिस्टर्ड होना और पीएनजी के लिए आवेदन करना अनिवार्य है।

पीएनजी गैस को माना जा रहा ज्यादा सुरक्षित

पहले व्यावसायिक प्रतिष्ठान अपनी जरूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर मंगवाते थे, लेकिन अब इस प्रणाली को धीरे-धीरे खत्म करने की तैयारी है। पीएनजी को ज्यादा सुरक्षित माना जा रहा है।

कार्रवाई

अनुशासन एक्शन कमेटी ने प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र को सौंपी रिपोर्ट

भविष्य में खुली छूट न देने पर चर्चा

क्रॉस वोटिंग करने वाले पांचों विधायक होंगे सस्पेंड हाईकमान को कड़ा एक्शन लेने की सिफारिश

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा कांग्रेस की डिसिप्लिनरी एक्शन कमेटी (डीएसी) ने राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोट करने वाले पांचों विधायकों से जुड़ी अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को सौंप दी है। डीएसी ने अपनी रिपोर्ट ई-मेल के जरिए भेजी। इसमें पांचों विधायकों को सस्पेंड करने और उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लेने की सिफारिश की गई है। अब हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह इस रिपोर्ट को पार्टी हाईकमान को भेजेंगे। उसके बाद आखिरी फैसला हाईकमान के लेवल से लिया जाएगा। अगर पार्टी इन विधायकों को सस्पेंड करती है तो उस सूरत में ये विधायक आगे भी सदन के अंदर पार्टी व्हिप मानने को बाध्य होंगे। शुक्रवार को चंडीगढ़ में हुई डीएसी की मीटिंग में इस बात पर गंभीरता से चर्चा हुई थी कि पांचों विधायकों को ऐसी सजा दी जाए कि उन्हें फ्यूचर में सदन के अंदर व्यवहार करने की किसी तरह की खुली छूट न मिल पाए। कोशिश यही रखी जाए कि ये विधायक न इधर के रहें और न उधर के। और अंततः खुद ही पार्टी छोड़ने को मजबूर हो जाएं।

- डिसिप्लिनरी कमेटी ने प्रदेशाध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट
- विधायक सदन के अंदर पार्टी व्हिप मानने को बाध्य होंगे

दो विधायकों ने पक्ष रखने का मांगा मौका

नारायणगढ़ विधायक शैली चौधरी और साढौरा विधायक रेनू बाला की ओर से अनुशासन समिति के चेयरमैन धर्मपाल मलिक को वॉट्सएप पर लेटर भेजा गया। जिसमें कोई भी फैसला लेने से पहले व्यक्तिगत पेशी (पर्सनल हियरिंग) का मौका मांगा। जिसे स्वीकार कर लिया गया।

पार्टी से नहीं निकालेंगे

पार्टी सूत्रों के मुताबिक क्रॉस वोटिंग के आरोपी विधायकों को लेकर 2 ही विकल्पों पर चर्चा हुई। निलंबित किया जाए या पार्टी से बाहर निकाला जाए। दोनों ही स्थितियों में विधायक की विधानसभा सदस्यता पर खतरा नहीं होगा। निलंबन की स्थिति में पार्टी का व्हिप मान्य होगा, यानी उन्हें सदन में यदि कांग्रेस किसी मामले में व्हिप जारी करती है, तो इन विधायकों का मानना पड़ेगा।

खबर संक्षेप

कृषि मंत्री ने पंचकूला में मंडियों का निरीक्षण किया

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को पंचकूला, बरवाला और रायपुरानी अनाज मंडियों का दौरा कर रबी सीजन 2026-27 के लिए गेहूं और सरसों की खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मंत्री ने मंडियों में किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, फसल सत्यापन प्रक्रिया, बिजली, पानी, साफ-सफाई और बायोमैट्रिक प्रणाली सहित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

सरकार की नीतियों के कारण किसान परेशान

चंडीगढ़/करनाल। सांसद सैलजा ने करनाल जिले की घरौंडा अनाज मंडी के दौरे पर पहुंचीं। उन्होंने फसल खरीद का जायजा लिया और किसानों, आढ़तियों और व्यापारियों से बातचीत की। कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर छोटे व्यापारियों और आढ़तियों को कमजोर करने में लगी हुई है तथा किसानों पर तरह-तरह के नियम लागू कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर किसान प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी नीतियां उसकी समस्याओं को और बढ़ा रही हैं।

गिग वर्कर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

चंडीगढ़। देशभर में काम कर रहे गिग वर्कर्स के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर हरियाणा युवा कांग्रेस ने आवाज बुलंद की है। इसी कड़ी में हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने गुरुग्राम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गिग वर्कर न्याय अभियान को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश के लाखों गिग कर्मियों की स्थिति आज बेहद चिंताजनक हो गई है और उन्हें उचित अधिकार, सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।निशित कटारिया ने कहा कि आज देश के तमाम गिग कर्मियों की हालत अमानवीय श्रेणी तक पहुंच चुकी है। उनका कहना था कि मुनाफे की अंधी दौड़ में शामिल बड़ी कंपनियां गिग वर्करों का शोषण कर रही हैं।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा सहित खेडीपुल एरिया से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हेमंत निवासी बालाजी कॉलोनी गांव करनेरा फरीदाबाद के रूप में हुई है। जिस पर पूर्व में आम्स एक्ट व चोरी सहित कुल 7 मामले दर्ज है। जिसकी पूछताछ पर अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपी को भी अपराध शाखा की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार 3 अप्रैल को अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हेमंत को खेडीपुल एरिया से अवैध देसी कट्टा सहित काबू किया है।

मुख्यमंत्री का फरीदाबाद और सफीदों रैली में ऐलान, बोले- सरकार किसानों के साथ खड़ी है

बारिश से फसलों के नुकसान की होगी भरपाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार किसानों के साथ पूरी तरह से खड़ी है। ओलावृष्टि व बरसात से जो फसलों का नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कराई जाएगी। मुख्यमंत्री फरीदाबाद में धन्यवाद एवं विकसित रैली को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जींद के सफीदों में आयोजित धन्यवाद व विकास रैली को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष सिर्फ किसानों के नाम पर राजनीति कर रहा है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में किसानों के हित में कोई काम नहीं किया, वहीं भाजपा सरकार ने किसानों को आय दोगुना करने के लिए नीति तैयार की। किसानों को फसलों का नुकसान का सर्वाधिक मुआवजा दिया।

49 करोड़ से ज्यादा की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने सफीदों रैली में 49 करोड़ से अधिक की योजनओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इसमें सफीदों के अस्पताल को 100 बैड में अपग्रेड किया जाएगा। इसके अलावा सिवाना माल गांव तथा गांव खातला में पशु अस्पताल की नई बिल्डिंग बनाई जाएगी। सफीदों में रामसर पार्क तथा ऑडिटोरियम का निर्माण करवाया जाएगा तथा सफीदों शहर में छात्रों के लिए ई-लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी। इसके साथ ही पानीपत रोड से नगरपालिका की सीमा में महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम से प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। सफीदों में बीएससी नर्सिंग कॉलेज के भवन का निर्माण जल्द करवाया जाएगा। सफीदों में कन्या राजकीय महाविद्यालय की चारदीवारी का पुनः निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सफीदों शहर के पीपल वाला मोहल्ला वार्ड नंबर सात गुल्जारी चौक, कॉलोनी में घरों के ऊपर से गुजर रही 33 केवी लाइन को नियमानुसार हटाया जाएगा। गांव खेड़ा खेमावती में 33 केवी सब स्टेशन में लगे पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता को 33 एमवीए की जाएगी तथा गांव के प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की पुरानी जर्जर बिल्डिंग को कंडम घोषित करने उपरांत नए कमरों का निर्माण करवाया जाएगा।

विपक्ष का केवल एक एजेंडा-भ्रम फैलाओ झूठ बोलो और जनता को गुमराह करो

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्ष के पास न कोई स्पष्ट नीति है और न ही कोई विजन है। विपक्ष का केवल एक एजेंडा है- भ्रम फैलाओ, झूठ बोलो और जनता को गुमराह करो। जब सच्चा विकास होता है तो झूठ की राजनीति करने वालों को तकलीफ होती है। विपक्ष के नेताओं ने केवल सत्ता का सुख भोगा, परिवारवाद को बढ़ावा दिया और जनता को वादों के जाल में फंसाकर छोड़ दिया। आज जनता जागरूक हो चुकी है और विकास के मुद्दे पर सरकार के साथ मजबूती से खड़ी है, इसलिए विपक्ष का झूठ और भ्रम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि सफीदों की यह भूमि खेती-किसानी के साथ संघर्ष और स्वाभिमान की भूमि है। एक समय था, जब यहां के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। सड़कों की हालत खराब थी, रोजगार के लिए कुछ लोगों की चौखट पर बैठे रहना पड़ता था। विकास केवल कागजों तक सीमित था, लेकिन आज तस्वीर बदल चुकी है। प्रदेश और देश में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 'विकसित भारत 2047' के संकल्प ने देश को नई ऊर्जा और दिशा दी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार 'राष्ट्र प्रथम' की नीति पर कार्य करते हुए हर संकट में जनता के साथ खड़ी है। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है तथा सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता इस वैश्विक संकट के समय में सस्ती राजनीतिक करके भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

फरीदाबाद को 120 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगातें

फरीदाबाद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को फरीदाबाद में आयोजित धन्यवाद एवं विकसित फरीदाबाद रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में फरीदाबाद में इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, उद्योग, स्मार्ट सिटी, मेट्रो विस्तार और डिजिटल सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। इसी कड़ी में आज मुख्यमंत्री ने शहर के समग्र विकास को नई गति देते हुए 120 करोड़ 76 लाख रुपये की लागत से चार महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें रेस्ट हाउस के निर्माण पर 50 करोड़ 61 लाख रुपये, डिस्पेंसरी-सह-सीएमओ कार्यालय के निर्माण पर 41 करोड़ 70 लाख रुपये, विभिन्न क्षेत्रों में सीवरेज लाइन बिछाने के कार्य पर 25 करोड़ रुपये तथा ओल्ड फरीदाबाद में स्कूल भवन निर्माण पर 3 करोड़ 45 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार फरीदाबाद को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने स्वच्छता शुभंकर और स्वच्छता कॉमिक का अनावरण किया तथा नगरवासियों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस क्षेत्र में पिछले साढ़े 11 वर्षों में 44 सीएम घोषणाएं की गईं, जिनमें से 24 पूरी हो चुकी हैं, जबकि शेष पर तेजी से कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है।

बहादुरगढ़ में पकड़ा था गैंग

तस्करों को बच्चा बेचने वाला दंपति गिरफ्तार, केस

बहादुरगढ़। शिशु तस्कर गिरोह के मामले में पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। गिरोह को अपना बच्चा बेचने वाले दंपति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दंपति को पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। बच्चा, क्यों व किन कारणों के चलते बेचा आदि सवालों के बारे में आरोपी दंपति से पूछताछ होगी। गिरफ्त में आए आरोपी की पहचान कुलविंदर व उसकी पत्नी परमजीत के रूप में हुई है। ये पंजाब के फरीदकोट जिले से हैं और रेड के दौरान इन्हें अबोहर से काबू किया। इसके बाद टीम इन्हें लेकर बहादुरगढ़ में आई और अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि इनके पास पहले से दो संतान है और इन्होंने बेटे के रूप में हुई तीसरी संतान गिरोह का बेची है। इनसे पूछताछ में और खुलासे की संभावना है। वहीं, यह मामला केवल पांच बच्चों की तस्करी से जुड़ा नहीं बल्कि इससे कहीं ज्यादा बड़ा है।चर्चा है कि पुलिस 20 से अधिक बच्चों की खरीद फरोख्त आईडेंटीफाई कर चुकी है। बच्चा बेचने वाले और खरीदने वाले जिन लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, उन्हें पुलिस गिरफ्तार करेगी। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, मामले के राज खुलते जाएंगे। कई टीमें जांच में जुटी हैं।

एक्सटेंशन लेक्चरर को हाईकोर्ट से झटका 58 साल से आगे सेवा बढ़ाने की मांग खारिज

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के एक्सटेंशन लेक्चररों द्वारा 60 वर्ष तक सेवा जारी रखने की मांग को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि निर्धारित नीति के तहत 58 वर्ष के बाद सेवा में बने रहने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं बनता।

कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की नीति और कानून दोनों इस मामले में स्पष्ट हैं और इनमें किसी प्रकार की राहत नहीं दी जा सकती। यह फैसला जस्टिस त्रिभुवन दहिया की एकल पीठ ने रामपाल सिंह व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने अदालत से मांग की थी कि उन्हें 60 वर्ष की आयु तक सेवा में बनाए रखने के निर्देश

■ अदालत ने कहा नीति स्पष्ट, 58 वर्ष के बाद सेवा जारी रखने का कोई अधिकार नहीं

दिए जाएं। याचिकाकर्ता के वकील की तरफ से दलील दी गई कि को हरियाणा एक्सटेंशन लेक्चरर एवं गेस्ट लेक्चरर (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 का लाभ प्राप्त है और इसके तहत उन्हें कम से कम 58 वर्ष तक सेवा जारी रखने का अधिकार है। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया।

डॉक्टर होना बेहतर अभिभावक होने की गारंटी नहीं : हाईकोर्ट

चंडीगढ़। हाईकोर्ट ने नाबालिग बच्चे की कस्टडी को लेकर दायर एक अपील को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि बच्चे के सर्वोत्तम हित को सर्वोपरि रखा जाएगा और इस मामले में मां ही बच्चे की देखभाल के लिए अधिक उपयुक्त पाई गई है। हाई कोर्ट ने मुक्तसर साहिब की फैमिली कोर्ट द्वारा 15 जनवरी 2026 को दिए गए आदेश को सही ठहराते हुए उसमें हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।मामले में अपीलकर्ता पिता, जो पेशे से डाक्टर हैं, ने तर्क दिया था कि उसे बच्चे की कस्टडी दी जानी चाहिए क्योंकि वह अधिक शिक्षित और सक्षम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और फैमिली कोर्ट ने मुलाकात के लिए कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं किया, जो आदेश को त्रुटिपूर्ण बनाता है।

हाईकोर्ट रिकॉर्ड से पेन ड्राइव गायब होने की जांच शुरू

चंडीगढ़। राज्य मंत्री गौरव गौतम के पलवल विधानसभा सीट चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट के रिकार्ड से एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रानिक सबूत पेन ड्राइव के गायब होने की जांच जारी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि पेन-ड्राइव गुम होने की घटना को लेकर हाई कोर्ट के भीतर नियुक्त जांच अधिकारी द्वारा जांच अभी भी जारी है। यह जांच चीफ जस्टिस के आदेशों के तहत की जा रही है। कोर्ट ने इस तथ्य को गंभीरता से लिया कि जांच लंबित है और उससे जुड़े तथ्यों का सामने आना आवश्यक है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक इस प्रकरण की आंतरिक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक मामले पर अंतिम निर्णय लेना संभव नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने हाई कोर्ट को यह भी सूचित किया कि इस मामले से संबंधित विवाद फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है। वहां 28 नवंबर 2025 को पारित आदेश पर रोक लगी हुई है। जिसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई 30 अप्रैल के लिए स्थगित कर दी। साथ की कोर्ट ने आदेश दिया कि मामले की संबंधित फाइल को पुन जांच अधिकारी के पास भेजा जाए, ताकि जांच प्रक्रिया निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके और अगली सुनवाई तक प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराई जा सके।

■ पलवल विस चुनाव को चुनौती देने वाला मामला

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मिले चरखी दादरी के विधायक, विकास कार्यों पर चर्चा

चंडीगढ़। चरखी दादरी के विधायक सुनील सांगवान ने दिल्ली में हरियाणा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से शिष्टाचार भेंट की। चरखी दादरी क्षेत्र के विकास कार्यों, चल रही परियोजनाओं तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। दादरी में सीसीआई की जमीन पर आवासीय परियोजना स्थापित करने का विषय प्रमुखता से उठाया, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकें।

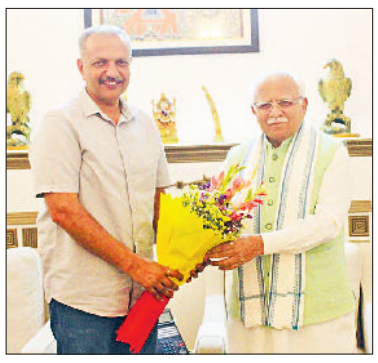

विकसित दादरी रैली को लेकर दी जानकारी

दादरी हल्के में बिजली से संबंधित विकास परियोजनाओं पर भी सकारात्मक चर्चा हुई, जिससे आमजन को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। 11 अप्रैल को चरखी दादरी में आयोजित होने वाली विकसित दादरी रैली को लेकर भी विस्तृत मंत्रणा की।

खुशबाज जटाना को टक्कर मारने वाला ट्राला चालक काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

हादसे में कांग्रेस नेता व उनके चालक की मौत हो गई थी

कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर जाखौली टोल प्लाजा के पास हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में पुलिस ने ट्राला चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान तहसीम निवासी गांव सिलखो, जिला नूंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ट्राला भी बरामद कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। यह हादसा बीते वीवार देर शाम उस समय हुआ था, जब पंजाब के बठिंडा निवासी कांग्रेस नेता खुशबाज सिंह जटाना की गाड़ी टोल प्लाजा के पास पंक्चर हो गई थी। वह अपने चालक परविंदर और गनमैन करनदीप के साथ सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्राला ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में खुशबाज सिंह जटाना और उनके चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य लोग भी चपेट में आए। घटना के बाद कुंडली थाना पुलिस ने मृतक के परिजन के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी का पहले भी रहा आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित तहसीम पहले भी सड़क हादसों के मामलों में नामजद रह चुका है। वर्ष 2021 में भोंडसी थाना और वर्ष 2024 में नूंह सदर थाना में उसके खिलाफ दुर्घटना के मामले दर्ज हो चुके हैं।

मंडियों में फसल बेचने आ रहे किसानों का हो रहा शोषण : अभय

चंडीगढ़। इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा मंडियों में किसानों का शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों को उनकी फसल बेचने में कोई परेशानी न आए उसके लिए सभी मंडियों में किसान कष्ट निवारण केंद्र खोलने के किए गए वादे को पूरा करते हुए सभी मंडियों में किसान कष्ट निवारण केंद्र खोल दिए हैं। सभी किसान कष्ट निवारण केंद्रों पर इनेलो के सभी जिला अध्यक्षों समेत वरिष्ठ पदाधिकारियों की जिम्मेवारी लगाई गई है। सभी किसानों को सरकार द्वारा लागू किए गए बायोमेट्रिक सत्यापन, ट्रैक्टर ट्रॉली पर नंबर प्लेट और अन्य मनमानी शर्तों ने बुरी तरह से परेशान किया हुआ है। किसान कष्ट निवारण केंद्र खुलने के बाद भारी संख्या में किसान अपनी परेशानियों को लेकर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। इनेलो इसके लिए पूरी तरह तैयार है।

सरकार के लिए किसानों के हित सर्वोपरि : बड़ौली

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि नायब सैनी सरकार में किसान हित सर्वोपरि है। रबी फसलों को खरीदने के लिए नायब सैनी सरकार का मंडियों को 24 घंटे खुले रखने का निर्णय किसानों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि किसान हमेशा से हमारे देश का आधार रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसानों को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा ही किसानों का सम्मान करने वाली पार्टी है। भावांतर भरपाई योजना के तहत नायब सैनी सरकार किसानों के नुकसान की भरपाई कर रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। हरियाणा सरकार ही देश में पहली ऐसी सरकार है जो 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है।

मां से शिशु को संक्रमण को लगभग शून्य तक लाया जा सकेगा

गर्भवती महिलाओं के साथ उनके पति की भी एचआईवी व सिफलिस की संयुक्त जांच होगी

हरिभूमि ⏭ ब्यूरो चंडीगढ़

■ 2026 में 5.96 लाख दंपतियों की जांच का लक्ष्य : सुमिता मिश्रा

प्रदेश में एचआईवी/एड्स के मामलों को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए अब गर्भवती महिलाओं के साथ ही उनके पति की भी एचआईवी और सिफलिस की संयुक्त जांच कराई जाएगी। इस साल प्रदेश में पांच लाख 96 हजार लोगों की जांच कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रति वर्ष लगभग 12 लाख संयुक्त जांच होगी, जिससे एचआईवी और सिफलिस के मातृ से शिशु संक्रमण को लगभग शून्य तक लाया जा सकेगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी की कार्यकारी समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। रक्त या शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से यौन संक्रमण से होने वाली बीमारी का पता लगाने के लिए एचआईवी और सिफलिस टेस्ट किए जाते हैं। वर्ष 2026-27 के लिए 47 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। राज्य में दूसरी एचआईवी वायरल लोड लैब को मंजूरी मिल चुकी है, जिसे एक माह के भीतर पंचकूला में शुरू किया जाएगा। वर्तमान में पीजीआइएमएस रोहतक स्थित एकमात्र लैब 17 जिलों को सेवाएं दे रही है, जबकि पांच जिले नई दिल्ली स्थित मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान से जुड़े हुए हैं। पंचकूला में नई लैब के शुरू होने के साथ जिलों को तीन वायरल लोड लैब के बीच पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा। इससे जांच रिपोर्ट मिलने में लगने वाला समय कम होगा। इसके अलावा कैथल, हिसार, पानीपत और फरीदाबाद में चार नई सीडी-4 मशीनें स्थापित की गई हैं। करनाल के कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कालेज एवं पंचकूला के अस्पताल में नई सीडी-4 लैब स्थापित करने का भी प्रस्ताव है।

टेस्ट के लिए वाइस मैसेज, एसएमएस अलर्ट व फालो-अप रिमाइंडर भेजे जाएंगे

बैठक में डा. सुमिता मिश्रा ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के लिए सुरक्षित वेब-आधारित प्लेटफार्म विकसित करने को मंजूरी दी गई है, जिसके माध्यम से वाइस मैसेज, एसएमएस अलर्ट और फालो-अप रिमाइंडर भेजे जाएंगे। इससे उपचार में निरंतरता बनी रहेगी और मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार मानिटरिंग की जा सकेगी। बैठक में एचआईवी जांच और उपचार से जुड़े क्षेत्र में हुई प्रगति की समीक्षा भी की गई।

भाजपा दफ्तर के बाहर ग्रेनेड हमले से चिंता

राजनीतिक दलों ने की कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग, कांग्रेस ने डीजी को पत्र भेजा

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

■ चंडीगढ़ प्रशासन के गृहसचिव व डीजीपी से जल्द मिलेंगे नेता

राजधानी चंडीगढ़ सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय पर बुधवार शाम को हुए हैंड ग्रेनेड हमले के बाद में सभी सियासी पार्टियों और उनके नेताओं की चिंता बढ़ गई है। सभी एक सुर में चंडीगढ़ स्थित दफ्तरों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग करने लगे हैं। अहम पहलू यह है कि इस बारे में सबसे पहले हरियाणा कांग्रेस की ओर से पत्र लिखा गया था। अब बाकी पार्टियों की ओर से भी अपने दफ्तरों की सुरक्षा पर चिंतन मंथन किया जा रहा है, सभी अपने अपने नेताओं के दिशा निर्देशों पर जल्द ही पुलिस अफसरों, प्रशासक चंडीगढ़ के साथ साथ में चंडीगढ़ के गृह सचिव से मुलाकात करेंगे। हरियाणा कांग्रेस के चंडीगढ़ सेक्टर 8 स्थित दफ्तर और यहां पर आने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व मंत्री रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित तमाम नेताओं की मूवमेंट को देखते हुए हरियाणा डीजीपी, चंडीगढ़ पुलिस प्रशासन के अफसरों को लिखित में पत्र भेजकर एक दौर में यहां सुरक्षा का पहरा होने का हवाला देते हुए तुरंत ही सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की गई है।

पत्र मीडिया प्रभारी और प्रदेश ऑफिस इंचार्ज संजीव भारद्वाज की ओर से लिखा गया है। इस पत्र में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस दफ्तर की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की गई है। भारद्वाज ने भाजपा दफ्तर पर हमले का हवाला देते हुए साफ कर दिया है कि हरियाणा और केंद्र में सत्ताधारी पार्टी के दफ्तर पर हमला चिंता का विषय है। उन्होंने इस क्रम में अपने प्रदेश आफिस की तरफ ध्यान दिलाया है।

चंडीगढ़ ब्लास्ट में पाक की संलिप्तता सामने आने के बाद एजेंसियां अलर्ट

यहां पर बता दें कि चंडीगढ़ में जहां चंडीगढ़ शहर नगर निगम मेयर, कांग्रेस और भाजपा, अकाली दल सहित तमाम दफ्तर हैं। वहीं चंडीगढ़ शहर के अलावा प्रदेश के भी आफिस हैं। यहां तक की हिमाचल के सीएम सुखविंद्र सिंह सुखू का हिमाचल भवन मध्य मार्ग पर आना जाना लगता रहता है। इसी तरह से अकाली दल दफ्तर में सुखबीर सिंह बादल पूर्व डिप्टी सीएम सहित तमाम पंजाब के अकाली नेता आते जाते हैं। इसी तरह से इनेलो के दफ्तर में भी विधायकों और चौटाला परिवार का आना जाना लगता रहता है। इन इलाकों में दफ्तर ही नहीं बल्कि तमाम सियासी हस्तियों की मूवमेंट होती रहती है। अब घटनाक्रम के बाद में सुरक्षा एजेंसियों की चंडीगढ़ में होने वाले मूवमेंट को लेकर चिंता बढ़ गई है। खास तौर पर सीमा पार से हथियार और इस तरह के हमले के बाद में चंडीगढ़ पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है।

जान पर भारी पड़ रही विदेश में नौकरी की चाह

रूस-यूक्रेन युद्ध की भेंट चढ़ा फतेहाबाद का अंकित जांगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

स्टडी वीजा पर गया था रूस, गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

फतेहाबाद जिले के गांव कुम्हारिया में शनिवार को उस समय मातम पसर गया, जब रूस की सेना में जबरन भर्ती किए गए गांव के 24 साल के युवक अंकित जांगड़ा का पार्थिव शरीर उसके घर पहुंचा। अंकित उन भारतीय युवाओं में शामिल था, जिन्हें जबरदस्ती रूसी सेना में भर्ती कर उन्हें यूक्रेन के साथ युद्ध की आग में धकेल दिया गया था। शनिवार दोपहर बाद गांव कुम्हारिया के श्मशान घाट में गमगीन माहौल में अंकित का अंतिम संस्कार किया गया। जैसे ही अंकित की डेडबॉडी गांव पहुंची, पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। गांव के हर व्यक्ति के आंख से आंसू नहीं रूक रहे थे। अंकित के भाई रघुवीर जांगड़ा ने बताया कि उसका भाई सुनहरे भविष्य की तलाश में गत वर्ष 14 फरवरी को स्टडी वीजा पर रूस गया था। फरीदाबाद की एक एजेंट के माध्यम से उसने मॉस्को के एमएसएलयू कॉलेज में लैंग्वेज कोर्स में दाखिला लिया था। पढ़ाई के साथ-साथ वह एक रेस्टोरेंट में हेल्पर का काम कर अपना खर्च निकाल रहा था। इसी दौरान एक महिला एजेंट ने अंकित, उसके साथी विजय पूनिया और अन्य 13 युवाओं को रूसी सेना में सुरक्षित और मोटे वेतन वाली नौकरी का लालच दिया। उन्हें बताया गया कि 15 दिन की ट्रेनिंग के बाद 20-20 लाख रुपये दिए जाएंगे। हर महीने 1.5 से 2 लाख रुपये की सैलरी मिलेगी। इसके बाद उनसे रूसी भाषा के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए, जिसे युवा समझ नहीं सके। सितंबर 2025 में अंकित की आखिरी वॉट्सऐप कॉल आई थी।

नीदरलैंड में हादसा, गन्नौर के युवक की जान गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

25 लाख कर्ज लेकर टूरिस्ट वीजा पर गया पेड़ काटने का काम मिला, वहीं फंसा पार्थिव शरीर

बेहतर भविष्य की तलाश में विदेश गए माजरी गांव के युवक की नीदरलैंड में दर्दनाक हादसे के दौरान मौत हो गई। आर्थिक तंगी से जूझ रहा परिवार अब बेटे के पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए सरकार से मदद की गुहार लगा रहा है। माजरी निवासी 23 वर्षीय सागर राणा करीब डेढ़ वर्ष पहले टूरिस्ट वीजा पर फ्रांस गया था। परिजनों के अनुसार वहां मन मुताबिक काम न मिलने के कारण वह जनवरी 2026 में नीदरलैंड चला गया, जहां काफी समय तक रोजगार की तलाश करता रहा। बाद में उसे एक व्यक्ति के यहां पेड़ काटने का काम मिला। परिवार के अनुसार 21 मार्च को सागर एक मकान में पेड़ काटने के दौरान सीढ़ी पर खड़ा था, तभी अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चार दिन तक उपचार चला, लेकिन 25 मार्च को उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि सागर 12वीं के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए विदेश गया था। उसे विदेश भेजने के लिए पिता ने जमीन बेच दी और इसके अलावा 20 से 25 लाख रुपये का कर्ज भी लिया। वर्तमान में परिवार की हालत बेहद कमजोर है और वे किराये के वाहन चलाकर किसी तरह गुजारा कर रहे हैं। सागर का पार्थिव शरीर अभी नीदरलैंड में ही है।

राहत : ईरान में फंसे मर्चेंट नेवी के जवान का 2 महीने बाद परिवार से संपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

बेटे की आवाज सुनते ही परिवार भावुक हो उठा घर में खुशी का माहौल बन गया और गांव के लोगों ने भी राहत महसूस की

शाहपुर तगा गांव के युवक के विदेश में फंसे रहने के बाद करीब दो महीने बाद परिवार से संपर्क होने पर परिजनों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से कोई सूचना न मिलने के कारण परिवार गहरी चिंता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था।शाहपुर तगा निवासी 24 वर्षीय निखिल त्यागी मर्चेंट नेवी में कार्यरत हैं। 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने गुरुग्राम से प्रशिक्षण प्राप्त कर इस क्षेत्र में अपना करियर शुरू किया। करीब एक वर्ष पहले वे मुंबई से जहाज के जरिए विदेश के लिए रवाना हुए थे। शुरुआत में वे कुवैत रूट पर कार्यरत थे और परिवार के साथ उनका नियमित संपर्क बना हुआ था।परिजनों के अनुसार कुछ समय पहले निखिल ने बताया था कि वह अपनी टीम के साथ ड्यूटी के सिलसिले में ईरान की ओर जा रहे हैं। इसी दौरान क्षेत्र में बढ़े अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण उनका जहाज ईरान में ही फंस गया। हालात ऐसे बने कि जहाज करीब दो महीने तक वहीं रुका रहा और इस दौरान संचार व्यवस्था पूरी तरह से बाधित हो गई।इस दौरान परिवार को निखिल की कोई खबर नहीं मिल पाई, जिससे उनकी चिंता लगातार बढ़ती गई। हर दिन किसी सूचना की उम्मीद में बीत रहा था।शनिवार को अचानक निखिल का फोन आने पर परिवार की चिंता खुशी में बदल गई। उन्होंने अपनी कुशलता की जानकारी देते हुए बताया कि जहाज पर कुल 14 सदस्य मौजूद हैं और सभी सीमित संसाधनों के बीच धैर्य के साथ समय बिता रहे थे। इस दौरान खाने-पीने जैसी आवश्यक सुविधाओं में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन सभी ने संयम बनाए रखा। निखिल ने यह भी बताया कि अब वे भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने की उम्मीद है। बेटे की आवाज सुनते ही परिवार भावुक हो उठा। घर में खुशी का माहौल बन गया और गांव के लोगों ने भी राहत महसूस की। अब पूरा परिवार निखिल के सुरक्षित घर लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। दो माह से संपर्क नहीं होने से परिवार और गांव के लोग परेशान थे। अब सूचना मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली है।

खबर संक्षेप

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर शनिवार सायं भूड़ला फ्लाईओवर पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। राजस्थान के अलवर जिले के मिलकपुर गुर्जर निवासी सुरेंद्र अपनी पत्नी कविता के साथ बाइक पर जा रहा था। भूड़ला फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर लगते ही सुरेंद्र और कविता सड़क पर बाइक सहित गिर गए। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया।

हाइड्रोजन प्लांट में बाहर से गैस मंगवाई

जींद। हाइड्रोजन प्लांट में इलेक्ट्रोफायर खराब होने के कारण बाहर से गैस मंगवाई जा रही है। शनिवार को चेन्नई से गैस का दूसरा ट्रक आया है। इससे पहले एक अप्रैल को गैस का ट्रक मंगवाया गया था। पहले ट्रक में जो गैस आई थी उसे प्लांट के स्टोरेज टैंक में भर दिया गया है। इसके अलावा हाइड्रोजन प्लांट में बने कान्फ्रेंस हाल के लिए फर्नीचर का सामान आ गया है। फर्नीचर की जांच के लिए दिल्ली शकूरबस्ती से अधिकारी आए थे। दिल्ली से आए अधिकारियों ने सही तरीके से लगाने के निर्देश दिए।

पानीपत में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया

क्रिकेट खेलने से मना करने पर जवान की पीट-पीटकर हत्या

- सीने पर मुक्के मारकर गिराया, महिलाओं ने भी की मारपीट, सीसीटीवी में कैद वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। सिविल अस्पताल में शवगृह के बाहर कागजी कार्रवाई पूरी करती हुई पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पानीपत में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जहां गली में क्रिकेट खेलने से रोकने पर पूर्व सीआरपीएफ जवान की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पूरी वारदात गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय अमित के रूप में हुई है, जो पहले सीआरपीएफ में तैनात थे। परिजनों के अनुसार, उन्होंने लकवाग्रस्त होने के कारण कुछ समय पहले ही नौकरी छोड़ दी थी और घर पर ही रह रहे थे। घटना शुक्रवार शाम की है, जब भारती कॉलोनी में अमित ने अपने घर के बाहर गली में क्रिकेट खेल रहे बच्चों को वहां से हटकर दूसरी जगह खेलने के लिए कहा। इसी बात को लेकर बच्चों के परिजन नाराज हो गए और मौके पर पहुंचकर उनसे बहस करने लगे। देखते ही देखते बहस ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि पड़ोसी सुनील, जो एक निजी अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के रूप में कार्यरत है, अपने परिवार के साथ मौके पर पहुंचा और अमित के साथ गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने अमित को नीचे गिरा दिया और उनकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो लोगों ने पहले अमित को थप्पड़ मारे और फिर उनके सीने पर जोरदार मुक्के मारे। इस दौरान महिलाओं ने भी मारपीट में हिस्सा लिया। आरोपियों ने उन्हें तब तक पीटा, जब तक वे जमीन पर गिर नहीं गए। मारपीट के बाद अमित की हालत बिगड़ गई और उन्हें तुरंत मॉडल टाउन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी साफ तौर पर अमित के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। सूचना मिलने पर मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद से आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जबकि परिवार न्याय की मांग कर रहा है।

आरोपियों गिरफ्तारी के लिए की जा रही छापेमारी

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। परिजनों की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

-विनोद कुमार एसआई, जांच अधिकारी

करनाल: चेकिंग को रोका तो मारी टक्कर, नई गाड़ी में लड़की साथ थी

रोड रेज: पुलिसकर्मी को बोनट पर लटका नाबालिग ने दौड़ाई कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल में चौराहे पर ड्यूटी कर रहे एक पुलिसकर्मी को एक नाबालिग ने अपनी ब्रांड न्यू कार से पहले टक्कर मारी, फिर बोनट पर लटकाकर काफी दूर तक कार दौड़ाई। यह मामला सेक्टर-7 स्थित चौक पर उस वक्त सामने आया, जब पुलिसकर्मी ने कार के शीशों पर काली फिल्म चढ़ी होने और नंबर प्लेट न होने पर रुकने का इशारा किया। आरोप है कि कार सवार ने रुकने की बजाय स्पीड और तेज कर दी और चौराहे के बीच में खड़े पुलिसकर्मी को सीधे टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पुलिसकर्मी कार के बोनट पर जा गिरा। इसके बाद भी कार सवार नहीं रुका और पुलिसकर्मी को बोनट पर डालकर काफी दूरी तक लेकर गया। इस घटना का एक वीडियो सामने है। इसी वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी को ट्रेस किया तो पता चला कि वह नाबालिग है और कार में उसके साथ एक लड़की भी थी। यह भी पता चला है कि आरोपी की मां को आस्ट्रेलिया ककी नागरिकता हासिल है। फिलहाल, घटनाक्रम को देखते हुए आरोपी को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया।

रोकने का इशारा किया नहीं रुका चालक

बीते 27 मार्च को पुलिसकर्मी कुलबीर सिंह सेक्टर-7 के चौक पर ड्यूटी पर तैनात था। कुलबीर कुछ समय पहले ही पुलिस में भर्ती हुआ है। इसी दौरान शीशों पर काली फिल्म चढ़ी एक स्विफ्ट कार वहां से गुजर रही थी। कार पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। पुलिसकर्मी ने कार को रोकने का इशारा किया, ड्राइवर नहीं रुका।

छात्रा को 50 मीटर तक घसीटकर ले गया डंपर, इलाज के दौरान मौत

हिसार। शहर के सेक्टर 1-4 क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल छात्रा मिशनदीप कौर की इलाज के दौरान मौत हो गई। दो दिन पूर्व हुए हादसे में 12वीं कक्षा की 18 वर्षीय छात्रा मिशनदीप कौर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। शनिवार को नागरिक अस्पताल में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। मिल गेट निवासी छात्रा मिशनदीप कौर अपनी मां मंजू देवी के साथ इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी पर जिंदल चौक की ओर जा रही थी। जैसे ही वे सेक्टर 1-4 के पास पहुंचीं, तभी तेज रफ्तार डंपर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिशनदीप सड़क पर गिर गई और डंपर उसे करीब 50 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे के बाद डंपर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मां-बेटी दोनों घायल हो गईं। राहगीरों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां मिशनदीप की हालत गंभीर बनी रही।

चेकिंग के दौरान पुलिस कर्मी पर ट्रैक्टर चढ़ाकर जान से मारने का प्रयास

यमुनानगर। गांव घोड़ो पिपली पुलिस चौकी के पास ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर को पुलिस कर्मचारी के ऊपर चढाकर जान से मारने का प्रयास किया। आरोपी ट्रैक्टर चालक मौके से ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। घोड़ा पिपली पुलिस चौकी में तैनात सिटी बलबीर सिंह ने बताया कि वह घोड़ा पिपली पुलिस चौकी के पास नाका लगाकर वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक ट्रैक्टर चालक को रुकने का इशारा किया तो आरोपी ट्रैक्टर चालक ने उसके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा कर जान से करने का प्रयास किया। उसने भागकर अपनी जान बचाई। इसके बाद आरोपी ट्रैक्टर चालक मौके से ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया। आरोपी ने पुलिस कार्य में बाधा पहुंचाई। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जींद: नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी को पांच वर्ष कैद की सजा

जींद। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पोक्सो) ?शिफा की अदालत ने नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने तथा धमकी देने के दोषी को पांच वर्ष कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने सजा के अलावा दोषी को 15 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार थाना उचाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने वर्ष 2024 में पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि विक्की पिछले कुछ समय से उसकी नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। इसके अलावा वह फोन के माध्यम से अश्लील बातें करता है। विरोध करने पर आरोपित द्वारा लड़की को भगाकर ले जाने की धमकी दी जाती थी। जिससे पीड़िता और उसका परिवार भयभीत है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित विक्की के खिलाफ धारा दस पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपित विक्की को गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पोक्सो) की अदालत ने शनिवार को मामले की सुनवाई करते हुए विक्की को दोषी करार देते सजा सुनाई है।

पानीपत: भाजपा नेता पर हमले के आरोप में 19 पर केस दर्ज

- पार्षद पति पर हमले विरोध में मेयर ने पार्षदों के साथ बैठक की

पानीपत। पानीपत नगर निगम की पार्षद रजनी गर्ग के पति और भाजपा नेता सुरेंद्र पर हुए हमले में उनकी आंख की पुतली कट गई। वहीं सुरेंद्र का एम्स में उपचार चल रहा है। इधर, सुरेंद्र पर हमले के विरोध में मेयर कोमल सैनी की अगुवाई में पार्षदों की बैठक हुई। जबकि विधायक प्रमोद विज व भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने अस्पताल पहुंच कर सुरेंद्र का हालचाल जाना। इधर, मेयर सैनी, पार्षदों, विधायक विज व दुष्यंत भट्ट एक स्वर में सुरेंद्र पर हुए हमले की निंदा की और पुलिस से आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, सफाई कंपनी के ठेकेदार राजकुमार हुड्डा ने बताया कि मोहित को काम में लापरवाही के आरोप में कई दिन पहले ही नौकरी से निकाला जा चुका है। इधर, हुडा सेक्टर थाना सेक्टर- 29 पुलिस ने प्रवीन कुमार की शिकायत पर मोहित, प्रिंस, माया, मुकेश, सागर, विनोद, राजेश और इनके करीब 12 अज्ञात हमलावरों पर आर्म्स एक्ट आदि आरोप में में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी फरार है और पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

रेहड़ी वाले से की गई थी लूट, दो आरोपी गिरफ्तार, 3000 रुपये बरामद

फरीदाबाद। विगत 30 मार्च की सुबह डबुआ मंडी के पास एक रेहड़ी वाले से लूट करने के एक मामले में क्राईम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने 3 अप्रैल को विजय व शिवम निवासी राजीव कालोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार सुखपाल निवासी डबुआ कालोनी फरीदाबाद ने थाना डबुआ में दी अपनी शिकायत में बताया कि वह फल की रेहडी लगाता है और रोजाना डबुआ मंडी से फल लेकर आता है। रोजाना की तरह वह 30 मार्च की सुबह रेहडी लेकर घर से चला था तथा समय करीब 4.50 एएम पर जब वह 4 नंबर गेट के पास पहुंचा तो पीछे से तीन लडके आए जो उसे पकड कर सडक की साइड में ले गये और उसकी जेब में रखे 25000 रुपये निकालकर फरार हो गये। जिस शिकायत पर थाना डबुआ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी नशा करने के आदी है। जिन्होंने नशापुर्ति करने के लिये 30 मार्च की सुबह आपने एक अन्य साथी के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपितों से 3000 रुपये बरामद हुए है। विजय पर एक एक्साइज एक्ट का मामला दर्ज है वहीं शिवम पर चोरी, आम्स एक्ट सहित 8 मामले दर्ज है। जिनको माननीय न्यायलय में पेश कर जेल भेजा गया है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने किया पीजीआईएमएस की ओपीडी का निरीक्षण

रोहतक। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को पीजीआईएमएस की चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी का औचक निरीक्षण किया। बिना पूर्व सूचना पहुंचे मंत्री ने सबसे पहले सीटी स्कैन और एमआरआई कक्ष का जायजा लिया और सख्त निर्देश दिए कि मरीजों को 3 से 4 दिन की बजाय 1 दिन के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध करवाई जाए, ताकि इलाज में देरी न हो। निरीक्षण के दौरान एक्स-रे विभाग की कार्यप्रणाली पर संतोष जताया गया, लेकिन हड्डी रोग विभाग में ब्लड सैंपल के लिए लगी भीड़ पर नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने अतिरिक्त लैब टेक्नीशियन और डाटा एंट्री ऑपरेटर तैनात करने के निर्देश दिए। शौचालयों में गंदगी मिलने पर अधिकारियों को ओपीडी समय में दिन में तीन बार सफाई सुनिश्चित करने को कहा। दवाइयों की कमी का मुद्दा भी सामने आया, जहां कम मात्रा में दवाई उपलब्ध होने पर मंत्री ने जांच के लिए कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को बेहतर और समयबद्ध इलाज उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

एनजीटी में रिपोर्ट पेश, भारी भरकम जुर्माना लगाने के आदेश

प्रदेश में प्रदूषण फैलाने वाले 186 अवैध आरएमसी प्लांट बंद

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बंद करने के आदेश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶|पानीपत

हरियाणा में प्रदूषण फैला रहे रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांटों के खिलाफ राज्य सरकार और हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) रिपोर्ट पेश की है। वहीं आरएमसी की स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश भर में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 186 आरएमसी प्लांट अवैध पाए गए हैं, जिन्हें बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। स्मरणीय है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मैपिंग में पूरे प्रदेश में 370 आरएमसी प्लांट चिन्हित किए गए थे। जबकि बोर्ड की जांच में पता चला कि प्रदेश में आरएमसी के 186 प्लांटों के पास संचालन के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड समेत अन्य विभागों की अनुमति नहीं है।

जुर्माना और मशीनें जब्त

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के लिए 108 प्लांटों पर पर्यावरण जुर्माना लगाया गया है। कई जिलों में अवैध मशीनों को पूरी तरह से डिस्मंतल यानी हटा दिया गया है ताकि वे दोबारा संचालन न कर सकें।

छह प्लांट तय मानकों का पालन नहीं कर रहे थे

सूबे में 186 प्लांट्स को नियमों को ताक पर रख कर चलाया जा रहा था। वहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले प्लांट्स के खिलाफ क्लोजर एक्शन लिया है। बोर्ड के अनुसार जहां 186 प्लांट अवैध तरीके से चल रहे है। वहीं छह प्लांट तय मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। बोर्ड के अनुसार पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के लिए आरएमसी के 108 प्लांट्स पर पर्यावरण मुआवजा लगाया गया है।

सिलिका डस्ट हवा को जहरीली बना रही

बोर्ड ने रिपोर्ट में कहा है कि अवैध आरएमसी प्लांट से निकलने वाली सिलिका डस्ट हवा को जहरीली बना रही थी। अब नए निर्देशों के तहत कन्वेयर बेल्ट और फीडिंग हॉपर को पूरी तरह कवर करना अनिवार्य होगा। धूल को दबाने के लिए वाटर स्प्रिंकलिंग सिस्टम का होना जरूरी है। बोर्ड ने एनजीटी को यह भी आश्वासन दिया है कि हरियाणा में बिना सीटीई व सीटीओ प्रमाण पत्र के बिना आरएमसी का नया प्लांट स्थापित नहीं हो सकेगा। स्मरणीय है कि आरएमसी प्लांट्स संबंधी रिपोर्ट दीपक बनाम हरियाणा राज्य के मामले में एनजीटी के आदेशों पर तैयार की गई है। इस पूरे मामले के नोडल अधिकारी ने पूरे प्रदेश का डेटा तैयार कर एनजीटी के समक्ष रखा है।

रेवाड़ी: ट्रेनों में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड़

सुनार सहित तीन आरोपी गिरफ्तार, जेवरात व नकदी किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रेवाड़ी

रेवाड़ी। जीआरपी टीम के साथ पकड़े गए चोरी के आरोपी। फोटो : हरिभूमि

जीआरपी ने ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी करने वाले अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ करने में सफलता हासिल की है। गिरोह के दो सदस्यों को जीआरपी ने काबू कर लिया। उनके कब्जे से लगभग 30 लाख रुपये के जेवरात व नकदी बरामद किए गए हैं। चोरी के जेवरात खरीदने के आरोपी सुनार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। डीएसपी राजेश चेंची ने गिरोह का भंडाफोड़ करने वाली जीआरपी टीम की सराहना की है। दिल्ली के मयूर विहार निवासी सरिता राठी गत 22 फरवरी को बीकानेर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से नौखा से दिल्ली जा रही थी। जब ट्रेन यहां जंक्शन पर पहुंची, तो उसका पर्स चोरी हो गया। चूंकि सरिता शादी समारोह में भाग लेने के लिए गई थी, इसलिए उसके पर्स में लगभग 60 लाख रुपये के जेवरात थे। उसने दिल्ली पहुंचने के बाद जीरो एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसे स्थानीय जीआरपी के पास प्रेषित किया गया था। जीआरपी ने 31 मार्च को केस दर्ज करने के बाद लाखों रुपये की चोरी की जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पुलिस ने चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। गत 1 अप्रैल को स्टेशन पर दो लोगों को काबू कर लिया। पूछताछ में एक ने अपना नाम दिल्ली के नांगलोई में रह रहे मूल रूप से यूपी के पैगंबरपुर निवासी रमेश त्यागी और दूसरे ने यूपी के हिसावदा निवासी प्रिंसपाल बताया है।

तेज रफ्तार जीवनशैली में हेल्थ को न करें इग्नोर

विशेषः विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल

आज के दौर में हम सभी की जीवनशैली बहुत व्यस्त और तेज रफ्तार हो गई है। ऐसे में हम अकसर अपनी हेल्थ को इग्नोर करने लगते हैं। इससे हम हेल्दी लाइफ नहीं जी पाते हैं। अपनी हेल्थ के प्रति सभी को अवेयर करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष वर्ल्ड हेल्थ-डे मनाया जाता है। इस दिन की क्या महत्ता है, इसकी शुरुआत कैसे हुई और इसे कैसे मना सकते हैं? आपको जानना चाहिए।

{ कवर स्टोरी / रेखा देशराज }

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस महज एक औपचारिक दिन भर नहीं है बल्कि यह दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। साल 2026 की नजर से देखें तो यह दिन पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल, आज तेज रफ्तार दुनिया ऐसी-ऐसी स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रही है, जिन्हें अब के पहले कभी नहीं जाना या देखा गया था। एक तरफ बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, दूसरी तरफ हर दिन विकराल होता जलवायु परिवर्तन, इन दोनों के मेल से लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो रही है। इसलिए साल 2026 हाल के दूसरे स्वास्थ्य दिवसों के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बढ़ता मानसिक-सामाजिक असंतुलनः वर्तमान में स्वास्थ्य का लक्ष्य सिर्फ देखे जाने वाली बाह्य शारीरिक बीमारियों से बचना ही नहीं है बल्कि मानसिक और सामाजिक संतुलन भी बढ़ाना है। आज अपना देश डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है और अमेरिका के बाद अब दूसरा नंबर मोटापे का शिकार भी भारत हो चुका है। ये बीमारियां आज से दो दशक पहले हमारे हेल्थ एजेंडे में कहीं नहीं थीं, पर आज सारा स्वास्थ्य फोकस, ये लाइफस्टाइल बीमारियां ही खींच रही हैं। बड़ी बात यह है कि अपने देश में जहां पहले बड़े-बूढ़े तक मानसिक स्वास्थ्य के बहुत कम शिकार होते थे, वहीं अब बड़े पैमाने पर युवा भी मानसिक रोगी हो रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण हीट स्ट्रोक, एलर्जी और संक्रामक रोगों की जो भयावहता आई है, उसमें भी भारत सबसे अगली कतार के पीड़ित देशों में है। ऐसे में हमें यह विशेष दिन याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या अस्पतालों का विषय भर नहीं है बल्कि इसका रिश्ता समाज के हर व्यक्ति, समाज की सभी संस्थाओं और सरकार से भी है। इसलिए अब स्वास्थ्य को अतिरिक्त फोकस के साथ देखे जाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआतः विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 7 अप्रैल 1948 को इस विशेष दिन की शुरुआत हुई थी, क्योंकि इसी दिन इस वैश्विक संगठन की भी स्थापना हुई थी। इसी कारण साल 1950 से हर साल पूरी दुनिया में यह दिन मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग बढ़ाना तथा नई स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस सबके अलावा मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को भी इस दिन के साथ जोड़कर देखा जाता है, जिससे उनसे लड़ने की बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। जहां तक अपने देश में स्वास्थ्य दिवस के महत्व की बात है, तो हमारे यहां दुनिया के अन्य देशों से इसका महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि हमारे यहां अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं ही चुनौती बनी हुई हैं। आज भी अपने देश में डॉक्टर और रोगी अनुपात बेहद असंतुलित है। रोगियों की बहुत बड़ी तादाद में डॉक्टरों की बेहद कमी है। भारत में एक तो जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है और जो हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर शहरों में केंद्रित हैं। छोटे शहरों और कस्बों में ही बड़े शहरों के मुकाबले डॉक्टर बहुत कम हैं। इसलिए डॉक्टर-रोगी अनुपात को संतुलित करने के लिए लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए और जीवनशैली संबंधी बीमारियों को बताने के लिए इस दिन लोगों को विशेष तौर पर शिक्षित, प्रशिक्षित किए जाने के अलावा उन्हें इसके लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

इस साल हेल्थ-डे की थीमः विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक साल 2026 के लिए हेल्थ-डे की थीम है- टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी, स्वास्थ्य के लिए हम साथ हैं और विज्ञान का समर्थन करें। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के लिए यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की आधिकारिक थीम है। इसका निहितार्थ यही है कि हम न केवल अपनें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सभी प्रयास करें, अपने घर-परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष तौर पर बुजुर्गों और बच्चों की हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखें। कोई समस्या होने पर डॉक्टर से कंसल्टेशन में देरी न करें। फिजिकल एक्टिविटीज को अपने रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। अगर हम या हमारी फैमिली का कोई सदस्य स्ट्रेस या डिप्रेस्ड फील कर रहा है तो उसे मेडिकल कंसल्टेशन में देरी न करें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अच्छी जीवनशैली से बीमार होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। और अगर बीमार हो भी जाएं तो समय रहते हेल्थ प्रॉब्लम को पहचानने से उसका ट्रीटमेंट संभव है।

ऐसे सेलिब्रेट करते हैं यह दिनः वर्ल्ड हेल्थ-डे को लेकर महत्वपूर्ण बात यह है कि हर साल आने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस का जश्न कैसे मनाएं, जिससे दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य संबंधी सजगता के दायरे में आएं। आमतौर पर इस दिन को तीन तरह से मनाया जाता है, सरकारी संस्थानों के जरिए, विभिन्न संस्थाओं के जरिए और आम लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर। इस दिन आमतौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थानों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार, रैलियां और हेल्थ कैंप आदि के आयोजन किए जाते हैं।

इस दिन तमाम अस्पताल और निजी क्लीनिक मरीजों को फ्री चेकअप की सुविधाएं देते हैं। कई बार इसके लिए कैंप्स लगाए जाते हैं। आमतौर पर मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविरों में लोगों की ब्लड प्रेशर, बीएमआई और शुगर संबंधी समस्याओं की जांच होती है। वर्ल्ड हेल्थ-डे को सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ सेलिब्रेट किया जाता है, जहां लोग आपस में हेल्थ टिप्स, अनुभव और जागरूकता संदेश साझा करते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार की फिटनेस गतिविधियां भी संपन्न होती हैं। योग, मैराथन, साइकिलिंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई देशों में इस दिन नई स्वास्थ्य योजनाओं या सुधारों की घोषणा होती है और पिछली योजनाओं, नीतियों का इस दिन आकलन भी किया जाता है। *

स्वस्थ जीवन के सात सरल सूत्र

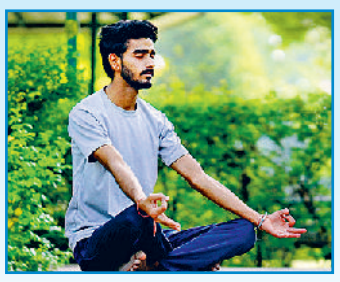

इस हेल्थ-डे पर यहां बताए जा रहे सात सरल सूत्रों को अगर अपनाने का संकल्प कर लें तो आपका तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेगा।

- प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद को प्राथमिकता दें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास या एक्सरसाइज करें।
- अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें, क्योंकि इससे डिजिटल थकान बढ़ती है। इस समय दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या है और इसका असर आंखों और दिमाग दोनों पर पड़ता है।
- संतुलित आहार का सेवन करें। जंक फूड का कम से कम सेवन करें। अपने आहार में सभी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें। इसके लिए मेडिटेशन करें। लोगों के साथ अलग-अलग विषयों पर बातें करें। हंसी-मजाक करें और अपनी रुचि के साथ काम करें।
- बीमारी का इंतजार न करके हर छह महीने बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराएं। इससे पता चलता है कि हम किस स्थिति में हैं।
- अपने आस-पास की स्वच्छ हवा, पानी और वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनें। इसके लिए जरूरी प्रयास भी करें।

पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम ये दो आदतें आज सिर्फ हमारे स्वास्थ्य से ही नाता नहीं रखतीं बल्कि करियर को ऊंचाई देने वाले सबसे प्रभावी लाइफस्टाइल टूल भी बन गए हैं। ये क्यों इतने इंपॉर्टेंट बन गए हैं, इसके पीछे कौन से साइंटिफिक कारण हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ के टूल्स अच्छी नींद-रेग्युलर एक्सरसाइज

{ लाइफस्टाइल / नरेंद्र कुमार }

अपने करियर को ऊंचाई देने वाले, लाइफ को हैप्पी बनाने के लिए प्रभावी टूल के रूप में जहां अभी तक हमारी न्यू टेक स्किल को जरूरी माना जाता था, वहीं आज इसमें हमारी सेहत भी महत्वपूर्ण हो गई है और अच्छी सेहत बिना पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम के संभव नहीं है। इसीलिए आज हैप्पी लाइफ के साथ करियर में सफलता के लिए भी व्यायाम और पर्याप्त नींद को लाइफस्टाइल टूल की तरह देखा जा रहा है। अगर ये दोनों चीजें सही हैं, तभी हम बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं और यही आज कॅरियर में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है।

यही कारण है कि आज नियमित व्यायाम तो केवल स्वास्थ्य साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि करियर ग्रोथ के प्रभावी टूल की तरह भी देखा जा रहा है और इसके वैज्ञानिक आधार हैं। न्यूरोसाइंस, साइकोलॉजी और हेल्थ रिसर्च लगातार यह साबित कर रहे हैं कि अच्छी नींद और फिट शरीर आज हमारे लिए पूंजी के सरीखे हैं और करियर के आईने में ये तेज रफ्तार ग्रोथ का आधार निर्मित करते हैं।

नींद-दिमाग को रिसेट करती हैः नींद को अकसर आराम का विषय माना जाता है, लेकिन यह आराम से ज्यादा सक्रियता प्रदान करने के लिए तरोताजगी प्रदान करता है। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है, अनावश्यक सूचना को हटाता है और महत्वपूर्ण यादों को मजबूत करता है। इसके हमें करियर ग्रोथ के रूप में कई लाभ होते हैं। सबसे पहले तो हमारी निर्णय लेने की क्षमता न सिर्फ बढ़ती है बल्कि प्रभावी होती है। दुनिया के अनेक प्रबंधन सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो सीईओ रात में पर्याप्त नींद लेते हैं, उनके निर्णय अधिक स्पष्ट, ज्यादा संतुलित और ताजगी भरे होते हैं। वास्तव में थका हुआ दिमाग का मतलब होता है, हमारी नींद डिस्टर्ब है और जब नींद डिस्टर्ब होने से हमारा दिमाग थका होता है, तो हमारे निर्णय गलत साबित होते हैं।

सीखने की रफ्तार बढ़ती हैः पर्याप्त नींद लेने और नियमित व्यायाम करने से हमें सिर्फ निर्णय लेने में ही सहूलियत नहीं होती बल्कि नई तकनीक सीखने में भी हमारी गति, सामान्यतः तेज होती है। नींद की कमी से सीखने की क्षमता में 30 से 40 फीसदी तक का असर पड़ता है। जिन्हें नियमित रूप से अच्छी नींद आती है, उनका किसी भी विषय पर फोकस बेहतर होता है। आज के डिस्ट्रेक्शन भरे माहौल में भी वह अपना ध्यान जरूरी कामों और बातों पर केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही उनका भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है, क्योंकि नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्सा बढ़ता है, जो घर में ही नहीं कार्यस्थल पर भी हमें प्रभावित करता है। हमारे निजी और प्रोफेशनल रिश्तों को भी स्पष्टता देते हैं, जो कि करियर के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और हमारी रचनात्मकता भी निखर करके आती है।

हाई परफॉर्मेंस का सीक्रेटः कॉरपोरेट जगत में हम हाई परफॉर्मेंस सिर्फ अपनी स्किल और जानकारियों के आधार पर ही नहीं संभव कर पाते। इसके लिए शांत दिमाग और स्वस्थ शरीर भी बहुत जरूरी है और इन दोनों चीजों के लिए पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आधार का काम करते हैं। जब नींद और व्यायाम के नतीजे को एक साथ देखा जाता है, तो यह हाई परफॉर्मेंस सिस्टम के सीक्रेट का सबसे मजबूत आधार होते हैं। अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जब हमारी लाइफस्टाइल का हिस्सा होते हैं, तो हम हाई परफॉर्मेंस मोड पर होते हैं। जब कोई व्यक्ति 7 से 8 घंटे की नियमित और अच्छी नींद लेता है तथा हर दिन 30 मिनट का व्यायाम करता है, तो वह बहुत तेजी से सीखता है, बेहतर निर्णय लेता है, लंबे समय तक किसी भी समस्या या विषय पर अपना ध्यान फोकस करके रख सकता है और इन सबका नतीजा बेहतर कार्यक्षमता, हैप्पी फीलिंग, ज्यादा उत्पादन और ज्यादा से ज्यादा करियर रिवार्ड होता है। इसलिए कॉरपोरेट जगत की नए दस मूल्यवान सीक्रेट्स में नियमित व्यायाम और अच्छी नींद जरूरी हिस्सा बन गए हैं। डिजिटल थकान जो आज हमारी मेंटल फटीग का सबसे बड़ा कारण है, उस डिजिटल थकान से बचने का सौ फीसदी तरीका यही है कि हम नियमित रूप से हर दिन व्यायाम करें और हर रात अच्छी नींद सोएं। इसके लिए जो भी संभव उपाय हैं, उन्हें अपनाने में कोताही न बरतें। *

अपनाएं ये कारगर तरीके

सवाल है अच्छी नींद और नियमित व्यायाम का अनुशासन कैसे हासिल करें? पर्याप्त नींद के लिए जरूरी है कि हम हर रोज एक तय समय पर ही सोने की आदत डालें और एक निश्चित समय पर ही उठें। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटे पहले मोबाइल स्क्रीन से खुद को पूरी तरह से दूर कर लें। रात का खाना सूरज डूबने के एक घंटे के पहले ही खा लें।

नियमित व्यायाम के लिए हर दिन नियम से 30 मिनट पैदल चलें, 10 मिनट दौड़ें और कम से कम दो योगासन रोज करें। अगर यह रोज संभव नहीं है तो सप्ताह में कम से कम पांच दिन जरूर करें, जिसमें हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी शामिल हो और इस सबके लिए सुबह का समय ही सर्वश्रेष्ठ है। जरूरी नहीं है कि शुरुआत में ही आपको ये बदलाव दिख जाएंगे। पर यह सच है कि छह महीने तक अगर आपने यह रूटीन कड़ाई से पालन कर लिया तो जिंदगी भर के लिए यह हैबिट बन जाएगी।

{ कविता / देवांशु }

युद्ध

युद्ध में
अगर तुम जीत गए
तो कहलाओगे शक्तिशाली
अपनी देश की सीमा रेखा को
और आगे बढ़ाओगे
दुनिया तुमको सलाम करेगी।
युद्ध में
अगर तुम हार गए
तो दुनिया की नजर में
कमजोर कहलाओगे
भूख, बीमारी और गरीबी से
बरसों-बरस लड़ते रहोगे।
युद्ध सिर्फ क्रूरता, अमानवीयता
मानसिक नपुंसकता को दर्शाता है
मनुष्य बनो—
मनुष्य बनने के लिए
अपने हिंसक विचारों से युद्ध करो
अगर जीत गए
सचमुच मनुष्य कहलाओगे।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

लाइफ में लिफाफे का होना लाजिमी

कवि सम्मेलन से लौटा हूं। पारिश्रमिक का मोटा लिफाफा जेब से मुंह निकालकर बाहर झांक रहा है। बच्चे बड़े हो चुके हैं। वे सब भी लिफाफों की इंपॉर्टेंस समझने लगे हैं। हालांकि इनमें से कोई भी आठ साल से ज्यादा उम्र का नहीं है, तथापि मोबाइल और टीवी चैनलों की असमय अनुकंपा से सब वयस्क हैं। पहले के बच्चे अठारह साल में एडल्ट हुआ करते थे। आज आठ साल में हो लेते हैं।

पत्नी को भी पता है, घर का खर्च पति से नहीं, लिफाफे से चलता है। वह जानती है कि पति से महत्त्वपूर्ण पत्रम्-पुष्पम् है। यों भी एक उम्र के बाद पति की औकात भी पत्ती-फूल अर्थात घास-फूस जितनी ही रह जाती है। मेरा स्थान भी लिफाफा ले चुका है। मैं कवि सम्मेलनों में रात-रात भर जागकर खुद भी लिफाफा बन चुका हूं। आज मंचों की कविता जितनी कमजोर हुई है, लिफाफे उसी अनुपात में मोटे हुए हैं। काव्य-रुचियां विकृत हुई हैं। चुटकुले सुनाकर हजारों रुपयों का पारिश्रमिक उगाहने वाले मंचीय कवियों के साथ तालमेल रखना सार्थक कवियों की मजबूरी बन चुका है।

मंचीय कविता ही क्यों, हमारी सकल जीवनशैली ही लिफाफामय हो गई है। काम नहीं बन पा रहा हो, लिफाफा पकड़ा दो। बाबू अफसरों को, अफसर आला अफसरों को और आला अफसर मंत्रियों को लिफाफे पहुंचा रहे हैं। सत्ता के ठेकेदारों के हाथों से फिसलता हुआ एक मोटा-सा लिफाफा मेज-दर-मेज सरकता हुआ अंततः मंत्री की आलीशान कोठी में प्रवेश कर जाता है।

इस लाइफ में यह लिफाफा नहीं, तो कुछ भी नहीं। किसी के यहां से उनके बच्चे के नाम का इनविटेशन आया है। बर्थ डे है। उपहार की जगह लिफाफा दे दो। जैसी पार्टी हो, वैसा लिफाफा होगा। शादी है। निमंत्रण पत्र मिला है। गिफ्ट क्या देना? सभी लोग देंगे ही। लिफाफा दे दो। ऐसा सादा वाला नहीं। वह वाला, जिस पर एक रुपए का चमचमाता हुआ सिक्का चिपका होता है। हालांकि आज एक रुपए की कोई वैल्यू नहीं, पर शगुन के लिए एक रुपया जरूरी है। एक सौ एक या पांच सौ एक देकर अपना भी शगुन हो लेता है। विद फैमिली दावत खाने को मिलती है। लिफाफा दिया है, तो वसूल भी तो करना है। आज के दौर में शादी-ब्याह, रिश्ते-नाते सब लिफाफों में सिमटकर रह गए हैं।

पिछले साल शादी के सीजन में पचासों बारातों में गया। विवाह एक नहीं देखा। इधर जयमाल की रस्म अदायगी हुई, उधर अपन दावत पर टूट पड़े। खाया, लिफाफा पकड़ाया और अपने घर भागे। आज शादियों में बाराती तो पांच सौ जाते हैं, पर फेरों के टाइम बमुश्किल बारह-चौदह लोग होते हैं। उनमें से भी अनिवार्य रूप से दो तो वे ही हुआ करते हैं, जिनको उस रोज दूल्हा-दुल्हन कहा जाता है। अब विवाह के समय लड़का-लड़की के पिता लोग सात फेरे नहीं, लिफाफे गिनते हुए मिलते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मासूम मन की लघुकथाएं

हम सब जिस समय में जी रहे हैं, वो बहुरूपी जटिलताओं से भरा हुआ है। ऐसे जटिल समय की छवियां किस तरह हमारे नौनिहालों के मासूम मन को प्रभावित करती हैं, इसका अनुमान लगाना सरल नहीं है। लेकिन हाल में मृदुल त्यागी के संपादन में छपकर आई संकलित लघुकथाओं की पुस्तक 'मासूम मन' को इस दिशा में किया गया गंभीर प्रयास कहा जा सकता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा तैयार की गई इस पुस्तक में वरिष्ठ, मध्य और नई पीढ़ी के कुल 94 रचनाकारों की लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं हमें ऐसी पगडंडियां मुहैय्या कराती हैं, जिनके जरिए हम वर्तमान दौर के बच्चों के मनोजगत में प्रवेश कर सकते हैं। इन लघुकथाओं से गुजरते हुए बच्चों के भीतर उठने वाले सवाल, उनके मन में व्याप्त चिंताएं, उनके भय, उनकी आकांक्षाएं और उनकी कोमल संवेदनाओं से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो पुस्तक की अधिकांश लघुकथाएं अच्छी हैं लेकिन कुछ लघुकथाएं ऐसी हैं, जो हमें झकझोरती हैं और आत्मविवेचन के लिए बाध्य भी करती हैं। मिसाल के तौर पर हमारे भीतर के पाखंड को 'छुटकी का प्रश्न' उजागर करती है तो सामाजिक विसंगतियों से संघर्ष का मासूम सा हौसला 'काश' में देखा जा सकता है। उपेक्षा के मनोविज्ञान को 'मैं कहां हूं' प्रकट करती है। नन्हे बच्चे से एक गिलहरी के रिश्ते की मार्मिक कथा को 'रिश्ता' में व्यक्त किया गया है तो 'सीधी रेखा' में एक बच्चे के कोमल मन पर लगे आघात को प्रभावी तरीके से प्रकट किया गया है। *

पुस्तकः मासूम मन (लघुकथा संकलन), प्रधान संपादकः कांता रॉय, संपादकः मृदुल त्यागी, मूल्यः 325 रुपए
प्रकाशकः अपना प्रकाशन, भोपाल

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

असली चेहरा

एक दिन वैभव ने जैसे ही टीवी ऑन किया, उसमें खबर चल रही थी कि एक वृद्ध मकान मालकिन की हत्या उसके किराएदार ने कर दी। कारण था कि वो उनसे पिछले छह महीने का बकाया किराया मांग रही थी। 'स्वाति इधर आओ जल्दी... ये खबर देखी!' वैभव ने पत्नी को आवाज लगाई। स्वाति दौड़कर वहां आई। समाचार देख-सुन कर वह फूट-फूटकर रो पड़ी, 'मां...मेरी मां..ये सब कैसे हो गया?' वह बिलखने लगी। 'किस मां के लिए रो रही हो तुम... वो मां, जिन्होंने हमें अपनाया नहीं। तुम्हें भागकर मुझसे शादी करनी पड़ी।' वैभव तेज आवाज में बोला। 'तो क्या हुआ, कोई विधवा मां कभी नहीं चाहेगी कि उसकी इकलौती बेटी अपने समाज से अलग जाकर शादी करे। उसकी सोच गलत नहीं थी। पर मेरी मां को इस तरह से मार दिया गया...।' वह फिर जमीन पर बैठकर रोने लगी। 'चुप हो जाओ... और जल्दी चलो मां के घर।' वैभव ने उसे उठाते हुए कहा। 'क्या कह रहे हो तुम...। जब मैं कहती थी कि मां से मिलकर आते हैं, तब तुम कहते थे कि मैं मरते दम तक उस घर में कदम नहीं रखूंगा और अब अचानक...।' स्वाति ने हैरानी से पूछा। 'पगली...अब मैं इसलिए कह रहा हूं कि मां के जाने के बाद उस करोड़ों के मकान की तुम इकलौती वारिस हो। अगर देर कर दी तो...' वैभव ने ललचाई जुबान में कहा। 'वाह वैभव वाह...। बहुत दूर की सोचते हो तुम...। तुम्हें इस समय कहना चाहिए था कि मां के हत्यारों को सजा दिलवाकर छोड़ेंगे...।' स्वाति ने आंसू पोंछते हुए बोली। 'सजा तो उसे अब भी मिलेगी...कम या ज्यादा, लेकिन मकान हाथ से निकल गया तो...। सजा हमें मिलेगी...। जिंदगी भर इस किराए के मकान में रहने की...।' वैभव निष्ठुर भाव से बोला। स्वाति आज वैभव का असली चेहरा देख रही थी, वो चेहरा जो कभी उसकी मां दिखाने की कोशिश करती तो वह उसे देखना पसंद नहीं करती थी। *

नेपाल प्रकृति की गोद में बहुरंगी अनुभवों का स्थल

यदि आप किसी ऐसे स्थल पर घूमने जाना चाहते हैं, जहां प्रकृति के अनेक रंग दिखने के साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक अनुभूति और रोमांच का भी अनुभव मिले तो आप पड़ोसी देश नेपाल का रुख कर सकते हैं। यहां बहुत कुछ ऐसा मिला-जुला देखने को मिलेगा, जिसकी कल्पना आप किसी एक पर्यटन स्थल पर नहीं कर सकते हैं। पर्यटन के लिहाज से नेपाल की विशिष्टताओं पर एक नजर।

पर्यटन
समीर चौधरी

अपने देश का पड़ोसी देश नेपाल, एक ऐसी जगह है जो यात्रा खत्म होने के बाद भी बहुत लंबे समय तक आपके दिलोदिमाग में बसी रहती है। यहां के खूबसूरत पहाड़ तो स्पष्ट आकर्षण का केंद्र हैं ही, लेकिन यहां के लोगों का रोजमर्रा के जीवन का भी अपना एक अलग आनंद है। एक पल आप शताब्दियों पुराने काठमांडू के मंदिर के सामने खड़े होते हैं और दूसरे ही पल आप एक शांत घाटी में गर्म चाय पी रहे होते हैं। नजर ऊपर उठाते ही हिमालय के आस-पास बादल तैरते हुए दिखते हैं। सुंदरता केवल बर्फीली चोटियों, वन्य जीवन या झीलों के नजारे में ही नहीं है बल्कि नेपाल जिस धीमी रफ्तार से चलता है, उसमें भी है। नेपाल की संस्कृति, उत्सव, खानों का स्वाद और परंपरागत मेहमाननवाजी, आपकी छोटी सी यात्रा को भी अर्थपूर्ण और यादगार बना देती हैं। नेपाल पर्यटकों को संपूर्ण अनुभव प्रदान करता है, जो प्रकृति, संस्कृति और शांति की तलाश में घूमने के लिए घर से निकलते हैं।

मनमोहक प्राकृतिक नजारे: नेचर लवर्स के लिए नेपाल की यात्रा का मुख्य आकर्षण, उसके लैंडस्केप होते हैं। माउंट एवरेस्ट सहित हिमालय पर्वत श्रंखला दुनिया भर के नेचर लवर टूरिस्ट्स को मंत्रमुग्ध करती हैं। बर्फ से ढंकी चोटियां, गहरी वादियां, बलखाती नदियां और स्थिर झीलें एक ऐसा समा बनाती हैं कि जब आप व्यस्त शहर के बीच में खड़े होते हैं, तब भी आपको शांति का एहसास होता है।

काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर

महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी

चितवन नेशनल पार्क में एलीफेंट सफारी

लंगटंग की हसीन वादी

विविधरंगी संस्कृति की झलक: सांस्कृतिक दृष्टि से देखें तो भी नेपाल विविधवर्णी देश है। नेपाल के काठमांडू, भक्तपुर व पाटन जैसे शहर हिंदू और बौद्ध परंपराओं से प्रभावित सदियों पुराने इतिहास को संरक्षित किए हुए हैं। इनके मंदिर, आंगन और पतली गलियां कला, आर्किटेक्चर व आध्यात्मिकता का संगम प्रदर्शित करती हैं और दैनिक जीवन को आज भी प्रभावित किए हुए हैं। जाहिर है, यह सांस्कृतिक आधार व्यक्ति को अनुभव की दूसरी परत तक ले जाता है।

नेचर लवर्स के लिए परफेक्ट: प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए भी नेपाल स्वर्ग से कम नहीं है। यहां अनेक राष्ट्रीय पार्क हैं, जो दुर्लभ प्रजातियों व विशिष्ट इकोसिस्टम को संरक्षित किए हुए हैं। यहां एक शांति से उपजा अनुभव और ऊर्जा से भरपूर रोमांच का अवसर भी मिलता है। यह वन्य जीवन का अनुभव प्राकृतिक रूप से नेपाल की विस्तृत संरक्षण संस्कृति से जोड़ता है, जिसे अनेक समुदायों में देखा जा सकता है। अगर आपकी दिलचस्पी वन्यजीवों में है तो आप अपने कार्यक्रम में यहां स्थित कुछ जगहों को अवश्य शामिल करें-

चितवन नेशनल पार्क: यहां आपको एक सींग वाला गैंडा और बंगाल टाइगर देखने को मिलेंगे। जंगल सफारी का जरूर आनंद लें।

बर्दिया नेशनल पार्क: यह शांति पसंद करने वालों के लिए अच्छा विकल्प है, जिसके इर्दगिर्द शांति ही शांति है और इसमें वन्यजीवों को देखने का शानदार अवसर मिलता है।

सागरमाथा नेशनल पार्क: इस नेशनल पार्क से हिमालय का दिलचस्प नजारा और दुर्लभ पहाड़ी वनस्पतियों को देखा जा सकता है।

लुंबिनी गार्डंस: शांत प्राकृतिक स्थल लुंबिनी गार्डंस का गहरा आध्यात्मिक महत्व है।

इन स्थलों का भ्रमण करने से एहसास होता है कि नेपाल जैवविविधता, संस्कृति व स्थानीय परंपराओं का इतनी खूबसूरती से मिश्रण करता है कि अपने आप ही उसके टूरिज्म एडवेंचर सेगमेंट की अहमियत बढ़ जाती है।

मौजूद हैं रोमांचक स्थल: आपको चाहे पहाड़ों में धीमी यात्रा पसंद हो या आप उच्च-तीव्रता वाले स्पोर्ट्स को प्राथमिकता देते हों, नेपाल के पास हर एक के लिए कुछ न कुछ है। ये गतिविधियां नेपाल के नेचुरल लैंडस्केप की वजह से ही मुमकिन हो सकी हैं। जहां तक ट्रेकिंग और हाईकिंग की बात है तो एवरेस्ट बेस कैंप, अन्नपूर्णा सर्किट और लंगटंग वादी जैसे रूट्स हर बैकग्राउंड के ट्रैकर्स को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां पर्वतारोहण नौसिखियों और अनुभवी क्लाइंबर्स दोनों के लिए उपलब्ध हैं। पोखरा में पैराग्लाइडिंग करते हुए ऊपर आसमान से नीचे झीलों व पहाड़ों का शानदार नजारा देखने को मिलता है। त्रिशूली और भोते कोशी नदियों में राफ्टिंग का अनुभव बहुत रोमांचक होता है।

आध्यात्मिक अनुभूति के स्थल: नेपाल में गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव के केंद्र भी मौजूद हैं। भगवान बुद्ध के जन्म स्थान लुंबिनी में एहसास होता है कि यह सांसारिक मोह माया किसलिए, किसके लिए? और काठमांडू के श्री पशुपतिनाथ मंदिर के बारे में तो कितना भी कहा जाए कम ही रहेगा। बागमती नदी के तट पर स्थित यह प्राचीन मंदिर भगवान शिव के पशुपति रूप को समर्पित है और शिव भक्तों के लिए सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

हर कोई चाहता है कि उसकी पर्सनालिटी को पसंद किया जाए, सराहा जाए। कुछ बातों का ध्यान रखकर और कुछ प्रोफेशनल हैबिट्स को अपनाकर आप भी अपनी पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बना सकते हैं।

अपनाएं ये प्रोफेशनल हैबिट्स
पर्सनालिटी बनाएं इंप्रेसिव

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी से इंप्रेस रहें। प्रोफेशनली आपकी इंपोर्टेंस बढ़े तो आपको यहां बताई जा रही कुछ हैबिट्स को अपनाना होगा।

बोलें वकील की तरह: वकील की तरह बोलने का अर्थ है कि जब भी बोलें, तर्क, आत्मविश्वास और शब्दों के सटीक चयन के साथ बोलें। जब आप तर्कसंगत बात आत्मविश्वास से कहते हैं, तो लोग आपको गंभीरता से लेते हैं। कभी भी 'शायद' या 'मुझे लगता है' जैसे कमजोर शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए अपनी बात को डेटा या सबूतों से जोड़ें। विनम्रता लेकिन दृढ़ता से अपनी बात कहें। वकील कभी भी चिल्लाकर अपनी बात नहीं मनवाते, वे अपनी दलीलों के वजन से सामने वाले को निरुत्तर करते हैं। एक अच्छा वकील हर बात को ध्यान से सुनता है ताकि वह सामने वाले की बात में 'लूपहोल्स' (खामियां) ढूंढ़ सके। बातचीत के दौरान आप कभी नजरें न चुराएं, सामने वाले की बात ध्यान से सुनें और बॉडी लैंग्वेज का भी ध्यान रखें।

गहराई से बोलें: प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए जब आप अपनी आवाज पर पूरा नियंत्रण रखते हुए दार्शनिक शैली अपनाते हैं, तो आपकी आवाज में एक प्रभावी ठहराव और गहराई आ जाती है। बात करते समय सतहीपन से ऊपर उठें। एक दार्शनिक तब बोलता है, जब उसके पास कहने के लिए कुछ ऐसा हो जो 'मौन' से बेहतर हो। बोलने से पहले कुछ सेकेंड का मौन रखें। यह दिखाता है कि आप प्रतिक्रिया नहीं कर रहे, बल्कि विचार प्रकट कर रहे हैं। इस शैली को अपनाने से लोग आपकी ओर आकर्षित होते जाएंगे।

वैज्ञानिक की तरह सोचें: वैज्ञानिक किसी भी वस्तु, घटना या परिस्थिति के हर पहलू पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उनका स्वभाव जिज्ञासु, तर्कसंगत और खुले विचारों वाला होता है। अपनी सोच को तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित करना, निरंतर सीखने और प्रयोग करने की प्रवृत्ति उनकी आदत होती है। समस्याओं को चुनौतियों की तरह देखें और आत्मविश्वास के साथ समाधान निकालें, जैसे वैज्ञानिक करते हैं। हर चीज पर सवाल करें, नए ज्ञान और विचारों की खोज करें, जैसे वैज्ञानिक नए प्रयोगों से करते हैं। भावनाओं के बजाय तथ्यों और तर्कों के आधार पर निष्कर्ष निकालें। नए विचारों और परिणामों का स्वागत करें।

मनोवैज्ञानिक की तरह व्यवहार करें: प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए आत्म-जागरूकता, आत्म-विश्वास, सकारात्मक सोच, प्रभावी संचार (सुनना और बोलना) और मजबूत नैतिक मूल्यों की आवश्यकता होती है। एक मनोवैज्ञानिक न केवल खुद को समझता है, बल्कि दूसरों को भी गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अपनी शक्तियों और कमजोरियों को पहचानें। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना और कमजोरियों पर काम करना महत्वपूर्ण है। दूसरों की भावनाओं को समझना, करुणा दिखाना, सहानुभूति जताना, ये कुछ ऐसे गुण हैं, जो लोगों के दिलों में आपकी जगह बना देंगे।

जज की तरह निर्णय लें: आपको किसी जज की तरह निर्णय लेने में दक्ष होना चाहिए। इसके लिए निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता, गहरी समझ और तार्किक विश्लेषण के साथ स्थितियों का मूल्यांकन करना जरूरी है। अपने पूर्वाग्रहों को अलग रखने और व्यापक प्रभावों पर विचार करते हुए निर्णय लेने से आपकी विश्वसनीयता और आपका प्रभाव बढ़ता है।

इंजीनियर की तरह काम करें: एक इंजीनियर किसी भी समस्या को दक्षता के साथ हल करता है। वह समस्या का विश्लेषण करके मुख्य समस्या और उसकी सीमाओं को समझता है। कार्यान्वयन के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना बनाना, कम से कम संसाधनों में सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना एक इंजीनियर की कार्यशैली में शामिल होता है। इस तरह की आदत आपकी पर्सनालिटी को विशिष्ट बनाती है। *

पॉपकॉर्न के बिना फिल्म लगती है अधूरी

ट्रेंड / कैलाश सिंह

एक समय तक सिनेमाघर में इंटरवल के दौरान समोसा या मूंगफली का आनंद लोग लेते थे। लेकिन अब तो पॉपकॉर्न खरीदकर खाना फिल्म देखने का जरूरी हिस्सा बन गया है। कुछ लोगों को तो बिना उसके फिल्म अधूरी प्रतीत होती है। आज हर किसी के लिए पॉपकॉर्न के अलग-अलग फ्लेवर उपलब्ध हैं। पॉपकॉर्न अब केवल स्नैक नहीं रह गया है बल्कि सिनेमा देखने का प्रतीक बन गया है।

धीरे-धीरे बनाई जगह: पॉपकॉर्न ने सिनेमा में स्टार की तरह प्रवेश नहीं किया था बल्कि उसने बहुत खामोशी के साथ सिनेप्रेमियों के दिल में अपनी जगह बनाई और अब इसे खरीदना सिनेमा के टिकट खरीदने जितना ही लाजिमी हो गया है। कहने का अर्थ यह है कि पॉपकॉर्न जहां फिल्म अनुभव का अभिन्न अंग बन गया है, वहीं दर्शकों के लिए एक एहसास। हालांकि हमेशा से स्थिति ऐसी नहीं थी। मल्टीप्लेक्स बूम ने मूवी आउटिंग के दौरान पॉपकॉर्न को स्नैक के रूप में बुनियाद रखी। इससे पहले सिंगल-स्क्रीन सिनेमाघरों में इंटरवल का स्नैक समोसा, आलू चिप्स और कांच की बोतलों में सॉफ्ट ड्रिंक हुआ करता था। दक्षिण भारत के सिनेमाघरों में क्षेत्रीय स्नैक्स जैसे मुरुक्का, मुत्ता बोंदा आदि को प्राथमिकता दी जाती थी। उत्तर भारत के सिनेमाघरों के बाहर छोले भटूरे व छोले-कुल्चे के भी ठेले लगते थे। अब आखिरकार हर जगह इंटरवल स्नैक का निर्विवाद राजा पॉपकॉर्न बन गया।

अमेरिका में खूब पॉपुलर: आज अमेरिका में यह हाल है कि खास फिल्मों के लिए पॉपकॉर्न की थीम बकेट्स के लिए मूवी थिएटर चेन एक साल पहले ही योजना बनाने लगती हैं। पॉपकॉर्न बकेट्स को फिल्मों के किरदारों जैसा डिजाइन किया जाता है। पॉपकॉर्न फोल्डर भी फिल्मों को ध्यान में रखकर तैयार किए जाते हैं।

लाखों डॉलर का कारोबार: इसकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का परिणाम है कि 2024 में भारतीय पॉपकॉर्न बाजार का साइज 366.6 मिलियन डॉलर का था। दुनिया भर में सिनेपोलिस थिएटरों में 2025 में 5 मिलियन पॉपकॉर्न टब बिके। इसके पीछे की वजह है कि मल्टीप्लेक्सों ने सिर्फ फिल्में ही नहीं बल्कि पॉपकॉर्न बेचने की भी कला सीख ली। *

बड़ा पर्दा
डी. जे. नंदन

लगातार बढ़ रहा है हिट फिल्मों के रि-रिलीज का ट्रेंड

हाल के कुछ वर्षों से बॉलीवुड की कुछ पुरानी फिल्मों को रि-रिलीज करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। यह ट्रेंड जहां एक ओर दर्शकों को नया एक्सपीरियंस देता है, वहीं फिल्म मेकर्स को अर्निंग का दोबारा अवसर मिलता है। फिल्मों के रि-रिलीज ट्रेंड पर एक नजर।

अपने जमाने की बॉलीवुड की मशहूर फिल्में 'शोले', 'सत्या', 'ये जवानी है दीवानी', 'कहो न प्यार है' और 'उमराव जान' क्रमशः 1975, 1998, 2013, 2000 और 1981 में रिलीज हुई थीं। लेकिन इन दिनों इन सभी फिल्मों की खूब चर्चा हो रही है। सवाल है क्यों? दरअसल, पिछले ढाई सालों के भीतर ये सभी फिल्में न सिर्फ एक बार फिर से रिलीज हुई हैं बल्कि अब इस तरह का सिलसिला ही चल निकला है। पिछले तीन सालों के भीतर ऐसी 18 से 20 फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, जो दशकों पहले बनी थीं और अपने जमाने में तो सफल रही ही थीं, इन दिनों भी दर्शकों और बॉक्स ऑफिस दोनों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

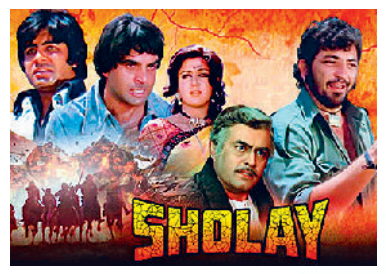

इस ट्रेंड के बढ़ने के मायने: अब के पहले पुरानी फिल्मों को कभी-कभार दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज करना, एक मनमर्जी का शगल हुआ करता था। लेकिन अब यह व्यवस्थित ट्रेंड बनता जा रहा है। साल 2024 से 2026 के बीच कई पुरानी चर्चित फिल्में न केवल नए पोस्टर बल्कि 4के प्रिंट तक में दोबारा रिलीज हुई हैं और आश्चर्यजनक बात यह है कि इनका दर्शकों ने खूब बढ़-चढ़कर स्वागत भी किया है। उदाहरण के तौर पर ये 'जवानी है दीवानी', जो कि साल 2013 में पहली बार रिलीज हुई थी। लेकिन जब साल 2025 में यह दोबारा सिनेमाघरों में आई, तो इसने न केवल दर्शकों का दिल जीता बल्कि करोड़ों रुपए का नया कारोबार भी किया। इसे बाजार की भाषा में 'रि-रन हिट' कहा गया। ऊपर जिन अन्य पुरानी फिल्मों का जिक्र आया है, उनकी भी यही कहानी है।

इसलिए पॉपुलर हो रहा ट्रेंड: पुरानी फिल्मों की यह वापसी सिर्फ नॉस्टेलेजिया भर नहीं है। यह एक तरह के व्यावसायिक रणनीति बन गई है। दरअसल 1990 और 2000 के दशक में बड़ी हुई पीढ़ी न अब न केवल निर्णय लेने वाली बल्कि अर्न करने वाली पीढ़ी में भी तब्दील हो चुकी है। ऐसे में वो पीढ़ी अपने पसंदीदा फिल्मों को फिर से बड़े पर्दे पर देखना चाहती है। जब कोई लोकप्रिय फिल्म दोबारा रिलीज होती है, तो थिएटरों में वही पुराना माहौल लौट आता है। दर्शक गाना गाते, गुनगुनाते बाहर निकलते हैं, खूब डायलॉग दोहराए जाते हैं और सोशल मीडिया में अपने अनुभवों को जोड़कर वे एक से एक कहानियां लिखते हैं, जिससे उन फिल्मों को दोबारा से देखने का जबर्दस्त माहौल बन जाता है।

फ्लॉप फिल्में भी होती हैं रि-रिलीज: पुरानी हिट और क्लासिक फिल्मों के अलावा कई फ्लॉप पुरानी फिल्मों को भी इस दौर में बहुत अच्छी तरह से मौका मिल रहा है। कई बार कई अच्छी फिल्में भी समय से पहले की स्टोरी के कारण या भारी प्रतिस्पर्धा के कारण या कुछ और कारणों से असफल हो जाती हैं और जब कुछ सालों बाद उन्हें दोबारा से रिलीज किया जाता है, तो काफी सफल साबित होती हैं। क्योंकि नई पीढ़ी उन पर नए तरीके से सोचती है।

कई बार तो कुछ कलाकार इतने अधिक लोकप्रिय होते हैं कि बाद में रिलीज उनकी फिल्में उनकी इस लोकप्रियता को ही भुना लेती हैं।

मिलता है नया अनुभव: वैसे रि-रिलीज के बढ़ते ट्रेंड के पीछे एक कारण यह भी है कि आज पुरानी फिल्मों को नए डिजिटल साउंड और नई एडिटिंग के साथ भी रिलीज किया जाता है, जिससे उनमें न केवल पहले से कहीं ज्यादा इंपैक्ट देखने को मिलता है बल्कि कई बार कहानी कहने का ढंग ही बिल्कुल बदला नजर आता है। इससे भी फिल्म के हिट होने की या अच्छी लगने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मसलन 1981 की फिल्म 'उमराव जान' को ही लें, इसे जब दोबारा से सिनेमाघरों में लाया गया, तो न केवल इसे नई तकनीक का प्रयोग करके रिलीज किया गया बल्कि कई फिल्मों को अब नए व वैकल्पिक अंत के साथ रिलीज किया जा रहा है, जो प्रयोग पुरानी फिल्मों में बिल्कुल नई जान डाल देते हैं। आजकल फिल्में केवल सिनेमाघरों में ही नहीं देखी जातीं बल्कि सोशल मीडिया पर भी जीवंत चर्चा का विषय होती हैं। इसलिए इंस्टाग्राम रील, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और वायरल डायलॉग के रूप में भी इनके छोटे-छोटे टुकड़े दर्शकों को लुभाने के लिए अपलोड किए जाते हैं। जाहिर है इस नई बिजनेस स्ट्रेटेजी में दर्शक आसानी से फंस जाते हैं। यही कारण है कि लगभग 99 फीसदी रि-रिलीज फिल्में कमाई की दृष्टि से लाभदायक साबित होती हैं। इसलिए पुरानी सफल फिल्मों का रि-रिलीज टेंड इन दिनों काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। *

ये भी हैं रि-रिलीज की वजहें

ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव के कारण सिनेमाघरों में नई फिल्मों की संख्या आजकल अकसर कम हो जाती है। ऐसे समय में थिएटर मालिकों के लिए रि-रिलीज फिल्में एक 'फिलर कंटेंट' का काम करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कई बार नई फिल्में जोखिम भरी होती हैं, जबकि पहले से सफल और क्लासिक पुरानी फिल्में दर्शकों को खूब भाती हैं। मल्टीप्लेक्स चेन के लिए यह बिजनेस बेहद कम जोखिम वाला होता है, क्योंकि नई फिल्मों के प्रिंट से ये तिहाई बल्कि कई बार उससे भी कम दाम पर मिल जाती हैं।

फैशन जोन
प्रतिमा अरोड़ा

बदलते मौसम और नए फैशन ट्रेंड के अनुसार यंगस्टर्स अपने ड्रेसअप स्टाइलिंग में प्रयोग करते रहते हैं। इन दिनों पॉपुलर हो रहे शर्ट के भीतर शर्ट पहनने का ट्रेंड भी इसमें शामिल है। इस फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स को खूब भा रहा है
शर्ट के भीतर शर्ट पहनना

आजकल युवाओं के बीच शर्ट के भीतर एक और शर्ट (लेयरिंग) का फैशन सिर चढ़कर बोल रहा है। हालांकि यह कोई अचानक आया फैशन नहीं है, इसके पीछे स्टाइल, मनोविज्ञान, मौसम और सोशल मीडिया का मिला-जुला रोल है। तो आइए समझते हैं आखिर इस फैशन ट्रेंड की लोकप्रियता का राज क्या है?

फ्लैश होते हैं दो लुक: एक शर्ट पहनने से एक ही लुक फ्लैश होता है। दो शर्ट पहनने का फायदा यह है कि ये एक साथ दो लुक फ्लैश करते हैं। अंदर प्लेन या सॉलिड शर्ट उसके ऊपर चेक्स या प्रिंटेड या ओपन शर्ट पहनने से एक ही आउटफिट कहीं ज्यादा रिच और लेयर्ड दिखता है, जिससे दो नॉर्मल शर्ट से भी आप फैशनेबल फील ले सकते हैं। आज का युवा नॉर्मल नहीं थोड़ा फैशनेबल या स्टाइलिश दिखना चाहता है। शर्ट, ओवर शर्ट या शर्ट के भीतर शर्ट का फैशन उसे एक तरह की क्रिएटिव फ्रीडम देता है।

सोशल मीडिया का प्रभाव: इस फैशन को ट्रेंड कराने में सोशल मीडिया का बड़ा योगदान है। कई सेलिब्रिटीज आजकल शर्ट के भीतर शर्ट पहनना पसंद करते हैं। ऐसी ड्रेस में उनकी वीडियोज भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर दिखती रहती है। जो फैशन स्क्रीन पर बार-बार दिखता है, युवाओं के बीच उस ट्रेंड का पॉपुलर होना स्वाभाविक है।

मौसम के अनुकूल: मार्च-अप्रैल और सितंबर से नवंबर तक भारत में अलग-अलग जगहों पर यह फैशन खूब धड़ल्ले से चलता है, क्योंकि इस दौरान न तो ज्यादा ठंड होती है, न ही बहुत ज्यादा गर्मी। ऐसे में लेयरिंग फैशन एक प्रैक्टिकल फैशन के दायरे में भी आता है।

ओवरसाइज्ड ट्रेंड के साथ परफेक्ट मैच: इन दिनों लूज शर्ट और अंदर फिटेड या कंट्रास्ट शर्ट का फैशन पॉपुलर है। यह कॉम्बिनेशन बॉडी प्रपोर्शन को बैलेंस्ड दिखाता है और स्ट्रीट वियर वाइब की फील देता है। इसलिए भी शर्ट के भीतर शर्ट का परफेक्ट मैच शानदार लगता है। आज का यूथ खुद को कंफर्टेबल या कूल दिखाना चाहता है और बिना कुछ ज्यादा किए डबल शर्ट के जरिए वह ऐसा संदेश देने में कामयाब भी रहता है।

परफेक्ट विजुअल इंपैक्ट: शर्ट के भीतर शर्ट का फायदा यह है कि इससे बहुत अच्छा कलर प्ले या विजुअल इंपैक्ट संभव है। व्हाइट अंदर-डार्क बाहर, ग्राफिक अंदर-प्लेन बाहर, इसका गजब विजुअल इंपैक्ट बनता है। इससे लेयर्स में विविधता तो दिखती ही है, आउटफिट बोरिंग भी नहीं लगता।

शर्ट के भीतर शर्ट का ट्रेंड सिर चढ़कर बोल रहा है। इसके कुछ और भी कारण हैं, जैसे- यह कम खर्च में शानदार और स्टाइलिश लगता है। इससे इंडीविजुएलिटी दिखाने का मौका मिलता है। मौसम के हिसाब से यह प्रैक्टिकल भी है। ओवरसाइज्ड फैशन के साथ यह बिल्कुल परफेक्ट मैच भी करता है।

आज का युवा खुद की सिंपल इमेज के बजाय दुनिया को अपनी लेयर्ड पर्सनालिटी दिखाना चाहता है और इसमें शर्ट के भीतर शर्ट का यह चलन खूब मददगार होता है। *

टाटा ट्रस्ट में चल रहा विवाद, चेयरमैन वेणु ने दिया इस्तीफा, पूर्व ट्रस्टी ने उठाए थे योग्यता पर सवाल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

टाटा ट्रस्ट विवाद के बीच टीवीएस मोटर कंपनी के मानद चेयरमैन और कई टाटा ट्रस्टों में सीनियर ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन को छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री द्वारा कुछ ट्रस्टियों की योग्यता पर सवाल उठाया गया था, जिसके बाद इस बड़े इस्तीफे की खबर आई है। दरअसल, मेहली मिस्त्री ने दो टाटा ट्रस्टियों की योग्यता पर सवाल उठाए थे, जिनमें एक वेणु श्रीनिवासन थे और दूसरे पूर्व आईएएस अधिकारी विजय सिंह थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीनिवासन ने अपने इस्तीफे का कारण अन्य व्यावसायिक व्यस्तता बताया है।

टाटा ट्रस्ट डीड से जुड़ा विवाद

बिजनेस टुडे पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक, वेणु श्रीनिवासन का इस्तीफा उस टाटा ट्रस्ट विवाद से जुड़ा है, जिसमें मेहली मिस्त्री ने ट्रस्ट के 1923 के दस्तावेज में शामिल प्रावधानों का हवाला दिया। इनमें टाटा ट्रस्टियों का पारसी होना और मुंबई का निवासी होना जरूरी है। उन्होंने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर से इस मामले की आधिकारिक जांच की मांग करते हुए तर्क दिया था कि श्रीनिवासन और विजय सिंह दोनों इन शर्तों को पूरा नहीं करते हैं, इसलिए उन्हें बोर्ड में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए था।

कौन थे मेहली मिस्त्री?

मेहली मिस्त्री सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड में ट्रस्टी थे और उनके कार्यकाल बढ़ाने के खिलाफ ज्यादातर ट्रस्टियों ने मतदान किया था। खासतौर पर छह ट्रस्टियों में से तीन चेयरमैन नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह ने मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति का विरोध किया, जिसके चलते अक्तूबर 2025 में उनकी ट्रस्ट से विदाई हुई थी। इसके बाद उन्होंने ट्रस्टियों की योग्यता पर सवाल खड़ा किया।

'बाई हीराबाई चैरिटेबल ट्रस्ट' क्या है?

बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन (बीएचजेटीएनसीआई) की स्थापना 1923 में हुई थी। टाटा ट्रस्ट्स की वेबसाइट के अनुसार, यह एक परोपकारी संस्था है जो मुख्य रूप से गुजरात के नवसारी में पारसी और सामुदायिक कल्याण पर केंद्रित है। इसका कार्यक्षेत्र मुख्य रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा है। यह संबद्ध टाटा ट्रस्ट्स का हिस्सा है और सर रतन टाटा ट्रस्ट के साथ अपना निदेशक मंडल साझा करता है।

योग्यता की दो प्रमुख शर्तें जिन पर है विवाद

मेहली मिस्त्री के मुख्य तर्क के अनुसार, ट्रस्टी बनने के लिए दो बुनियादी शर्तें अनिवार्य हैं, जिन्हें ये दोनों पदाधिकारी पूरा नहीं करते। दोनों के पास मुंबई का स्थायी निवास नहीं है। इन तर्कों के आधार पर, मिस्त्री ने राज्य चैरिटी कमिश्नर से मामले की स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) जांच शुरू करने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने यह निर्देश देने की भी अपील की है कि सभी मौजूदा ट्रस्टी अपनी योग्यता की पुष्टि करते हुए हलफनामा दाखिल करें।

टाटा ट्रस्ट में खड़े होने लगे सवाल

वेणु श्रीनिवासन के इस्तीफे के बाद भारत के सबसे बड़े परोपकारी संस्थानों में शामिल टाटा ट्रस्ट नेटवर्क के संचालन को लेकर चल रहा तनाव और बढ़ गया है। मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि इस विवाद से ट्रस्टियों की योग्यता, दस्तावेजों का पालन और बड़े कॉरपोरेट समूहों से जुड़े चैरिटेबल ट्रस्टों में निगरानी तंत्र से संबंधित बड़े सवाल उठते हैं। बता दें कि वेणु श्रीनिवासन ने जिस बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन से अपना इस्तीफा दिया है, वह टाटा समूह से जुड़े ट्रस्टों के व्यापक नेटवर्क का हिस्सा है। ये ट्रस्ट सामूहिक रूप से टाटा संस में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखते हैं।

नाइट्रोजन गोदाम में विस्फोट 4 लोगों की मौत, 6 घायल

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली के सिलवासा में एक नाइट्रोजन गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, छह घायल हैं। घटना देमनी स्कूल फलिया क्षेत्र की है। यहां शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे के करीब जोरदार धमाका हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। यह गोदाम एक व्यस्त सड़क पर एक चाल के पास स्थित था और स्कूल से महज करीब 30 मीटर की दूरी पर था, जिससे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह गोदाम बिना अनुमति के संचालित हो रहा था। ताजा जानकारी के अनुसार कुल 6 घायलों को सिलवासा के नमो अस्पताल में लाया गया है , जिनमें से 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि अन्य का उपचार जारी है।

एआई171 विमान दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों ने ब्लैक बॉक्स डेटा जारी करने की मांग की, प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

अहमदाबाद (भाषा)। एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के 10 महीने बाद पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर' (सीवीआर) और 'ब्लैक बॉक्स' का डेटा जारी करने का आग्रह किया है। इस त्रासदीपूर्ण दुर्घटना में 260 लोगों की मौत हो गई थी। एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 (बोइंग 787-8 का विमान) लंदन जाने वाली थी। लेकिन यह विमान 12 जून, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ क्षण बाद ही एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में आग लग गई जिससे उसमें सवार 242 लोगों में से 241 व्यक्तियों समेत जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। गुजरात भर से लगभग 30 शोक संतप्त परिवार शनिवार को अहमदाबाद में एकत्रित हुए और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस त्रासदी के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए सीवीआर और 'ब्लैक बॉक्स' (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर) का डेटा जारी करने का अनुरोध किया।

एसआईआर के जरिए हटाए जा सकते हैं 2.9 करोड़ नाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के नेता प्रकाश आंबेडकर ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान लगभग 2.9 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। आंबेडकर का कहा कि इतने बड़े पैमाने पर नामों को हटाने की प्रक्रिया आगामी चुनावों के परिणामों को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकती है।

प्रकाश आंबेडकर ने ईसीआई पर गंभीर आरोप लगाते हुए किया दावा

प्रकाश आंबेडकर ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसी ऐसे वार्ड से प्रभावित परिवार को मीडिया के सामने लाते, जहां चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत गैर-मौजूदगी का दावा करते हुए वोट कम किए हों, तो सरकार की सच्चाई उजागर हो जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि यह चुनाव आयोग द्वारा की जा रही धोखाधड़ी को साबित करता।

चौंकाने वाला दावा

एक सोशल मीडिया पोस्ट में भी आंबेडकर ने चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में अनियमितताओं से राज्य में बड़े पैमाने पर मतदाताओं को बाहर किया जा सकता है।

एसआईआर का क्या है उद्देश्य और इससे जुड़ा विवाद?

विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूचियों में विसंगतियों को दूर करना है, जिसमें डुप्लिकेट प्रविष्टियां और मृत व्यक्तियों के नाम शामिल होते हैं। यह प्रक्रिया मतदाता सूचियों को अद्यतन और त्रुटि मुक्त रखने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। हालांकि, विपक्षी दल लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि इस प्रक्रिया का दुरुपयोग चुनिंदा विचारधाराओं या समुदायों से संबंधित मतदाताओं को बाहर करने के लिए किया जा रहा है। आंबेडकर का दावा इसी चिंता को रेखांकित करता है।

संघ के विविध संगठनों की 'समन्वय बैठक' शुरू

संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और कार्यपद्धति पर चर्चा

एजेंसी ▶▶| भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दो दिवसीय समन्वय बैठक का आयोजन राजधानी के केरवा रोड स्थित शारदा विहार परिसर में किया जा रहा है। शनिवार से यह बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक में संघ की मध्यभारत प्रांत की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों सहित विविध संगठनों के पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। इसमें भाजपा, विहिप, सेवा भारती, विद्या भारती, अभाविप, आरोग्य भारती, क्रीड़ा भारती, विज्ञान भारती, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद सहित अन्य विविध संगठन शामिल हो रहे हैं।

- शनिवार दोपहर करीब तीन बजे से यह बैठक शुरू हुई

शनिवार दोपहर करीब तीन बजे से यह बैठक शुरू हुई। बैठक में संगठनों द्वारा संगठनात्मक विस्तार, शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और कार्यपद्धति पर महत्वपूर्ण कार्यवृत्त रखा जाएगा। वहीं, रविवार को इस बैठक में भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल शामिल हो सकते हैं।

ईरान संकट पर कमलनाथ व आनंद ने पार्टी लाइन से किया किनारा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारत की प्रतिक्रिया को लेकर अब कांग्रेस के भीतर ही अलग-अलग सुर सुनाई देने लगे हैं। पार्टी की आधिकारिक लाइन से हटकर दो वरिष्ठ नेताओं ने एनडीए सरकार के रुख का समर्थन किया है, जिससे सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने साफ कहा कि देश में एलपीजी को लेकर किसी तरह का संकट नहीं है, जिससे सरकार के दावों को बल मिलता है। वहीं, यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे आनंद शर्मा ने भी खुले तौर पर भारत की कूटनीतिक रणनीति की सराहना की। शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट करते हुए लिखा, 'मौजूदा हालात में भारत ने जिस तरह संतुलित और समझदारी भरा रुख अपनाया है, वह सराहनीय है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस समय देश को ऐसी प्रतिक्रिया की जरूरत है, जो राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय हित से प्रेरित हो।'

मिडिल ईस्ट क्राइसिस और एलपीजी पर कांग्रेस में फूट

अब कांग्रेस के भीतर ही अलग अलग सुर सुनाई देने लगे

पार्टी की आधिकारिक सोच से अलग

कांग्रेस के इन वरिष्ठ नेताओं के बयानों को पार्टी की आधिकारिक सोच से अलग माना जा रहा है, जिससे अंदरूनी असहजता बढ़ सकती है। ऐसे वक्त में, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीतिक दल आमतौर पर एकजुट दिखने की कोशिश करते हैं, कांग्रेस के भीतर यह मतभेद नई बहस को जन्म दे सकता है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर कांग्रेस के भीतर मतभेद खुलकर सामने आते रहे हैं। इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और मनीष तिवारी इस मुद्दे पर आधिकारिक लाइन से अलग राय रख चुके हैं।

कांग्रेस घेर रही सरकार को

जहां एक ओर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगा रही है कि वह अमेरिका और इजरायल के दबाव में काम कर रही है और अपने पुराने सहयोगियों से दूरी बना चुकी है, वहीं इन दोनों नेताओं के बयान थोड़े अलग संकेत देते हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उसने इस मामले में हार मान ली है। लेकिन इसी बीच एलपीजी की कथित कमी को लेकर उठ रही चिंताओं पर कमलनाथ ने अलग ही तस्वीर पेश की।

नाथ के पोस्ट पर सिंधिया ने कांग्रेस को घेरा

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस को घेरते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब तो कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता कमल नाथ ने यह स्वीकार कर लिया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है। सिंधिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लंबे समय से झूठ और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करती रही है, जिसके लिए उसे शर्मिंदा होना चाहिए।

दादी की अंतिम विदाई में 4 भाई गंगा में डूबे

मेरठ। यहां के इंचौली थाना इलाके के जलालपुर गांव के एक ही परिवार के 3 किशोर और 1 युवक गंगा नदी में डूब गए। चारों युवक चचेरे भाई हैं। एक अन्य युवक को डूबने से बचा लिया गया। देर रात तक चले सर्च ऑपरेशन में चारों का सुराग नहीं लग सका। घटना शुक्रवार को दोपहर में करीब 3:30 बजे हस्तिनापुर के मखदूमपुर गंगा घाट पर हुई। संबंधित पुलिस ने बताया कि डूबने वाले तीन किशोर और युवक 100 वर्षीय दादी भगवती देवी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हिमाचल में टूरिस्ट वाहन खाई में गिरा, 4 की मौत, 17 को रेस्क्यू किया गया, 4 गंभीर

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में शनिवार रात करीब 9 बजे एक टूरिस्ट गाड़ी खाई में गिर गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 17 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इनमें 4 घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी का बंजार अस्पताल में उपचार चल रहा है। डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, टेम्पो ट्रैवलर में चंडीगढ़, राजस्थान और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के कुल 22 लोग सवार थे, जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि लगातार बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी हो गई थी। इससे वाहन बंजार की ओर उतरते समय अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। पुलिस, फायर ब्रिगेड और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है।

- कुल्लू में हादसा, कई पर्यटक राजस्थान और दिल्ली के थे

हर झूठ को बेनकाब करूंगा

नई दिल्ली। पंजाब से राज्यसभा सांसद ने एक वीडियो जारी कर अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर सफाई दी है। फेसबुक पर लाइव आकर चड्ढा ने एक-एक करके सभी आरोपों का जवाब दिया है और दो टूक कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद और चुनिंदा हैं। इनका मकसद संसद में उनकी आवाज को दबाना है। चड्ढा ने कहा कि मेरे खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पहले मुझे लगा कि इसका जवाब नहीं देना चाहिए लेकिन फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वो सच लगने लगता है।

- चड्ढा की आप नेताओं के आरोपों पर दो टूक, लाइव बोले

पवन हंस दुर्घटना : उतरने के दौरान आपातकालीन प्रणाली के सक्रिय नहीं होने की बात सामने आई

मुंबई (भाषा)। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मायाबंदर के पास 24 फरवरी को समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हुए पवन हंस हेलीकॉप्टर के पानी से टकराने के दौरान इसका आपातकालीन 'फ्लोटेशन सिस्टम' सक्रिय नहीं हुआ था। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की शनिवार को जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस हेलीकॉप्टर पर सात लोग सवार थे। दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में, एएआईबी ने सिफारिश की कि विमानन सुरक्षा निगरानी संस्था सभी वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर संचालकों के संचालन के दौरान मौके पर जांच करे ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे सभी आवश्यक नियमों का अनुपालन कर रहे हैं या नहीं।

IN THE COURT OF DR.AMAN INDER SINGH, CIVIL JUDGE (SENIOR DIVISION), KAITHAL.
PUBLICATION
C.I.S. No. CS/1183/2021
Date of Institution: 10.08.2021
CNR No.HRKH02-001331-2021
Next Date of Hearing: 08.04.2026 at 10:00 A.M.

Canara Bank constituted under the banking companies having its Head Office at Banglore and branches including one at Chatravas road Kaithal, Distt Kaithal through its Manager Sh. Vipul Jindal. .....Plaintiff

Vs

1. Sh. Kapur Singh son of Sh. Gurnam Singh, 2) Smt. Rajwant Kaur wife Sh. Lakhwinder Singh, residents of Hno. 958, Sec-19 (2), HUDA, Kaithal Distt Kaithal. .....Defendants

Suit for Recovery

Whereas in the above noted petition, it has been proved to the satisfaction of this Court that the above named Respondent i.e. No 1) Kapur Singh, 2) Smt. Rajwant Kaur can not be served in ordinary way of process. Hence, this publication notice is hereby issued against the above noted Respondent i.e. No 1) Kapur Singh, 2) Smt. Rajwant Kaur, If he/she/they want to contest this petition, he/she/they should appear in this court on 08.04.2026 at 10:00 A.M. personaly or through duly instructed agent/pleader, failing which an exparte proceeding shall be taken against him/her/them.

Given under my hand and seal of the Court on dated 30th March, 2026.

Sd/- (Dr. Aman Inder Singh),
Civil Judge (Sr.Divn.), Kaithal. 30.03.2026

MUNICIPAL COMMITTE, KALANAUR — नगरपालिका कलानौर
E-mail id-secy-kalanaur@ulbharyana.gov.in OFF TEL. NO. 01258-299022, 299422

सार्वजनिक सूचना (नगरपालिका कलानौर)

सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि अपने-अपने घरों में शौचालयों का निर्माण BIS मानक IS 2470 (Part 1 एवं Part 2) के अनुसार करवाना अनिवार्य है। उक्त मानक स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किए गए हैं। अतः सभी नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे निर्धारित मानकों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करें। यदि किसी भी घर में शौचालय का निर्माण उक्त मानकों के अनुसार नहीं पाया जाता है, तो संबंधित नगरपालिका/नगर निगम/नगर परिषद द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी। अतः सभी नागरिकों से अनुरोध है कि समय रहते नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

हस्ता/-सचिव, नगरपालिका कलानौर।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

सीडीएस जनरल चौहान ने जम्मू कश्मीर में परखी सुरक्षा तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

एलओसी से सटे इलाकों की समीक्षा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए किए गए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' की अगले महीने 7 मई को पहली वर्षगांठ है। लेकिन उससे ठीक पहले देश में पहले दो बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। पहली में बीते दिनों केरल में एक सैन्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए ईरान-अमेरिका युद्ध की आड़ में भारत के खिलाफ कोई षड्यंत्र रचने की स्थिति में नई दिल्ली द्वारा करारा जवाब दिए जाने का ऐलान किया है। वहीं, दूसरी घटना में शनिवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने उत्तरी-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) सहित सेना की 15वीं कोर के रणनीतिक इलाकों का दौरा कर वहां बने हुए सुरक्षा हालात का विस्तृत रूप से जायजा लिया है। जिसकी जानकारी एक बयान के जरिए रक्षा मंत्रालय ने दी है। यहां बता दें कि चिनार कोर मुख्य रूप से पाकिस्तान के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सेना की उत्तरी कमांड (15वीं कोर) का एक महत्वपूर्ण अंग है। सीडीएस के मुताबिक, उभरती हुई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एक सुनियोजित रोडमैप की आवश्यकता है।

नई सोच संग आगे बढ़ने की दरकार

कोर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बहुत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसलिए महज एक केंद्रित डोमेन की सोच से इतर मजबूत और एकीकृत संरचना पर आधारित बहु-डोमेन संचालन की ओर बढ़ना जरूरी है। उन्होंने निर्णायक परिणाम के लिए संयुक्तता जमीन, वायु, समुद्र, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में निर्बाध एकीकरण को अत्यंत आवश्यक बताया है। भविष्य के युद्ध के लिए तेजी से संयुक्त प्रशिक्षण, सिद्धांतों के सामंजस्य और सभी क्षेत्रों में समन्वित प्रभाव के लिए अंतर-संचालनीय कमान और नियंत्रण संरचनाओं के विकास का आह्वान किया है।

MUNICIPAL COMMITTEE, KALANAUR

SR. NO.	NAME OF DEPARTMENT	NAME OF WORK/ NOTICE/TENDER	CLOSING DATE (TIME)	EMD in Rupees	E-Tender Site
1	Municipal Committee Kalanaur	Hiring Vehicles and Manpower's for Door to Door Collection, transportation of Municipal Solid Waste from MC Kalanaur to Processing site/dump site for three months in MC Kalanaur + Dog Tender	09.04.2026 at 06:55 PM	48875/-	https://etenders.hry.nic.in

Sd/- Junior Engineer, Municipal Committee, Kalanaur — Sd/- Municipal Engineer, Municipal Committee, Kalanaur — Sd/- Secretary, Municipal Committee, Kalanaur

शब्द पहेली - 6186

■	1	2	3	4	■	5	6	7		■
8	■	9			■	10			■	11
12	13	■	14		■	15		■	16	
17		18	■	19	20		■	21		
22			23	■		■	24			
■	■	■	25					■	■	■
26	27	28		■		■	29	30	31	32
33			■	34		35	■	36		
37		■	38		■	39	40	■	41	
	■	42			■	43		44	■	
■	45				■	46				■

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 6185 का हल

■	ना	स	म	झ	■	क	पा	स	■
कु	ल	■	झ	■	क	रा	ह	■	म	न
ल	■	■	धा	र	ण	■	र	■	■	क
प	रि	चा	र	क	■	पा	■	अ	न	ल
ति	■	ह	■	म	नो	नी	त	■	सी	■
■	जा	त	■	■	■	■	■	त	ब	■
■	मु	■	फि	त	र	त	■	ना	■	ना
म	न	का	■	न	■	प	र	व	रि	श
लि	■	■	न	■	पू	न	म	■	■	वा
का	बु	■	ख	ब	री	■	णी	■	खा	न
■	आ	स	रा	■	■	जा	य	दा	द	■

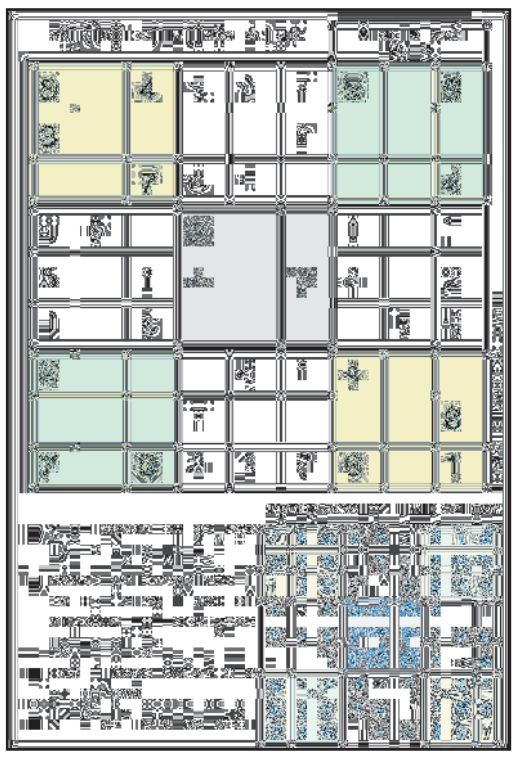

खबर संक्षेप

नवीन ने गिनाईं विकास योजनाएं, जीत का दावा

श्रीभूमि। असम के श्रीभूमि में जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भाजपा-एनडीए की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सभा में उमड़ी भारी भीड़ इस बात का साफ संकेत है असम में भाजपा की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है। भाजपा सरकार ने असम के विकास और उसकी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाया। दोनों को आगे बढ़ाने का काम किया है। इससे पहले राज्य को अपराध का गढ़ बना दिया गया था। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और असम तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। नवीन ने केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं का भी जिक्र किया।

सोना तस्करी के दोषियों को जेल भेजकर दम लेंगे

तिरुवनंतपुरम । केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी शनिवार को नेय्यत्तिनकारा में मेगा रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगा। नड्डा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एलडीएफ और यूडीएफ यहां एक-दूसरे से लड़ते हैं लेकिन दिल्ली में संसद में वे गठबंधन सहयोगी बनते हैं। दोनों ही दल पूरी तरह भ्रष्ट हैं। सोना तस्करी पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोपियों को जेल भेजकर रहूंगा कि इसमें मुख्यमंत्री के सहयोगी, परिवार के लोग, अफसर भी शामिल हैं। आप हमें जनादेश दीजिए, हम इन सारे दोषियों को सजा दिलाएंगे।

थरूर के काफिले पर हमला, गनमैन पीटा

मलप्पुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के काफिले पर केरल में उस समय हमला हो गया, जब वे चुनाव प्रचार के सिलसिले में मलप्पुरम जिले पहुंचे हुए थे। कुछ अज्ञात लोगों ने उनके काफिले को रास्ते में रोक लिया और उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट भी की। पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। थरूर के गनमैन तुरंत वाहन से बाहर आए और युवकों को हटाने की कोशिश की। कहासुनी हाथापाई में बदल गई और सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट की गई।

पारसी समुदाय की शिविर में उमड़ी भीड़

मुंबई। यहां अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय और बॉम्बे पारसी पंचायत के सहयोग से सार्वभौमिक पारसी पंजीकरण अभियान के विशेष सुविधा शिविर में लोगों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। शिविर के दौरान 'जियो पारसी' पोर्टल पर करीब 300 नए पंजीकरण पूरे किए गए, जो पारसी समुदाय तक पहुंच बढ़ाएगा।

क्लोरीन गैस रिसाव से करीब 50 लोग बीमार

झाबुआ। जिले के थांदला तहसील मुख्यालय स्थित पद्मावती नदी किनारे बने वाटर फिल्टर प्लांट में शुक्रवार शाम अचानक क्लोरीन गैस का रिसाव हो गया। इस जहरीली गैस की चपेट में आने से 7 कर्मचारियों सहित करीब 50 लोग बीमार हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनसमें से कुछ की हालत गंभीर होने पर उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। वाटर फिल्टर प्लांट से क्लोरीन गैस रिसाव इतना तेज था कि कुछ ही देर में इसका असर प्लांट के आसपास के करीब एक किलोमीटर के दायरे में फैल गया।

80 करोड़ के डीएसपी के घर की नौकरानी भी करोड़ों की मालकिन

लग्जरी लाइफस्टाइल ने खींचा सबका ध्यान

किशनगंज में ईओयू की छापेमारी में खुलासा: एक करोड़ का बंगला और कैश सबकुछ पारो के पास

एजेंसी ▶▶ किशनगंज (पटना)

आर्थिक अपराध इकाई द्वारा किशनगंज के एसडीपीओ गौतम कुमार के ठिकानों पर की गई छापेमारी अब कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। छह ठिकानों पर हुई कार्रवाई के बाद जांच में कई नए किरदार सामने आए हैं। अब इस मामले में एक ऐसा नाम जुड़ा है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। एसडीपीओ के सरकारी आवास में काम करने वाली नौकरानी पारो भी जांच के घेरे में आई तो उसके पास करोड़ों की संपत्ति होने के संकेत मिले हैं। उसका संबंध बंगाल के मालदा इलाके से बताया जा रहा है।

जांच एजेंसियां लेनदेन की पड़ताल कर रहीं

जानकारी के अनुसार, नौकरानी के बारे में यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसके नाम पर मौजूद संपत्ति का स्रोत क्या है और क्या इसका संबंध एसडीपीओ से जुड़े मामले से है या नहीं। पुलिस और ईओयू इस कड़ी को गंभीरता से जांच रहे हैं। नौकरानी से जुड़े खुलासे ने सनसनीखेज बना दिया है। जांच एजेंसियां खातों, संपत्ति कागजात और लेनदेन की पड़ताल कर रही हैं। ईओयू के सूत्रों ने बताया कि आगामी 6 अप्रैल को गौतम कुमार, उनकी पत्नी और अन्य लोगों से पूछताछ होनी है, आगे और बड़े खुलासे की संभावना जताई है।

गौतम कुमार को तुरंत पद से हटाया

शुरुआती जानकारी के अनुसार ईओयू की टीम ने बीते 31 मार्च को गौतम कुमार के किशनगंज के सरकारी आवास, पूर्णिया, पटना, अररिया और सिलीगुड़ी समेत कई जगहों पर छापा मारा था। छापेमारी में 36 जमीन के दस्तावेज, सोने-चांदी के गहने, महंगी घड़ियां और लग्जरी गाड़ियों के कागजात बरामद हुए। गौतम कुमार पर 32 साल की नौकरी में आय से 60 प्रतिशत ज्यादा यानी करीब 80 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति जमा करने का आरोप है। पूर्णिया में उनका चार मंजिला आलीशान मकान, सिलीगुड़ी में चाय बागान और नोएडा-गुड़गांव में फ्लैट भी सामने आए। गौतम कुमार को तुरंत पद से हटा दिया गया और पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने के आदेश दिए गए। निलंबन की प्रक्रिया भी शुरू।

थार से काम पर आती थी

छापेमारी में नया मोड़ तब आया जब गौतम के सरकारी आवास पर काम करने वाली नौकरानी पारो भी करोड़पति निकली। किशनगंज के धर्मगंज, किला बागान की रहने वाली पारो ने प बंगाल के उत्तर दिनाजपुर के मालदा से सटे इलाके में 1 करोड़ का बंगला बनवाया है। वह रोजाना 35 लाख की थार कार से काम पर आती-जाती थी। कई बार एसडीपीओ के सरकारी वाहन से भी उसे लाने-ले जाने की व्यवस्था होती थी। गौतम ने उसे बुलेट बाइक भी गिफ्ट दी थी। यह भी पता चला है कि घर पर 6 लाख रुपये का सोने का हार भी मिला है।

इंस्टाग्राम पर एक्टिव थी

पारो का जीवनशैली आम नौकरानी से बिल्कुल अलग थी। वह इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव थी और अपने अकाउंट पर बुलेट बाइक की फोटो और रील्स पोस्ट करती थी। एक वीडियो में वह डेढ़ लाख रुपये नकद हाथ में दिखा रही थी। थार कार, बुलेट और एसडीपीओ गौतम कुमार व उनके साथियों के साथ कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हो चुके थे। शहर में यह चर्चा का विषय बन गया। जानकारी यह भी है कि छापेमारी की खबर फैलते ही पारो ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट लॉक कर दिया है और अब वह पूरे परिवार के साथ फरार बताई जा रही है।

केरल में पीएम ने चुनाव से पहले किया रोड शो, विपक्ष पर जमकर साधा निशाना

कांग्रेस चाहती है खाड़ी देश भारत को दुश्मन समझें: मोदी

केरलम के लाखों भाई-बहन वहां, उनकी सुरक्षा पहली प्राथमिकता

एलडीएफ और यूडीएफ ने शबरीमला को बदनाम करने की साजिश रची

राजग सरकार ने राज्य के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी

एजेंसी ▶▶ थिरुवल्ला /गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरलम के थिरुवल्ला में जनसभा की। प्रधानमंत्री मोदी ने नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले केरल की राजधानी में रोड शो भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशियाई देश भारत को अपना दुश्मन समझें। हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें, कोई ऐसा बयान दे दें जिससे खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों पर मुसीबत आ जाए, इसलिए कांग्रेस खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और कांग्रेस को मोदी को गालियां देने का मौका मिले।

मैं कांग्रेस, यूडीएफ, एलडीएफ के लोगों से कहना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह पर है, चुनाव आते जाते रहेंगे लेकिन केरलम के लाखों भाई-बहन वहां हैं उनकी सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि इस बार के चुनाव में केरलम में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) की सरकार जाएगी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की सरकार आएगी। मैं पहले भी केरलम आया हूं, लेकिन इस बार हवा का रुख कुछ अलग है। केरल एक ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है। इस बार सत्ता परिवर्तन होगा।

एलडीएफ की विदाई की उल्टी गिनती शुरू

तिरुवल्ला (केरल) (भाषा) मोदी ने शनिवार को कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और केरल में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आयेगा।

मोदी ने पथनमथिट्टा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राजग की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एलडीएफ सरकार की विदाई करने के लिए काफी उत्साह दिखाया है। राज्य विधानसभा की 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को चुनाव होगा।

एलडीएफ-भाजपा पर बोला हमला

विजयन अपने बच्चों को बचाना चाहते हैं, इसलिए 'मोदी से डरते' हैं : राहुल गांधी

कोच्चि (भाषा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह अपने बच्चों को बचाना चाहते हैं, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी से 'डरते' हैं। गांधी ने फोर्ट कोच्चि में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के साथ "समझौता" किया है। उन्होंने साथ ही किसी का नाम लिए बिना विजयन की बेटी से कथित तौर पर जुड़े 'एक्सालॉजिक' मामले का जिक्र किया। इस मामले में कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच अवैध वित्तीय लेनदेन के आरोप शामिल हैं, जो विजयन की बेटी वीणा के स्वामित्व वाली कंपनी थी और यह अब बंद हो चुकी है। गांधी ने कहा कि कौन सा पिता अपने बच्चों की रक्षा करने की कोशिश नहीं करेगा? लेकिन समस्या यह है कि आपने ऐसे कृत्यों की अनुमति दी है जिनके लिए अब सुरक्षा की आवश्यकता है। आपने ऐसे काम किए हैं जिनके लिए सुरक्षा की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि वाम मोर्चे का नेता किसकी सुरक्षा चाहता है।

मालदा घटना पर बोलीं-ममता असली अपराधी बच निकले

एनआईए स्थानीय लोगों को परेशान कर रही :

- दो सांप्रदायिक दलों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और मौके से भाग निकले
- उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर निर्वाचन आयोग ने एनआईए को मामले की जांच सौंपी

भाषा ▶▶ मालदा (बंगाल)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि मालदा जिले के मोथाबाड़ी में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हिंसा के असली आरोपी फरार हो गए जबकि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) निर्दोष स्थानीय लोगों को पकड़कर परेशान कर रहा है। मालदा के मानिकचक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 'विचाराधीन' मामलों की जांच कर रहे न्यायिक अधिकारियों के पास जाने के बजाय मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए नामों को दोबारा शामिल कराने के लिए न्यायाधिकरणों में आवेदन करें। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि इसके बजाय, मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए नामों को फिर से शामिल करने के लिए न्यायाधिकरणों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के संदर्भ में कहा कि दो सांप्रदायिक दलों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और भाग निकले। एनआईए स्थानीय युवाओं को परेशान कर रही है। जांच के नाम पर 50 निर्दोष लोगों को उठा लिया गया है।

भाजपा का 'आप' सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

अधिकारी की आत्महत्या मामले में न्याय की मांग

चंडीगढ़ (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई ने शनिवार को अमृतसर में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ एक 'वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन' अधिकारी द्वारा हाल ही में की गई आत्महत्या के विरोध में प्रदर्शन किया और उनके परिवार के लिए न्याय की मांग की। भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित राज्य के सभी नेतृत्व ने अमृतसर के हॉल गेट पर धरने में भाग लिया। अमृतसर स्थित 'पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन' के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने कथित तौर पर 21 मार्च को जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

आईआईएम के समारोह में पहुंचे विदेश मंत्री

वैश्विक संकट के बीच मजबूती से उभरा भारत: जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में देश के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने छात्रों को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच युवाओं की भूमिका और उनकी तैयारी पर विस्तार से बात की। जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष की ओर इशारा करते हुए शनिवार को कहा कि वैश्विक सकंट के बीच भारत मजबूती से उभरा है और हालात का डटकर मुकाबला किया है।उन्होंने कहा कि आज का दौर तेजी से बदलावों का है, जहां सीमाओं के पार होने वाली घटनाएं सीधे हमारे जीवन और करियर को प्रभावित करती हैं। ऐसे में छात्रों के लिए जरूरी है कि वे केवल अपनी पढ़ाई या क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि दुनिया में हो रहे राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें। भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश ने बीते वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर मजबूत पकड़ बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को

पर्यटकों के लिए सालभर खुली रहेगी नेलांग घाटी

- भारत-चीन सीमा पर बढ़ेगा टूरिज्म, संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र होने के लिए परमिट जरूरी
- पर्यटकों को जहां एक ओर लद्दाख जैसा फील मिलेगा, वहीं दूसरी ओर बर्फीले पहाड़ रोमांच का अनुभव देंगे
- प्रशासन ने इस फैसले को लागू करने के लिए जरूरी सुरक्षा इंतजाम और नियम तय किए

उत्तरकाशी(एजेंसी)। उत्तराखंड की फेमस नेलांग घाटी का अब पर्यटक पूरे साल लुत्फ उठा सकेंगे। सरकार के इस फैसले से सीमांत इलाके में जहां पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ, बदलते मौसम और लद्दाख जैसा अनुभव लेने का मौका मिलेगा, वहीं स्थानीय लोगों को पर्यटन को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। अब तक सीमित समय के लिए खुलने वाली यह घाटी अब हर मौसम में पर्यटकों को प्रकृति की अलौकिक अनुभव उपलब्ध कराएगी। यहां आने वाले पर्यटक मौसम के बदलते हर पल के साथ सर्दियों में बर्फीले नजारों का आनंद ले सकेंगे। भारत-चीन सीमा के पास स्थित यह घाटी पर्यटकों को अपनी अनोखी प्राकृतिक खूबसूरती और शांत वातावरण का अनुभव कराएगी। अनौखी भौगोलिक संरचना के कारण यह जगह एडवेंचर और फोटोग्राफी के शौकीनों के बीच खास आकर्षण का केंद्र रहेगी। सालभर खुलने से अब यहां पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है।

कार्रवाई जज पर एडिशनल सेशन जज के घर चोरी के आरोप

पटियाला में सिविल जज के खिलाफ सात महीने बाद एफआईआर दर्ज

गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट ने बेल रिजेक्ट की

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

पंजाब के पटियाला में सिविल जज पर एडिशनल सेशन जज के घर में चोरी करने के आरोप लगे हैं। सिविल जज के खिलाफ घटना के सात महीने बाद 21 मार्च को FIR दर्ज की गई।

गिरफ्तारी से बचने के लिए सिविल जज द्वारा लगाई गई बेल भी कोर्ट ने रद्द कर दी। एडिशनल सेशन जज हरिंदर सिद्धू ने आरोपों को गंभीर मानते हुए सिविल जज की बेल को रिजेक्ट कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि एक मृतक सहकर्मी के आवास से संदिग्ध परिस्थितियों में भारी मात्रा में सोना और अभूषण निकालना गंभीर आरोप है।

पटियाला के एडिशनल सेशन जज कंवलजीत सिंह की एक अगस्त 2025 को अस्पताल में मौत हो गई थी। सिविल जज विक्रमदीप और अन्य लोगों पर आरोप है कि उसी दिन रात को उन्होंने एडिशनल सेशन जज के घर से सोना व आभूषण चोरी किए।

शिकायत में लगाए गए ये आरोप

सिविल जज व उसके सहयोगियों के खिलाफ मृतक एडिशनल सेशन जज के दोस्त व पंजाब यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ भूपिंदर सिंह विर्क की शिकायत पर 21 मार्च को एफआईआर दर्ज हुई। उनके बेटे ने इस केस को प्रोसीड करने के लिए डॉ भूपिंदर सिंह विर्क को पावर ऑफ अटॉर्नी दी है। एफआईआर के अनुसार, 1 अगस्त 2025 को जब कंवलजीत सिंह का अमर अस्पताल पटियाला में निधन हो गया, उसी रात लगभग 8:46 बजे बिक्रमदीप सिंह ने मृतक के घर नंबर 74सी, विकास कॉलोनी, पटियाला में साजिश रचकर घुसपैठ की। उनके साथ घरेलू नौकरानी अमरजोत कौर उर्फ पिंकी, गौरव गोयल (पूर्व सहयोगी) और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल थे। सीसीटीवी फुटेज में तीनों को घर में घुसते, सामान की तलाशी लेते और बॉक्स-बैग में पैतृक सोना, आभूषण तथा नकदी लेकर निकलते दिखाया गया है। शिकायतकर्ता डॉ. भूपिंदर सिंह विर्क ने आरोप लगाया कि यह चोरी बिना किसी कानूनी अधिकार के और बेईमानी के इरादे से की गई। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) और 305 के तहत दर्ज है। अदालत ने जांच रिकॉर्ड, फुटेज, व्हाट्सएप चैट और दोनों पुत्रों के बयान देखने के बाद याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आरोप गंभीर हैं। न्यायिक अधिकारी पर सहकर्मी जज के घर से चोरी का आरोप है, जो न्यायपालिका की छवि को प्रभावित करता है।

10 क्विंटल वजनी हवाई बम के स्वदेशी डिजाइन की प्रक्रिया शुरू

पहले चरण में छह सक्रिय और निष्क्रिय का डिजाइन और विकास शामिल

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए एमके-84 के समान 1000 किलोग्राम वजनी हवाई बम के स्वदेशी डिजाइन और विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में भारत की 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देना है। वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस परियोजना के दो चरण होंगे। पहले चरण में छह प्रोटोटाइप (सक्रिय और निष्क्रिय) का डिजाइन और विकास शामिल है, जिसमें संबंधित टेल यूनिट और उपकरण भी शामिल हैं। दूसरा चरण खरीद का है, जो योग्य विकास एजेंसियों को प्रस्ताव के लिए वाणिज्यिक अनुरोध (आरएफपी) जारी करने के साथ शुरू होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह प्रणाली भारतीय वायुसेना द्वारा वर्तमान में संचालित रूसी और पश्चिमी मूल के विमानों (दोनों के साथ) सुसंगत होने के लिए बनाई गई है। अधिकारी ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 के प्रावधानों के तहत 1,000 किलोग्राम के हवाई बम (एमके-84 के समान) के डिजाइन, विकास और खरीद के लिए टेल यूनिट और संबंधित उपकरणों के साथ अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की है।

देश के एक केंद्र शासित राज्य समेत कुल पांच राज्यों में जल्द विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध भी जारी है, जिसके चलते देश में ऊर्जा संकट की संभावना को लेकर विपक्ष भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने में जुटा है। हालांकि इन राज्यों में स्थानीय मुद्दे भी हैं, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर एसआईआर, चुनाव आयोग के मामले भी गर्म हैं। उधर, राजग खासतौर पर प. बंगाल में घुसपैठ और अल्पसंख्यकों की अनदेखी जैसे मुद्दों को लेकर बाजी पलटने के मुड में है। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल की सत्ता में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

क्या राजनीतिक सरप्राइज देंगे चुनावी नतीजे

विश्लेषण

अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की। बिहार पिछले वर्ष का अंतिम चुनाव था, जिसमें भाजपा जद यू और अन्य दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने ऐसी विजय प्राप्त की, जिसकी कल्पना उसके घोर समर्थक भी नहीं कर रहे थे। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने ऐसा माहौल बनाया था कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राजग के राष्ट्रीय और राज्यों की राजनीति में प्रभावी रहने के दिन गिने-चुने बचे हैं।

विपक्ष के खेमे में घोर हताशा

प्रांतीय चुनावों ने इस सोच को 360 डिग्री मोड़ दिया। विपक्ष के खेमे में घोर हताशा है जबकि भाजपा और राजग के अंदर उत्साह और उम्मीद चरम पर है। इस चुनाव में विपक्ष सफलता प्राप्त करेगा तो देश में मनोवैज्ञानिक रूप से वातावरण बनाने की कोशिश करेगा। क्या भाजपा का प्रदर्शन इन पांचों राज्यों में पिछले विधानसभा चुनाव की तरह ही अपेक्षित है? इसका सीधा उत्तर है, नहीं। तो फिर? इन पांच राज्यों में असम में पिछले 10 वर्षों से उसकी सरकार है और पुडुचेरी जैसे छोटे स्थान में भाजपा सरकार में शामिल है। तमिलनाडु में तो वह एक छोटी पार्टी के रूप में लड़ रही है। केरल में किसी को उम्मीद नहीं है कि भाजपा सत्ता में आ सकती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने जबरदस्त उपस्थिति 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव से दिखाई है और विधानसभा में पिछली बार उसने 77 सीटें जीती। भाजपा के पक्ष और विपक्ष में वातावरण के मूल्यांकन की एकमात्र कसौटी असम में उसका प्रदर्शन होगा। इसके अलावा उसने अगर पिछले चुनाव से बेहतर किया तो फिर इसका निष्कर्ष राष्ट्रीय राजनीति में क्या होगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं।

युद्ध से संकट का असर

इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध चल रहा है। इसका प्रभाव हमारे देश में भी है। यद्यपि पेट्रोल-डीजल, पीएनजी-सीएनजी की अभी तक देश में कमी नहीं है, किंतु विरोधियों ने लगातार ऐसा वातावरण बनाया है, जैसे देश मोदी सरकार की नीतियों के कारण संकट में फंस गया है।

यह सभी राज्यों में विपक्ष की ओर से एक बड़ा मुद्दा बनाया जा चुका है। हालांकि अफवाह नहीं हो तो देशव्यापी ऐसी शिकायत नहीं कि किसी की गाड़ी में पेट्रोल डीजल नहीं मिला या कहीं पीएनजी, सीएनजी की आपूर्ति में कमी है। एलपीजी की समस्या है, लेकिन अभी ऐसी स्थिति नहीं आई जिसमें किसी को अपने घर में खाना बनाने में समस्या हो। अब चूंकि विपक्ष ने एक बड़ा मुद्दा बनाया है, वातावरण बना हुआ है तो यह नहीं कह सकते कि चुनाव इससे प्रभावित बिल्कुल नहीं होगा। दूसरे, यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमन के विरुद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने की कोशिश हुई और इसका भी असर है।

चुनाव आयोग व एसआईआर

कोई पार्टी इसके विरोध में नहीं है, कांग्रेस ने इसका समर्थन कर दिया, बावजूद सबकी कोशिश है कि वातावरण बना रहे और हम इसके समर्थन या विरोध में न बोलें ताकि इससे भाजपा और उसके सहयोगियों को क्षति हो। इसके विरोधी दूसरे राज्यों में जाकर भी भाजपा के विरुद्ध सभाएं कर रहे हैं या यह कह सकते हैं कि विरोधी दलों द्वारा उन्हें प्रायोजित किया गया है। तीसरा मुद्दा चुनाव आयोग और एसआईआर है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस इन दोनों ने इसे चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। हालांकि बिहार में इसका कोई असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल का मामला अलग है। सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय दे चुका है। मालदा में एसआईआर के काम करने वाले न्यायिक अधिकारियों को रातभर बंद करने का संज्ञान लेने के बावजूद वहां तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने चुनाव आयोग और एसआईआर के विरोध में ऐसा वातावरण बना दिया है, जिसमें उन्हें अपेक्षित सहयोग और अनुकूल वातावरण नहीं मिला। बंगाल में अगर भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तथा अन्य विपक्षी दल हमलावर होकर बोलेंगे कि चुनाव आयोग और एसआईआर के बावजूद लोगों ने इन्हें निकाल दिया। अब इन्हें इस प्रक्रिया को वापस लेनी चाहिए।

अगर भाजपा ने बढ़िया प्रदर्शन कर दिया तो यही कहा जाएगा कि एसआईआर के कारण मतदाताओं के नाम कटवा कर जीती है और चुनाव आयोग की इसमें भूमिका है। लोकसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव भेजा हुआ है। दोनों परिस्थितियों में विपक्ष चुनाव के बाद एसआईआर और चुनाव आयोग के विरुद्ध अभियान चलाएगा। वैसे अभी तक की गणना में सबसे ज्यादा नाम तमिलनाडु में कटे हैं। वहां भी मुद्दा है पर पश्चिम बंगाल की तरह नहीं। चौथा, इस बार हर राज्य में हिंदुत्व और मुस्लिम कट्टरवाद मुद्दा है।

घुसपैठ बना बड़ा मुद्दा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी समारोह के मार्च लगातार रोकने की कोशिश हुई। बंगाल और असम दोनों जगह घुसपैठ को भाजपा ने सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। बंगाल में ही तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रख दी । तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय के आने से मामला त्रिकोणीय हुआ है। अगर वहां विजयकांत अच्छा करते हैं तो भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में उसका महत्व बढ़ेगा। इस तरह पांच राज्यों में चुनाव राष्ट्रीय राजनीति में मुद्दे, पक्ष-विपक्ष के बीच संबंध, आंशिक रूप से राजनीतिक समीकरण तथा हिंदुत्व सनातन की दृष्टि से स्पष्ट दिशा देने वाला हो सकता है।

केरल चुनाव : स्थानीय मुद्दे बाजी न पलट दें

समीकरण

योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

केरल राज्य के 1957 में गठन के बाद से मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही हैं जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नहीं रहा। 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी?

विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशकभर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो उनके खेमें में 140 में से 99 सीटें आई थी, जिसको मजबूत स्थिति माना गया था। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी, जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में सार्थक हो पाती है? मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्य में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है।

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं।

इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। वहीं, इसके इसके विपरीत कांग्रेस सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है जिसके अहम मुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बड़े स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है, जिससे युवा बेरोजगार हैं। युवाओं का राज्य से पलायन लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रूप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है। इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंट एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था। वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बर्बादी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वायनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालत में खाली पड़े हैं, चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जिस बारे में कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिली, इससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है। इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं, जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं। इसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें तो केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं। वहीं लड़कों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नहीं है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं।

कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नहीं समाया हुआ, जिससे वह स्थानीय जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। चूंकि कई बार बड़े मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपने किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुनः अपने आप को स्थापित करती है।

तमिल चुनाव में देखने को मिलेगा विजय का प्रभाव

त्रिकोणीय

योगेंद्र माथुर
स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के चुनाव के महासमर में सीटों के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदाता अपना मत डालेंगे। राज्य में कुल 234 सीटों पर चुनाव होना है और सभी पार्टियां अपनी कमर कस कर मैदान में आ जुटी हैं। तमिलनाडु एक समृद्ध व प्रगतिशील राज्य है और यहां के मतदाता अन्य चार राज्यों की अपेक्षा अधिक शिक्षित व बुद्धजीवी माने जाते हैं। यहां सामान्यतः शांतिपूर्ण चुनाव होते रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति परम्परागत रूप से क्षेत्रीय दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। मुख्यतः यहां द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच मुख्य मुकाबला होता रहा है। इस बार अभिनेता से राजनेता बने विजय ने चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। राज्य की राजनीति में विजय के तेजी से उभार व उनके नई पार्टी के साथ मैदान में उतरने से यहां का चुनाव अधिक दिलचस्प हो गया है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) राज्य की सभी 234 सीटों पर चुनाव चुनाव मैदान में उतरी है। दूसरी ओर, गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची आने के बाद भी यहां का राजनीतिक परिदृश्य काफी बदला हुआ नजर आने की संभावना है। एसआईआर में तमिलनाडु में सबसे अधिक नाम कटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य में कुल 6.6 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। पुनरीक्षण में 74 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटने के बाद अब 5.7 करोड़ मतदाता इस चुनाव में अपने मत का उपयोग कर सकेंगे। मतदाताओं की संख्या के इस बदलाव का प्रभाव राज्य की विधानसभा सीटों के समीकरण पर भी देखने को मिल सकता है। राजनीतिक दलों को समीकरण बदलाव की इन संभावनाओं के दृष्टिगत अपनी रणनीति तय करनी होगी। वर्तमान में राज्य में एमके स्टालिन के नेतृत्व में 8 पार्टियों के द्रमुक गठबंधन की सरकार सत्ता में है। परंपरागत रूप से उसका मुकाबला अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी अन्नाद्रमुक से ही है, लेकिन अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के मैदान में आने से मुकाबला रोचक बन गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन को कुल 159 सीटें मिली थीं और अन्नाद्रमुक गठबंधन को 75 सीटों के साथ विपक्ष में बैठना पड़ा था। इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है। अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम को तोड़कर द्रमुक में शामिल करने के बाद एम के स्टालिन का उत्साह बढ़ा हुआ नजर आ रहा है और वे सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि 1971 के बाद से द्रमुक की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं हुई है। मुकाबले में अन्नाद्रमुक अपेक्षाकृत कमजोर दिख रही है। पार्टी प्रमुख जयललिता के निधन के बाद पार्टी में बिखराव व असंतोष की लहर पार्टी के चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है। पार्टी के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम के द्रमुक में जाने के बाद जयललिता की सहयोगी रहीं शशिकला के अलग पार्टी बना लेने से अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता ई.पलानीस्वामी के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं। इस चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में भाजपा प्रमुख पार्टी है, जो विगत लंबे अरसे से दक्षिण में पैठ बनाने की जद्दोजहद कर रही है, लेकिन उसका अपेक्षित जनाधार बढ़ता दिख नहीं रहा है। 2001 में भाजपा ने करुणानिधि के नेतृत्व में द्रमुक के साथ राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ा था और 4 सीटें जीते थीं। विगत 2021 के चुनाव में भी भाजपा 4 सीटों पर ही सीमित रही। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसका अप्रत्यक्ष लाभ जरूर अन्नाद्रमुक गठबंधन को मिल सकता है। ऐसे में विजय की पार्टी के प्रदर्शन पर राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान केंद्रित हो गया है। आरंभिक ओपिनियन पोल के नतीजों को मानें तो टीवीके का प्रभाव राज्य के दक्षिणी भाग में अधिक देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर युवाओं में भी विजय खासा प्रभाव डालने में सफल होते दिख रहे हैं। चुनावी विश्लेषकों के एक वर्ग के अनुसार विजय की पार्टी सत्ता विरोधी मतों का विभाजन कर अन्नाद्रमुक को नुकसान पहुंचाएगी। वहीं, एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि विजय के ईसाई समुदाय का होने से स्टालिन की परेशानियां बढ़ेंगी। बहरहाल चुनाव के नतीजे कुछ भी रहें, सरकार में विजय की पार्टी का हस्तक्षेप व प्रभाव बढ़ना तय है।

इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है।

द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में भाजपा की सेंध पर संशय

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में बीजेपी 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में बीजेपी का कद बढ़ा है, लेकिन क्या द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में सेंध लगा पाएगी 'भगवा' ब्रिगेड? सबसे बड़ा सवाल यही है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। लगभग छह करोड़ वोटर नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। 21 राजनीतिक पार्टियों ने करीब 2,200 उम्मीदवार उतारे हैं। कई तरह के समीकरण, नया जनादेश और नए चेहरे पांच मई से अगले पांच साल के लिए विधायक बनेंगे। पिछले 70 साल से राज्य में बारी-बारी से डीएमके या एआईएडीएमके की सरकार बनती रही है। अबकि पहली बार डीएमके 234 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके ने 167 उम्मीदवार उतारे हैं। क्या यह सहयोगियों को ज्यादा सीट देने का संकेत है, या फिर उनके प्रभाव में कमजोरी दिखाता है? दोनों द्रविड़ पार्टियों के गठबंधन में एक-एक राष्ट्रीय पार्टी शामिल है। दोनों ने अपनी नजर में 'कमजोर' सीटें सहयोगियों को दी हैं-डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें दी हैं, जबकि एआईएडीएमके ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। इससे भी त्रिशंकु विधानसभा की संभावना का संकेत मिलता है। बहरहाल, राज्य में बीजेपी के लिए चुनौती अलग तरह है। यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क है। हालांकि पार्टी धीरे-धीरे अपने आधार को बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी ने आक्रामक रणनीति अपनाई है। उनकी 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा ने बीजेपी को गांव-गांव तक पहुंचाया। 2024 लोकसभा चुनाव में सीट नहीं जीत पाने के बावजूद

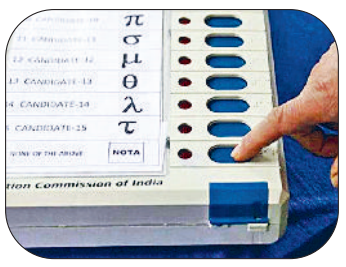

यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क माना जा रहा है।

बीजेपी का वोट शेयर 11.2 फीसदी तक पहुंच गया, जो पहले 2.6 फीसदी था। अब 2026 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन कर बीजेपी खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहती है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और चार पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार पार्टी 27 सीटों पर अपना पूरा दम दिखाने को तैयार है। यहां बीजेपी का प्रदर्शन दक्षिण भारतीय राज्यों में उसकी नई तस्वीर पेश कर सकती है। पिछले दो चुनावों के आंकड़े देखें तो बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए और डीएमके नेतृत्व सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस के बीच पांच से छह फीसदी वोटों का अंतर रहा। अब एनडीए नए-नए जाति समूहों और संगठनों को पाले में लाकर वोटों के इस अंतर को खत्म करने में जुटा है। राज्य की राजनीति में वन्नियार, थेवर, दलित और ओबीसी समुदायों का बड़ा प्रभाव है। बीजेपी इन समुदायों के बीच पैठ बनाने के लिए सामाजिक अभियानों, स्थानीय नेताओं को आगे लाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर जोर दे रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एआइएडीएमके से गठबंधन टूट जाने पर अकेले लड़ने वाली बीजेपी 18.28 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही। बीजेपी को 79 लाख से ज्यादा वोट मिले। इससे पूर्व 2021 के विधानसभा चुनाव में कुल 234 सीटों में से सत्ताधारी डीएमके गठबंधन को 159 सीटें तो भाजपा-एआइएडीएमके को 75 सीटें मिलीं थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर बीजेपी और एआईएडीएमके का वोट शेयर मिला दें तो 41.33 फीसदी वोट होता है, जबकि सत्ताधारी डीएमके नेतृत्व इंडिया गठबंधन सिर्फ पांच फीसदी अधिक 46.97 फीसदी वोट हासिल कर सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रहा था। रणनीतिकारों का मानना है कि अगर 2024 का लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने मिलकर लड़ा होता तो 12 सीटों पर संभावनाएं बन सकती थीं। एआईएडीएमके को 23 फीसदी और बीजेपी को 18 फीसदी वोट मिले थे। कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है, जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

तृणमूल संग सीधी स्पर्धा में भाजपा का पलड़ा भारी

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आजकल बड़ा मुद्दा यही है कि क्या ममता का दुर्ग दरक रहा है? राज्य की राजनीतिक स्थिति वर्तमान में एक ऐसे मोड़ पर है, जहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बौखलाहट केवल राजनीति से प्रेरित बयानबाजी नहीं, बल्कि गहरे जमीनी बदलावों का संकेत दे रही है। 2011 में परिवर्तन का नारा देकर वामपंथ के अभेद्य किले को ढहाने वाली ममता आज स्वयं वैसी ही घेराबंदी का सामना कर रही हैं, जैसी उन्होंने कभी बुद्धदेव भट्टाचार्य के विरुद्ध की थी।

यदि 2016 से लेकर 2021 तक के चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण करें तो तृणमूल के प्रति मूल बंगालियों में अविश्वास उत्पन्न हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से बंगाल के चुनावी परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। जहां पहले स्पर्द्धा वामपंथ और तृणमूल के बीच थी, वहां अब वामपंथ का स्थान भाजपा ने ले लिया है। आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 44.91 प्रतिशत मतों के साथ 211 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा मात्र 10.16 प्रतिशत वोट और 3 सीटों पर सिमट गई थी। उस समय वाम मोर्चा और कांग्रेस के गठबंधन को लगभग 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव तक आते-आते स्थिति पूरी तरह बदल गई। तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 215 सीटें हासिल कीं, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत 10 से बढ़कर सीधे 38.13 प्रतिशत पर पहुंच गया और उसकी सीटों की संख्या 3 से बढ़कर 77 हो गई। आश्चर्य ये रहा कि वाम मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन मात्र 10 प्रतिशत मतों और 1 सीट पर सिमट कर रह गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा अब राज्य में कोई अस्थायी लहर नहीं बल्कि एक स्थायी और शक्तिशाली विपक्ष बन चुकी है। बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। राज्य की लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है। हालांकि, निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे कड़े मतदाता पुनरीक्षण ने तृणमूल की रणनीतियों को प्रभावित किया

बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है।

है। निर्वाचन सूचियों से फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों का हटना ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों जैसे उत्तर और दक्षिण 24 परगना, मालदा और मुर्शिदाबाद में यदि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम सूचियों से हटते हैं, तो इसका सीधा असर तृणमूल के सुरक्षित वोट बैंक पर पड़ेगा। हाल के वर्षों में भारतीय सेक्युलर फ्रंट के उभार और मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ते असंतोष ने यह संकेत दिया है कि यह वोट बैंक अब विभाजित हो सकता है। यदि मुस्लिम मतों में 5 से 7 प्रतिशत की भी गिरावट आती है, तो दर्जनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को सीधा लाभ मिल सकता है। 2021 के चुनावों में ऐसी लगभग 50 सीटें थीं, जहां जीत का अंतर बेहद कम था। वहां मतदाता सूची की शुद्धता भाजपा के पक्ष में फलीभूत हो सकती है। ममता की बौखलाहट के पीछे अनेक कारण हैं। मुख्यमंत्री की हालिया आक्रामक बयानबाजी उनके राजनीतिक आधार के खिसकने की घबराहट को दर्शाती है। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन घोटाला और संदेश खाली जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। साथ ही, आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने ममता के सबसे मजबूत वोट बैंक यानी महिला मतदाताओं के बीच एक अविश्वास पैदा किया है। प्रशासनिक पकड़ का ढीला होना और स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर का प्रबल होना तृणमूल के लिए खतरे की घंटी है। आगामी चुनाव में बहुसंख्यक हिंदुओं तथा मूल बंगालियों की पहली पसंद भाजपा ही होगी, इसमें संदेह नहीं है, किंतु सत्तारूढ़ होने की स्थिति में भाजपा को इस सीमावर्ती प्रांत में एक सशक्त, दृढ़निश्चयी तथा कठोर निर्णय लेने वाला नेता बैठाना होगा। बंगाल में भाजपा के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, लेकिन इसके लिए पार्टी को एक सशक्त और निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन एआईएनआरसी के साथ शासन में भागीदार है। शेष तीन राज्यों क्रमशः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में विपक्ष की सरकारें हैं। बंगाल तो भाजपा के लिए अनुकूल प्रतीत होता है, किंतु तमिलनाडु और केरल में स्थितियां अभी भी प्रतिकूल ही हैं।

फिटनेस का फितूर, खिलाड़ियों की सेहत बिगाड़ रहे सप्लीमेंट

नकली प्रोडक्ट व स्टेरॉयड से लिवर, किडनी हो रहे खराब

तेज रिजल्ट पाने की होड़ में कर रहे शरीर खराब

एथलीट्स को करियर से लेकर जान जाने तक का खतरा

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

आज के दौर में खिलाड़ियों और युवाओं में फिटनेस और बॉडी बिल्डिंग का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। जिम और खेल के मैदान में पसीना बहाने के साथ अब सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल भी आम हो गया है। तेज रिजल्ट पाने की होड़ में एथलीट्स और युवा बिना पूरी जानकारी और डॉक्टरी सलाह के सप्लीमेंट लेने लगे हैं। जो उनकी सेहत पर भारी पड़ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अनियंत्रित और गलत सप्लीमेंट्स का सेवन न सिर्फ प्रदर्शन को प्रभावित करता है, बल्कि लिवर और किडनी जैसे अहम अंगों को स्थायी नुकसान भी पहुंचा सकता है। हार्मोनल सिस्टम पर भी इनका सीधा असर पड़ रहा है। इसके कारण खिलाड़ियों पर करियर से लेकर जान जाने तक का खतरा बढ़ रहा है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि नकली प्रोडक्ट और स्टेरॉयड खिलाड़ियों के लिए कितने खतरनाक हैं।

संडे स्पेशल

डोपिंग समेत ये खतरे

- कई सप्लीमेंट में छिपे होते हैं प्रतिबंधित तत्व
- पहली दो उंगलियों का उपयोग करें।
- खिलाड़ियों पर लग सकता है बैन
- फैट बर्नर और हर्बल प्रोडक्ट से बढ़ता लिवर रिस्क
- लंबे समय तक हाई डोज से किडनी प्रभावित
- संतुलन ही फिटनेस की कुंजी

यह भी रखें ध्यान

- असली और प्रमाणित प्रोटीन सुरक्षित
- वह किडनी या लीवर को नुकसान नहीं पहुंचाता
- स्टेरॉयड और मिलावटी प्रोडक्ट सबसे बड़ा खतरा
- जल्दी रिजल्ट की चाह बनती है नुकसान की वजह

ऐसे करें पहचान

- हमेशा एफएसएसएआई प्रमाणित प्रोडक्ट लें
- खरीदते समय जीएसटी बिल जरूर लें
- बिना बिल मतलब नकली का खतरा
- रिकवरी और नींद जरूरी
- जिंक, मैग्नीशियम, विटामिन कॉम्बिनेशन फायदेमंद
- वर्कआउट के तनाव के कारण नींद आने में समस्या हो, तो रात को सोने से पहले मैग्नीशियम की टैबलेट लेने से नींद बेहतर होगी
- मसल रिकवरी के लिए जरूरी आराम

फिटनेस का गणित

- 80 किलो वजन = 160 ग्राम प्रोटीन जरूरी
- वेट गेन के लिए +100 कैलोरी अतिरिक्त
- शरीर के अनुसार डाइट प्लान जरूरी

बॉडी बिल्डिंग ट्रेंड के बीच बिना जानकारी ऐसे प्रोडक्ट न लें

जिम कल्चर के साथ सप्लीमेंट्स का बढ़ा चलन खतरनाक

हार्मोनल सिस्टम पर सीधा असर, महिला खिलाड़ियों को ज्यादा दिक्कत

सप्लीमेंट नहीं, संतुलित भोजन ही असली ताकत

सप्लीमेंट्स कभी भी प्राकृतिक भोजन का विकल्प नहीं हो सकते। शरीर को सही पोषण संतुलित आहार (होल फूड्स) से ही मिलता है, क्योंकि इसका अवशोषण बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि सप्लीमेंट सिर्फ सहायक हो सकते हैं विकल्प नहीं। गलत या मिलावटी सप्लीमेंट्स लेने से हार्मोनल असंतुलन, पेट फूलना, एसिडिटी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो जाती हैं।

-डॉ. शिल्पा आर्या, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट

सप्लीमेंट्स कभी भी प्राकृतिक भोजन का विकल्प नहीं

धावकों (एथलीट्स) को स्टेमिना के लिए कार्ब्स और प्रोटीन के संतुलन पर ध्यान देना चाहिए, जबकि पहलवानों (कुश्ती) को भारी ताकत के लिए हाई प्रोटीन और हाई कार्ब्स डाइट की आवश्यकता होती है। प्री-वर्कआउट सप्लीमेंट (जिसमें कैफीन अधिक होता है) और सोने के समय के बीच कम से कम 6 घंटे का अंतर होना चाहिए, ताकि नींद की गुणवत्ता प्रभावित न हो।

-सुमित, फिटनेस ट्रेनर

खबर संक्षेप

प्रणवी और अवनी ने कट में बनाई जगह

लास वेगास। भारत की शीर्ष खिलाड़ी अदिति अशोक ने अरामको गोल्फ चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि प्रणवी उर्स और अवनी प्रशांत ने भी कट में जगह बनाई। हीरो महिला इंडियन ओपन सहित पांच बार की एलईटी विजेता अदिति ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष 15 में जगह बनाई। पहले दौर में उन्होंने 73 का स्कोर बनाया था। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय खिलाड़ी प्रणवी (76-75) और अवनी (75-76) हैं। यह दोनों सात ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 59वें स्थान पर हैं।

इंटरनेशनल सीरीज : कोचर शीर्ष पांच में बरकरार

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला, जिससे वह खिसककर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए। पहले दो दिन कोचर ने बोगी मुक्त 67 और 65 के कार्ड खेले थे। तीसरे दिन हवा भरे दिन में वह पांच बोगी कर बैठे और तीन बर्डी ही लगा सके। अब वह आठ अंडर के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं जबकि दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए थे।

पंकज आडवाणी, चित्रा मागिमेइराज को खिताब

लुधियाना (भाषा)। अनुभवी पंकज आडवाणी ने जुझारू पुष्पेंदर सिंह को हराकर पहली बार राष्ट्रीय पूल चैम्पियनशिप खेलते हुए खिताब अपने नाम किया। पीएसपीबी के आडवाणी ने दस गेंद की पूल स्पर्धा के पुरूष फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आरएसपीबी के पुष्पेंदर को 11 . 9 से हराया । इसके बाद बेंगलुरू की चित्रा मागिमेइराज ने तमिलनाडु की नीना प्रवीण को 6.4 से हराकर महिला फाइनल जीता।

आईपीएल : रिजवी ने सिर्फ 51 गेंदों में बनाए 90 रन

दिल्ली की लगातार दूसरी जीत, रिजवी के तूफान के आगे मुंबई इंडियंस पस्त

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

मुकेश कुमार और कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद समीर रिजवी (90) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को यहां मुंबई इंडियंस को 11 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस को छह विकेट पर 162 रन पर रोकने के बाद दिल्ली ने 18.1 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर हासिल कर लिया। पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन की पारी खेलने वाले रिजवी जब क्रीज पर आए, तब दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर सात रन था। उन्होंने 51 गेंदों में सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन की पारी खेलने के अलावा पाथुम निसांका (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन और चौथे विकेट के लिए डेविड मिलर (नाबाद 21) के साथ 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत दिलाई। मुंबई के लिए दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के अस्वस्थ होने के कारण टीम का नेतृत्व कर रहे सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। उन्होंने रोहित शर्मा (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 और नमन धीर (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 रन की अहम साझेदारी की। रोहित ने 26 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया, तो वहीं नमन ने 21 गेंदों की पारी में दो चौके और एक छक्का जड़ा। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने तीन ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्हें अक्षर (22 रन पर एक विकेट), लुंगी एनगिडी (34 रन पर एक विकेट), विपराज निगम (24 रन पर एक विकेट) और टी. नटराजन (24 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। केएल राहुल (एक) पहले ओवर में ही दीपक चाहर की लेग स्टंप से बाहर जाती गेंद को ग्लांस करने की कोशिश में विकेटकीपर रिकेल्टन को कैच दे बैठे, तो वहीं अगले ओवर में नीतिश राणा खाता खोले बगैर जसप्रीत बुमराह के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। चाहर इस बीच अपनी ही गेंद पर निसांका के करारे प्रहार को लपकने में नाकाम रहे और श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने जीवनदान का जश्न अगले ओवर में सैंटनर के खिलाफ दो चौकों के साथ मनाया।

मुंबई को 11 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया

आर्चर-देशपांडे के बेहतरीन आखिरी दो ओवरों से राजस्थान की गुजरात पर रोमांचक जीत

अहमदाबाद (भाषा)। तुषार देशपांडे के सटीक आखिरी ओवर की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के बेहद रोमांचक मुकाबले में शनिवार को गुजरात टाइटंस को छह रन से हरा दिया। रॉयल्स की यह लगातार दूसरी जीत और गुजरात की लगातार दूसरी हार थी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल्स ने ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल के अर्धशतकों के दम पर छह विकेट पर 210 रन बनाये थे लेकिन साइ सुदर्शन की 73 रन की पारी के बावजूद गुजरात की टीम आठ विकेट पर 204 रन ही बना सकी। एक समय सात विकेट 161 रन पर गिर गए थे लेकिन कैगिसो रबाडा (नाबाद 23) और कार्यवाहक कप्तान राशिद खान (24) टीम को जीत के करीब ले गए और आखिरी ओवर में दस रन की ही जरूरत थी। ऐसे में रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने नांद्रे बर्गर की बजाय देशपांडे को गेंद सौंपकर सभी को चौंका दिया। गेंदबाज ने हालांकि अपने कप्तान के भरोसे पर खरे उतरते हुए पहली वाइड गेंद के अलावा सभी सटीक गेंदें डाली। इस ओवर में चार रन ही बन सके और छक्का लगाने के प्रयास में राशिद सीमारेखा के पास जोफ्रा आर्चर को कैच दे बैठे। इससे पहले आर्चर ने 19वें ओवर में सिर्फ चार रन ही दिये थे।

जुरेल ने 42 गेंद में 75 रन की शानदार पारी खेली

कुमार कुशाग्र ने 14 गेंद में 18 रन बनाये। उन्होंने सुदर्शन (44 गेंद में 73 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 78 रन जोड़े। सुदर्शन ने अपनी पारी में तीन छक्के और नौ चौके लगाये। गुजरात का स्कोर सुदर्शन के आउट होने से पहले एक विकेट पर 107 रन था लेकिन अचानक पांच विकेट पर 133 रन और सात विकेट पर 161 रन हो गया। राशिद और रबाडा ने हालांकि वापसी की कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर में बाजी पलट गई। इससे पहले जुरेल के 42 गेंद में 75 रन और जायसवाल के अर्धशतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने छह विकेट पर 210 रन बनाये। जायसवाल ने 36 गेंद में 55 रन बनाये जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 18 गेंद में 31 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिये सिर्फ 6 . 2 ओवर में 70 रन बना डाले।

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों की परीक्षा आज

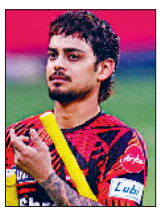

हैदराबाद। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आईपीएल में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था, जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं।

दूसरी जीत की तलाश में आरसीबी सीएसके के लिए बॉलिंग चुनौती

बेंगलुरु। अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है। आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है।

एशियन बॉक्सिंग प्रतियोगिता

विश्वनाथ सुरेश, सचिन, अंकुशिता और नरेंद्र ने पदक पक्का किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

एशियन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शनिवार को हुए मुकाबालों में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता मंगोलिया में आयोजित की जा रही है। विश्वनाथ सुरेश ने कजाकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन और विश्व नंबर 1 संझार ताशकेनबे को 5-0 से करारी शिकस्त देकर उलानबटार में आयोजित एशियन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, सचिन ने अपने भार वर्ग में बीटी चेंग वेई ली को 5-0 से हराकर मेडल पक्का किया। महिलाओं के 65 किलोग्राम वर्ग में अंकुशिता बोरो ने कजाकिस्तान की लौरा येसेनकेल्डी पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की और संयम और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला सेमीफाइनल में चीन की ताइपे की निएन-चिन चेन से होगा, जो 2025 विश्व मुक्केबाजी फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता और पेरिस 2024 ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हैं।

विश्वनाथ सुरेश

सचिन

अंकुशिता

नरेन्द्र

पुरुषों के वर्ग में नरेंद्र ने यूएई के ओरखान अघायेव पर 5-0 से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया और अपनी लय बरकरार रखी। अब उनका अगला मुकाबला चीन के बायिकेवुजी दानाबिएके से होगा, जो 2022 एशियाई खेलों और 2025 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता रह चुके हैं। हरियाणा बॉक्सिंग संघ अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है।

पंजाब के कप्तान अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पिछली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के अनुसार, 'पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।'

क्ले कोर्ट चैंपियनशिप

अगस्टिन ने शेल्टन पर की जोरदार जीत हासिल

एजेंसी ▶▶ ह्यूस्टन

अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने ह्यूस्टन में यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में टॉप सीड बेन शेल्टन को हरा दिया। थियागो ने पहले सेट में हारने के बाद शेल्टन पर जीत दर्ज की। टिरांटे ने पहला सेट 7-6 (5) से हारने के बाद जोरदार वापसी की और मैच पर नियंत्रण स्थापित किया और अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए।

अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने सर्व में परफेक्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने शांत और अच्छे प्रदर्शन के साथ अपने सभी 16 सर्विस गेम अपने नाम किए। शेल्टन के लिए हार मुश्किल दौर की तरह है। फरवरी में डलास ओपन में टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ टाइटल जीतने के बाद से वह राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। ह्यूस्टन में हुए दूसरे मैचों में, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी सीड लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया, जबकि टॉमी पॉल ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 6-2 से हराकर आगे बढ़े। दूसरी सीड फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया। टियाफो का सामना एक ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल में पॉल से होगा, जबकि बुरुचागा का सामना एक ऑल-अर्जेंटीना मैचअप में टिरांटे से होगा।

भारत ने सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया

18 साल की पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की, जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया।

18 साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की। भारत के लिए अभियान यादगार रहा, जिसमें देश ने पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक जीते।

बैंकॉक पैरा तीरंदाजी में शीर्ष पर भारत

पायल की शीतल पर दूसरी जीत

पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। दुबई 2025 एशियाई युवा पैरा खेलों में पदार्पण करने के बाद पायल अपने दूसरे ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने दबाव के बावजूद जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने से ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी को मात दी। पायल ने एक परफेक्ट '10' के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था। तीसरे दौर में पायल ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा करते हुए दो बार '9' और एक बार '10' का निशाना लगाते हुए 82-80 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आखिरी दौर में दो बार '10' का सटीक निशाना लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रवासी मजदूर की बेटी हैं पायल

शीतल के बचपन के कोच कुलदीप वेदवान से प्रशिक्षण लेने वाली पायल की अब तक की यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं रही है। ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक प्रवासी मजदूर की बेटी पायल ने 2015 में ईंट-भट्ठे पर बिजली के एक नंगे तार के संपर्क में आने के बाद अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए थे। उन्होंने 2023-24 के दौरान कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड खेल परिसर में शीतल के साथ ही ट्रेनिंग की थी। इसके बाद शीतल सोनीपत चली गई थीं। बिना हाथों वाली शीतल भारत की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली पैरा तीरंदाज बन गई हैं। उन्होंने 2022 में एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते और पेरिस 2024 में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतकर भारत की सबसे कम उम्र की पैरालंपिक पदक विजेता बन गईं।

श्रीशंकर ने 8.15 मी की कूद से इंडिया एथलेटिक्स सीरीज में स्वर्ण पदक जीता

बेंगलुरु (भाषा)। इस सत्र में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को यहां शुरू हुई पहली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 8.15 मीटर की कूद लगाकर खिताब अपने नाम किया। एनसीओई त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में यह कूद लगाई। 2024 में घुटने की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले सत्र में 27 वर्षीय इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर था। श्रीशंकर को घुटने की चोट के कारण हुई सर्जरी की वजह से 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए थे। कांतीरवा स्टेडियम में श्रीशंकर मैदान में एकमात्र ऐसे एथलीट थे जिन्होंने आठ मीटर का आंकड़ा पार किया। बिहार के सनी कुमार 7.90 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि कर्नाटक के पुरुषोत्तम 7.87 मीटर से तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में रिलायंस का प्रतिनिधित्व कर रहीं एंसी सोजन ने 6.54 मीटर से पहला स्थान हासिल किया जीता जबकि अंजू बॉबी जॉर्ज स्पोर्ट्स फाउंडेशन की शैली सिंह 6.52 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। रिलायंस की ही मौमिता मंडल ने 6.37 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

होर्मुज की लहरों पर भारत का दबदबा: तनाव के बीच सुरक्षित निकला 44,000 टन एलपीजी वाला टैंकर

ये महज एलपीजी से भरा जहाज नहीं है बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत का जहाज है

- भारत की कूटनीति का कमाल, ईरान ने दिया रास्ता, सुरक्षित घर लौटा भारतीय पोत ग्रीन सान्वी
- समंदर में 'कवच' बनी भारतीय डिप्लोमेसी, युद्ध के साए में भी नहीं रुकेगी आपकी रसोई की गैस
- ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत का मास्टरस्ट्रोक
- ईरान के विदेश मंत्री ने कहा- भारत के लिए हमेशा रास्ता खुला है
- फारस की खाड़ी के इस क्षेत्र में भारत के कुल 17 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कच्चे तेल, गैस और रसायनों से भरे टैंकर शामिल हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के संकट के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारतीय ध्वज वाला विशाल एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी दुनिया के सबसे खतरनाक और संवेदनशील समुद्री मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गया है। जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस रास्ते को सुरक्षित पार करने वाला यह सातवां भारतीय पोत है। इस टैंकर में लगभग 44,000 टन एलपीजी मौजूद है, जो भारत की करीब आधे दिन की गैस खपत के बराबर है। भारत की यह सफलता केवल एक समुद्री यात्रा नहीं, बल्कि उसकी मजबूत डिप्लोमेसी का नतीजा है।

चीन की ओर नहीं मुड़ा ईरान से आ रहा कोई जहाज सरकार ने भुगतान से जुड़ी खबरों को बताया बेबुनियाद

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ईरानी कच्चे तेल की खेप को लेकर फैल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज किया है। मंत्रालय ने दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है कि भुगतान संबंधी दिक्कतों के कारण गुजरात के वडीनार से ईरान का कच्चा तेल चीन की ओर मोड़ा गया। पश्चिम एशिया में सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को सुरक्षित कर लिया है।

अमेरिका का ईरान के बुशहर परमाणु प्लांट पर मिसाइल अटैक, इजराइल-लेबनान में भी धमाके

ईरान में अमेरिकी पायलट के लापता होने के बाद अब अमेरिका ने हमले तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में ईरान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास एक जोरदार धमाका हुआ। सुबह करीब 8:30 बजे गिरे इस रॉकेट की जद में आकर वहां तैनात एक सुरक्षा गार्ड की जान चली गई। राहत की बात यह रही कि परमाणु संयंत्र की मुख्य इमारतों और सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

रडार को चकमा देने वाली मिसाइलों का जखीरा बाकी

टकरा रहा ईरान, 50 प्रतिशत क्षमता खत्म, फिर भी डटा

ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों ने अमेरिका इजराइल समेत खाड़ी देशों की नाक में दम कर रखा है। सच ये है कि ईरान ने आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदलकर रख दी है। ईरान ने दुनिया के सामने युद्ध का एक ऐसा मॉडल रखा है जहां वैश्विक शक्तियों का वर्चस्व खत्म होता है और पारंपरिक सेना की जरूरत खत्म होती है। ईरान की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में थाड और आयरन डोम जैसे मोस्ट एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम भी सौ फीसदी काबिल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में कोई कम शक्तिशाली देश अपनी मिसाइल शक्ति से वैश्विक शक्तियों को घुटने पर लाने की काबिलियत रखता है। ईरान की मिसाइल क्षमता ने देशों के मनोविज्ञान पर असर डाला है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था और सिर्फ अमेरिका ने अभी तक ईरान पर साढ़े 12 हजार से ज्यादा टारगेट पर हमले किए हैं। फिर भी अमेरिका की खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि ईरान की 50 प्रतिशत से ज्यादा मिसाइल क्षमता बनी हुई है।

कमांडो और लड़ाकू हेलिकॉप्टर तैनात

लापता अमेरिकी पायलट के लिए 'रेस अगेंस्ट टाइम एलीट' को भेजा

ईरान के आसमान में शुक्रवार को मार गिराए गए अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान के लापता पायलट को खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच एक खतरनाक चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हो गया है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन को सैन्य विशेषज्ञ रेस अगेंस्ट टाइम (समय के खिलाफ दौड़) करार दे रहे हैं, क्योंकि पायलट की सुरक्षा पर न केवल उसकी जान, बल्कि क्षेत्र के भविष्य का समीकरण भी टिका है। इजराइली रक्षा वेबसाइट वायनेट के अनुसार, अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज अपने अत्याधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और एलीट इकाइयों के साथ दक्षिण-पश्चिमी ईरान के कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं।

खबर संक्षेप

रूस के यूक्रेन पर हमले में 5 की मौत

कीव। रूस द्वारा शुक्रवार रात यूक्रेन पर किए गए ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किए गए हैं। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्किये के अपने समकक्ष रजब तैयब एर्दोआन के साथ वार्ता के लिए इस्तांबुल की यात्रा पर हैं। जेलेंस्की का ईस्टर्न क्रिश्चियन के आध्यात्मिक नेता हैं। इक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। यूक्रेन की वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में कहा कि रूस ने शुक्रवार की रात को 286 ड्रोन हमले किये, जिनमें से 260 को मार गिराया गया।

यूएई ने पाकिस्तान से मांगे अपने 3.5 अरब डॉलर

फाइल फोटो

इस्लामाबाद। पाकिस्तान संयुक्त अरब अमीरात के 3.5 अरब डॉलर के कर्ज का पूरा भुगतान करेगा, ऋण को किस्तों में चुकाने की अवधि बढ़ाने की प्रथा समाप्त करेगा। रिपोर्ट के अनुसार , पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात को देय 3.5 अरब डॉलर का भुगतान इसी महीने करने का फैसला किया है, जो लंबे समय से चली आ रही किस्तों में भुगतान की अवधि बढ़ाने की व्यवस्था से एक बदलाव का संकेत है। इस कदम का उद्देश्य अबू धाबी द्वारा हाल ही में जमा राशि को अल्पकालिक, मासिक आधार पर विस्तारित राशि में बदलने के बाद उत्पन्न अनिश्चितता को दूर करना है।

भूकंप और बारिश से पेशावर में राज कपूर की ऐतिहासिक हवेली का हिस्सा ढहा

भाषा ▶▶ पेशावर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता राज कपूर की हवेली का एक हिस्सा पेशावर में कथित तौर पर हाल ही में हुई भारी बारिश और उसके बाद शुक्रवार रात आए भूकंप के कारण ढह गया। अधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों ने इसकी जानकारी दी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित सदी पुरानी कपूर हवेली को पाकिस्तान सरकार ने वर्ष 2016 में राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था। खैबर पख्तूनख्वा हेरिटेज काउंसिल के सचिव शकील वहीदुल्लाह ने बताया कि भूकंप के झटकों के बाद हवेली की दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जिससे शेष ढांचे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

वहीदुल्लाह ने पुरातत्व विभाग और प्रांतीय सरकार से ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की और चेतावनी दी कि लापरवाही जारी रही तो क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को अपूरणीय क्षति हो सकती है। कपूर हवेली पेशावर शहर के प्रसिद्ध किस्सा ख्वानी बाजार के मध्य स्थित है। यह पाकिस्तान के प्रमुख स्मारकों में से एक है, लेकिन संरक्षण की मांगों के बावजूद लंबे समय से जर्जर हालत में है। यह हवेली अभिनेता पृथ्वीराज कपूर का पैतृक घर है, जो कपूर परिवार के फिल्म उद्योग में प्रवेश करने वाले पहले सदस्य थे। इस मकान का निर्माण उनके पिता दीवान बशेश्वरनाथ कपूर ने 1918 से 1922 के बीच कराया था।

अल-फलाह समूह के अध्यक्ष को न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को अल-फलाह समूह के अध्यक्ष जावेद अहमद सिद्दीकी को दिल्ली में 45 करोड़ रुपये की जमीन के ''धोखाधड़ी'' से किए गए अधिग्रहण से जुड़े धन शोधन मामले में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सिद्दीकी को शनिवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान के समक्ष पेश किया गया। उसे 25 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दस दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। अब उसे 17 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ईडी ने 24 मार्च को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दूसरे मामले में सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। उनकी जांच में पाया गया कि ''फर्जी'' दस्तावेज तैयार किए गए और उनका इस्तेमाल जमीन के धोखाधड़ीपूर्ण अधिग्रहण के लिए किया गया और 'तरबिया एजुकेशन फाउंडेशन' के निदेशक और अधिकतर शेयर रखने वाले सिद्दीकी ने कुछ व्यक्तियों के साथ मिलकर इस जालसाजी को अंजाम दिया।

ईरान से भारतीयों की सुरक्षित निकासी में मदद पर भारत ने आर्मेनिया का जताया आभार

204 भारतीय जमीनी सीमा चौकियों के जरिए भारत लौटे

- अजरबैजान पहुंचे, कई स्वदेश लौटे और बाकी जल्द लौटेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मददगारों के प्रति आभार व्यक्त करना हर एक भारतीय की परंपरा है। इसी परंपरा का नतीजा है कि केंद्र भी मददगार देशों के प्रति कृतज्ञता जताने में कभी पीछे नहीं हटती है। हाल ही में भारत ने ईरान से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग देने के लिए आर्मेनिया का आभार जताया है। हाल के दिनों में आर्मेनिया के रास्ते कई भारतीय मछुआरों और अन्य नागरिकों की सुरक्षित निकासी संभव हो सकी है। विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और वहां की सरकार को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सैकड़ों भारतीय नागरिक जमीनी रास्तों से आर्मेनिया पहुंचे हैं। भारत सरकार क्षेत्र के देशों के साथ समन्वय कर सुरक्षित ट्रांजिट रूट सुनिश्चित करने में जुटी है। इससे पहले भारत ने अजरबैजान का भी आभार जताया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 204 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा चौकियों के जरिए ईरान से अजरबैजान पहुंचे, जिनमें से कई स्वदेश लौट चुके हैं और बाकी जल्द लौटेंगे। उन्होंने कहा कि अजरबैजान में भारतीय दूतावास सक्रिय है और दोनों देशों के बीच नियमित संपर्क बना हुआ है, जिससे निकासी प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है।भारत ने इससे पहले भी आर्मेनिया की मदद की सराहना की थी। 16 मार्च को भी कठिन परिस्थितियों में 550 से अधिक भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाले।

शिक्षा के अधिकार में स्कूल चुनने का अधिकार शामिल नहीं है: दिल्ली उच्च न्यायालय

भाषा/नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी बच्चे के शिक्षा के अधिकार में उसके लिए किसी विशेष स्कूल का चयन करने का अधिकार शामिल नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम एक लाभकारी कानून है, जिसे सामाजिक समावेश के उद्देश्यों को प्राप्त करने और यह सुनिश्चित करने के लिए अधिनियमित किया गया है कि स्कूल एक साझा स्थान बनें जो जाति, जातीय समूह या जातिगत रेखाओं की बाधाओं से अलग न हो। अदालत ने 25 मार्च को फैसला सुनाया, ''हालांकि, शिक्षा के ऐसे अधिकार को किसी विशेष स्कूल को चुनने के अधिकार में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।'' अदालत का फैसला एक मां की अपील पर आया है, जिसमें उन्होंने अपने बच्चे को शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए एक निजी स्कूल में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत कक्षा दो में प्रवेश दिए जाने का अनुरोध किया था।

मालदा 'घेराव' मामले की जांच कर रही एनआईए टीम ने घटनास्थल की वीडियोग्राफी की

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद में शामिल सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव की जांच कर रही एनआईए अधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को मालदा के मोथाबारी में अपने दौरे के दूसरे दिन घटना स्थल की वीडियोग्राफी की। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को बुधवार की घटना की जांच का जिम्मा सौंपा है। न्यायालय ने इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल प्रशासन की आलोचना की है। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी की 24 सदस्यीय टीम ने मोथाबारी बीडीओ कार्यालय और उसके बाहर के उस स्थान की वीडियोग्राफी की, जहां भीड़ जमा थी और न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। एनआईए के एक सूत्र ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी की टीम जल्द ही इस घटना के ''मुख्य षड्यंत्रकारी'' से पूछताछ करेगी। इस मामले में एआईएमआईएम के एक नेता को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

आर्टेमिस-2 मिशन के एस्ट्रोनॉट ने खींचीं

1.8 लाख-किलोमीटर दूर से कैसी दिखती है पृथ्वी

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

नासा के आर्टेमिस-2 मिशन के तहत चंद्रमा की ओर जाते हुए चार अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी की शानदार तस्वीरें खींचीं हैं। पृथ्वी नीले रंग में बेहद खूबसूरत दिख रही है। एक फोटो में पृथ्वी का घुमावदार हिस्सा दिखा जबकि दूसरी फोटो में पूरी धरती नजर आई, जिस पर सफेद बादल छाए थे। मिशन पर गए चार अंतरिक्ष यात्री (3 अमेरिकी, 1 कनाडाई) फिलहाल पृथ्वी से करीब 1.8 लाख किलोमीटर दूर पहुंच चुके हैं। अभी उन्हें 2.4 लाख किलोमीटर और जाना है। वे 6 अप्रैल तक चंद्रमा के पास पहुंचेंगे। 1 अप्रैल को सुबह 4:05 बजे 'स्पेस लॉन्च सिस्टम' ओरियन स्पेसक्राफ्ट में सवार 4 अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर चांद की ओर रवाना हुआ था। 1972 के बाद पहली बार कोई इंसान चांद के करीब जाएगा। एस्ट्रोनॉट चांद पर कदम नहीं रखेंगे। वे सिर्फ चांद की कक्षा का चक्कर लगाकर लौटेंगे। शुक्रवार सुबह 5:19 बजे ओरियन कैप्सूल ने थ्रस्टर्स फायर किए और पृथ्वी की कक्षा छोड़ दी। अब यह अगले 4 दिन अंतरिक्ष में सफर करेगा और वहां पहुंचेगा।

'फोर्स मेज्योर' लागू करने की मांग, एमएसएमई सेक्टर पर भारी वित्तीय दबाव डाल रहा

दोहरी मार : ईरान युद्ध से बासमती निर्यातकों का माल फंसा, शिपिंग कंपनियां लगा रहीं जुर्माना

सेंट्रल डेस्क ▶▶ रोहतक

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक शिपिंग मार्ग लगातार बाधित हो रहे हैं। ऐसे में भारत के बासमती चावल किसानों और निर्यातकों ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अरब डेस्क से संपर्क कर सरकार से 'फोर्स मेज्योर' लागू करने की मांग की है। निर्यातकों का कहना है कि यह संकट सिर्फ लॉजिस्टिक समस्या नहीं बल्कि एक गंभीर व्यापारिक आपातस्थिति है, जिसमें शिपिंग कंपनियां उन परिस्थितियों के लिए उन पर अनुचित शुल्क डाल रही हैं, जो उनके नियंत्रण से बाहर हैं। उन्होंने सरकार से इन शुल्कों को माफ करने, मनमाने चार्ज रोकने और शिपिंग लाइनों को विवादित भुगतान से जोड़े बिना कंटेनर रिलीज या वापस करने का निर्देश देने की मांग की है। उनका कहना है कि यह संकट खासकर एमएसएमई सेक्टर पर भारी वित्तीय दबाव डाल रहा है और भारत की निर्यात साख को नुकसान पहुंचा सकता है।

'फोर्स मेज्योर' क्या है और निर्यातक क्या चाहते हैं?

'फोर्स मेज्योर' एक कानूनी सिद्धांत है, जो तब लागू होता है जब युद्ध, संघर्ष या बड़े व्यवधान जैसी अप्रत्याशित घटनाएं किसी अनुबंध को पूरा करना असंभव बना देती हैं। निर्यातकों का तर्क है कि फरवरी के अंत से चल रहा खाड़ी संकट इस श्रेणी में आता है, क्योंकि उन्होंने पहले ही ऑर्डर स्वीकार कर लिए थे, उत्पादन पूरा कर लिया था और कंटेनर लोड भी कर दिए थे। वे कॉन्ट्रैक्ट फ्रस्ट्रेशन के सिद्धांत का भी हवाला देते हैं, जिसके अनुसार यदि अनुबंध का पालन संभव नहीं रह जाता तो वह स्वतः शून्य हो सकता है।

निर्यातकों की प्रमुख मांगें

मार्च से इस स्थिति को औपचारिक रूप से 'फोर्स मेज्योर' घोषित किया जाए
युद्ध जोखिम जैसे अतिरिक्त शुल्कों को पीछे की तारीख से लागू करने पर रोक लगे
विवादित भुगतान से जोड़े बिना कंटेनर वापस या रिलीज किए जाएं
सरकार, शिपिंग कंपनियों और उद्योग संगठनों के बीच एक संयुक्त टास्क फोर्स बनाई जाए
निर्यातकों का कहना है कि कानूनी कार्रवाई (लिटिगेशन) व्यावहारिक समाधान नहीं है, क्योंकि यह समय लेने वाली और महंगी प्रक्रिया है, जबकि संकट तुरंत समाधान की मांग करता है।

- निर्यातकों का कहना है कि एक बार माल शिपिंग कंपनियों को सौंप देने के बाद उसकी जिम्मेदारी उन्हीं की होती है और सेवा बंद होने से हुई देरी के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।
- इसके बावजूद शिपिंग कंपनियां डिटेंशन, डेमरेज, स्टोरेज और युद्ध जोखिम शुल्क वसूल रही हैं।
- कंटेनर वापसी के लिए 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' जारी करने में देरी और संचार में ढिलाई से लागत और बढ़ रही है।
- उनका कहना है कि शिपिंग कंपनियां अपने फैसलों या बाहरी संकट से पैदा हुई स्थितियों के लिए शुल्क नहीं लगा सकतीं और यह निर्यातकों के खर्च पर अनुचित लाभ कमाने जैसा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28